मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	36.4	29.3
जमशेदपुर	38.0	26.0
डालटनगंज	40.0	28.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, मंगलवार 25 जून 2024 आषाढ़ शुक्ल पक्ष 03 संवत 2081 पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ वर्ष : 2, अंक : 77 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

डीजीजीएसटीआई के सीनियर इंटेलिजेंस ऑफिसर की रिपोर्ट में खुलासा

नरसिंह इस्पात ने टैक्स चोरी के लिए अपनाए तरह-तरह के हथकंडे

रवि भारती। रांची

झारखंड के सबसे प्रदूषित उद्योगों में शुमार सरायकेला-खारसावां के चांडिल स्थित नरसिंह इस्पात कंपनी के अजब-गजब कारनामे हैं. नियमों का उल्लंघन कर लाभ कमाने के चक्कर में टैक्स चोरी के लिए कंपनी के अधिकारियों ने तरह-तरह के हथकंडे अपनाये. टैक्स भुगतान से बचने के लिए सीईए और जीईआर के प्रावधानों की जानबूझ कर अनदेखी की. यह हथकंडा केंद्रीय उत्पाद शुल्क से बचने के लिए अपनाया गया.

इसका खुलासा डीजीजीएसटीआई (डायरेक्टरेट जेनरल ऑफ गुड्स एंड सर्विसेस टैक्सेस इंटेलिजेंस) द्वारा 2017 में जारी रिपोर्ट में हुआ है. रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्रीय उत्पाद शुल्क के भुगतान से बचने के लिए उत्पादन का गलत तरीके से मूल्यांकन किया. साथ ही अपनी उत्पादन क्षमता का भी गलत तरीके से विस्तार किया. इसकी सूचना उद्योग मंत्रालय को भी नहीं दी गई. बताया गया है कि नरसिंहइस्पात में बड़े पैमाने पर टैक्स की चोरी पायी गयी है.

मुख्य बातें

- सीईए और जीईआर के प्रावधानों का भी किया गया है उल्लंघन
- सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी से बचने के लिए कम कीमत पर बेच दी खनिज
- कंपनी को जारी किया जा चुका है शो-कॉज नोटिस

टैक्स भुगतान से बचने के लिए कम कीमत पर खनिज बेच दी

डीजीजीएसटीआई की रिपोर्ट के अनुसार नरसिंह इस्पात ने टैक्स से बचने के लिए 47,658 मिट्रिक टन खनिज कम कीमत पर सलटा दी. टैक्स से बचने के लिए कंपनी के पदाधिकारियों ने साक्ष्यों को भी नष्ट करने की कोशिश की. ऐसे में सीईए के नियमों के अनुसार कंपनी के खिलाफ एडीजी ने कार्रवाई की भी अनुशंसा की. साथ ही केंद्रीय उत्पाद शुल्क 2002 के नियम 25 के अनुसार दंडात्मक कार्रवाई किये जाने की बात कही गई है.

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की गाइडलाइन का भी पालन नहीं

नरसिंह इस्पात में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की गाइडलाइन का भी पालन नहीं हो रहा है. गाइडलाइन के अनुसार राख का डिस्पोजल सही तरीके से करने का निर्देश दिया गया था. बोर्ड ने कहा था कि डिस्पोजल ऐश में होना चाहिए. इसका भी अनुपालन नहीं किया जा रहा है. नरसिंह इस्पात से धूल-कण, नाइट्रिक ऑक्साइड और सोडियम डायऑक्साइड का मानक से अधिक फैलाव हो रहा है.

डीजीजीएसटी आई ने उठाये थे सवाल

1. सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया, 2. कंपनी के निदेशक हेमंत गोयल को केंद्रीय माल और सेवा कर का भुगतान नहीं करने का जिम्मेवार बताया 3. अनिवार्य रूप से जुर्माना लगाने की अनुशंसा 4. तथ्य के साथ कारण बताओ नोटिस का जवाब मांगा गया था.

नरसिंह इस्पात कंपनी का सामाजिक अंकेक्षण व जनसुनवाई हो : जिप उपाध्यक्ष

दिलीप कुमार। चांडिल

चांडिल प्रखंड के खूंटी स्थित नरसिंह इस्पात लिमिटेड कंपनी के मामले पर सरायकेला

खरसावां जिला परिषद की उपाध्यक्ष मधुश्री महतो गंभीर हैं.

उन्होंने इस मामले पर मंगलवार को जिले के उपायुक्त से मिलने की बात कही है. जिप उपाध्यक्ष ने कहा कि उपायुक्त से मिलकर नरसिंह इस्पात कंपनी के सारे कागजातों की जांच करने की मांग करेंगे. इसके साथ ही कंपनी के कार्यों पर लगे अनियमितता की भी जांच करने की मांग करेंगे. उन्होंने कहा किसानों के लिए बनी केनाल से पानी चोरी करने का आरोप काफी गंभीर है. पलना डैम का केनाल किसानों के खेतों की सिंचाई के लिए बनी है ना की कंपनी को पानी आपूर्ति करने के लिए. अगर कंपनी प्रबंधन केनाल से पानी चोरी करता है, तो यह गंभीर मामला है. इसकी उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी. शुभम संदेश अखबार से बात करते हुए जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो ने कहा कि . शेष पेज 07 पर

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,600
चांदी (किलो)	95,000

ब्रीफ खबरें

नड्डा राज्यसभा में सदन के नेता बने

नयी दिल्ली। भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा को राज्यसभा में सदन का नेता नियुक्त किया गया है. उच्च सदन में नड्डा केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की जगह लेंगे. हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में गोयल ने महाराष्ट्र से जीत दर्ज की है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे राज्यसभा में विपक्ष के नेता हैं. नड्डा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के साथ ही केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं. वह स्वास्थ्य मंत्रालय का जिम्मा संभाल रहे हैं. नड्डा मूल रूप से हिमाचल प्रदेश के हैं, उनका जन्म बिहार में हुआ है और वर्तमान में वह गुजरात से रास के सदस्य हैं.

केजरीवाल की बेल पर आज फैसला

नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ईडी की उस याचिका पर अपना फैसला मंगलवार को सुनाएगा, जिसमें कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत देने के निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है. हाईकोर्ट अपना फैसला मंगलवार को दोपहर बाद 2:30 बजे सुनाएगा. न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन की पीठ ने निचली अदालत के फैसले को ईडी द्वारा चुनौती दिये जाने के बाद 21 जून को आदेश सुरक्षित रख लिया था.

इमरजेंसी की याद में भाजपा का कार्यक्रम

नयी दिल्ली। भाजपा ने सोमवार को कहा कि वह कांग्रेस की तानाशाही और संविधान के प्रति उसकी सोच का पर्दाफाश करने के लिए 1975 के आपातकाल की बरसी के मौके पर एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम शुरू करेगी. भाजपा ने एक बयान में कहा कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में लोकतंत्र के काले दिन शीर्षक वाले मुख्य कार्यक्रम को संबोधित करेंगे.

सीएम ने चेताया, अबुआ बीर अबुआ दिशोम अभियान को हल्के में न लें

वन पट्टा क्यों रद्द हुआ देना होगा जवाब

काम करने की लानी होगी इच्छा शक्ति

प्रवीण कुमार। रांची

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा है कि वनपट्टा के हजारों हजार आवेदन रद्द होने का जवाब उपायुक्तों को देना होगा. यदि सही निर्णय लेते हुए या अनजाने में आवेदन रद्द हुए हैं, तो कोई बात नहीं, लेकिन यदि किसी उपायुक्त ने कोई आवेदन जानबूझ कर रद्द किया है, तो राज्य सरकार उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई करेगी. मुख्यमंत्री सोमवार को वनाधिकार अधिनियम, 2006 के अनुपालन को लेकर श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में आयोजित कार्यशाला को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे. कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में सभी जिलों से उपायुक्त एवं डीएफओ सम्मिलित हुए. मुख्यमंत्री ने कहा कि वनवासियों को अधिकार देने के इस अभियान को सफल बनाना होगा.

उनके साथ सौतेला व्यवहार नहीं चलेगा. उन्होंने कहा कि आदिवासी 400- 500 वर्षों से जल, जंगल, जमीन की लड़ाई लड़ रहे हैं. इसी लड़ाई का एक उदाहरण गुवा गोली कांड है. आदिवासी अपनी अस्मिता को बचाने कभी पीछे नहीं हटता. मुख्यमंत्री ने सभी उपायुक्तों को डीएफओ के साथ मिल कर आदिवासियों को वनपट्टा देने के निर्देश दिए. उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व में लैंड बैंक के नाम से आदिवासियों के साथ धोखा हुआ. सीएम ने सभी जिलों के डीसी और डीएफओ को स्पष्ट तौर पर चेताया कि अबुआ बीर अबुआ दिशोम अभियान को हल्के में न लें. नहीं को कार्रवाई की जाएगी. साथ ही वन पट्टा क्यों रद्द हुआ, इसका भी जवाब देना होगा.

संघर्षों की बदौलत आया वन अधिकार कानून

सीएम ने कहा कि वन अधिकार कानून लंबे संघर्षों के बाद आया. उन्होंने फिर दोहराया कि सरकार द्वारा चलाए गए अभियान को हल्के में न लें. लोगों को दो-चार डिसमिल का पट्टा देने के लिए यह कानून नहीं बना है. वन अधिकार कानून का यह अभियान पीछे नहीं होगा. डीसी, डीएफओ को इसीलिए बुलाया गया है, वन आधिकार अधिनियम के आवेदन क्यों रद्द हुआ, इसका जवाब भी देना होगा. लोगों ने वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत वन पट्टा के लिए आवेदन किए थे. लेकिन उनके आवेदन रद्द हो गए. आवेदन रद्द करने वालों को जवाब देना होगा.

आदिवासियों के साथ सौतेला व्यवहार क्यों ?

सीएम ने कहा कि आदिवासियों के साथ सौतेला व्यवहार क्यों हो रहा है. 3000 आदिवासियों पर वनों पर अधिकार के मामले में मुकदमे भी हुए. सभी उपायुक्त और डीएफओ इस अभियान को इस तरह चलाएं कि एक से डेढ़ माह में इस अभियान में सफल हो जाए. किसी तरह का भेदभाव नहीं हो. ग्रामसभा से भी जो बातें आती हैं, उसको मनाना है. हम लोग उसके साथ विश्वासघात नहीं करेंगे. काम करने की इच्छा शक्ति लानी होगी. वन पट्टा के आवेदनों को रद्द करने पर सरकार कार्रवाई करेगी.

मुख्य सचिव ने खुद सुनाई अपनी व्यथा

मुख्य सचिव ने कहा, इस अभियान को लेकर मैं दो गांव गया. जब गांव के वन क्षेत्र का नक्शा सीमांकन किया जा रहा था, तो दो गांव आपस में ही उलझ गये. एक नई सोच के साथ अपने अनुभव को गांव से लौट कर निर्णय देने में काम लाये.

वन अधिकार कानून की भावना को समझने की जरूरत है: दीपक

मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि वन अधिकार कानून की भावना को समझने की जरूरत है. इस कानून को झारखंड बेहतर तरीके से लागू नहीं कर पाया है. दवा को खारिज करने की मानसिकता खत्म करनी होगी. वन विभाग को अपना मानसिकता में बदलाव लाना होगा. जब मुख्य सचिव ने पूछे कि आप गांव गए हैं तो किसी डीएफओ, डीसी ने हाथ नहीं उठाया. इसलिए आपको कामकाज के तरीके और मानसिकता में बदलाव लानी होगी. पीसीसीएफ संजय श्रीवास्तव ने कहा, वन अधिकार अधिनियम 2006 को लागू हुए 18 साल बीत गए, लेकिन हम लोग इस पर चर्चा कर रहे हैं कैसे इसे लागू किया जाए. वन विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने कहा कि वंचितों के अधिकार दिलाना हम सबका कर्तव्य है, वन विभाग के अधिकारियों को भी न्याय पूर्वक कार्य करना होगा .सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता संजय उपाध्याय ने कहा कि इस कानून में ग्राम सभा का महत्वपूर्ण स्थान है. विस्थापितों को भी वन अधिकार अधिनियम के तहत पता मिल सकता है वन विभाग ना कभी टाइगर को हेल्प करता है ना कभी ट्राइबल को. पट्टा मिलने के बाद इस रेवेन्यू रिकॉर्ड और वन विभाग के रिकॉर्ड में दर्ज करना महत्वपूर्ण काम हो जाता है.

अबुआ बीर अबुआ दिशोम अभियान को एक स्कीम की तरह नहीं देखे: मुख्य सचिव

मुख्य सचिव एल खियांग्यते ने कहा कि जिस उद्देश्य से वन अधिकार कानून 2006 लाया गया था, उसका लाभ नहीं मिल सका या फिर हम वन आश्रितों को लाभ नहीं दिला सके. डीसी, डीएफओ और अन्य अफसर अबुआ बीर अबुआ दिशोम अभियान को स्कीम तरह नहीं देखें. इसे दायित्व की तरह देखना होगा. उन्होंने डीसी और डीएफओ से पूछा- आप कभी ग्राम सभा की बैठक में गए हैं. जमीन के सीमांकन में मौजूद रहे हैं. आप कभी गांव जाते हैं. हाथ उठाइए. इस पर मौजूद डीसी और डीएफओ ने चुप्पी साध ली. हाथ नहीं उठाया. फिर मुख्य सचिव ने कहा कि आप स्वयं गांव में नहीं जाएंगे, तो अनुभव कैसे करेंगे. वन आश्रितों को अधिकार कैसे दिलाएंगे. आप गांव-गांव जाकर इस एक्ट को लागू करें. गांव से लौट कर कमरे में बैठ कर विश्लेषण कर कोई निर्णय करेंगे, तो यह फैसला सही होगा.

नेता सदन नरेंद्र मोदी सोमवार को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के बाद हस्ताक्षर करते हुए.

पीएम सहित कई सांसदों ने ली शपथ, 'इंडिया' ने दिखाई एकता

- संविधान की प्रति के साथ पहुंचे संसद
- अपनी-अपनी भाषा में सांसदों ने ली शपथ

लगातार न्यूज। नयी दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और विपक्षी इंडिया गठबंधन के घटक दलों के नेता 18वीं लोकसभा के प्रथम सत्र के पहले दिन सोमवार को संविधान की प्रति लेकर सदन में पहुंचे और एकजुटता प्रकट की. कार्यवाही आरंभ होने से पहले विपक्षी गठबंधन के सांसद संसद परिसर में एकत्र हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की.

उन्होंने संविधान की रक्षा हम करेंगे और तानाशाही नहीं चलेगी के नारे लगाए. इस दौरान सोनिया गांधी, खरगे, राहुल गांधी तथा द्रमुक, टीएमसी और अन्य घटक दलों के सांसद मौजूद थे. राहुल गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह पर संविधान पर हमला करने का आरोप लगाया और कहा कि यह उन्हें स्वीकार्य नहीं है. उन्होंने संसद भवन परिसर में कहा, पीएम मोदी और अमित शाह संविधान पर हमला कर रहे हैं. हम संविधान पर वह हमला नहीं होने देंगे. उनका यह भी कहना था, यह हमला हमें स्वीकार्य नहीं है. शेष पेज 07 पर

मोदी 3.0 के पहले 15 दिनों में क्या-क्या हुआ?

राहुल गांधी ने सब गिनाया मौत, आतंकी हमला, घोटाला

नयी दिल्ली। लोकसभा सेशन सेशन सोमवार को शुरू हुआ. पहले ही दिन विपक्ष ने कई मुद्दों पर सरकार को घेर लिया. इसी बीच राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एनडीए सरकार पर निशाना साधा है. राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पिछले 15 दिनों की बड़ी घटनाओं को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है. उन्होंने कहा, इंडिया गठबंधन का मज़बूत विपक्ष अपना दबाव जारी रखेगा, लोगों की आवाज उठाएगा. नई लोकसभा के पहले सत्र के पहले दिन इंडिया गठबंधन के नेताओं ने हाथों में संविधान की प्रतियां लेकर लोकसभा कक्ष तक मार्च किया. यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्ष का संदेश जनता तक पहुंच रहा है, तो राहुल गांधी ने कहा, हमारा संदेश जनता तक पहुंच रहा है और कोई भी ताकत भारत के संविधान का बाल भी बांका नहीं कर सकती और हम इसकी रक्षा करेंगे.राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, मानसिक रूप से बैकफुट पर नरेंद्र मोदी बस अपनी सरकार बचाने में व्यस्त हैं. नरेंद्र मोदी जी और उनकी सरकार का संविधान पर आक्रमण हमारे लिए एक्सेप्टेबल नहीं है और ये हम किसी हाल में होने नहीं देंगे. इंडिया गठबंधन का मजबूत विपक्ष अपना दबाव जारी रखेगा, लोगों की आवाज़ उठाएगा और प्रधानमंत्री को बिना जवाबदेही बच कर निकलने नहीं देगा. रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, पीएम मोदी, अमित शाह जो आक्रमण संविधान पर कर रहे हैं, वो हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है और वो हम नहीं होने देंगे इसलिए हमने शपथ लेते समय संविधान पकड़ा था...हिंदुस्तान के संविधान को कोई शक्ति नहीं छू सकती.

एनडीए के पहले 15 दिन!

1. भीषण ट्रेन दुर्घटना 2. कश्मीर में आतंकी हमले 3. ट्रेनों में यात्रियों की दुर्दशा 4. नीट घोटाला 5. नीट पीजी निरस्त 6. यूजीसी नेट का पेपर लीक 7. दूध, दाल, गैस, टोल और महंगे 8. आग से धधकते जंगल 9. जल संकट 10. हीट वेव में इंतजाम न होने से मौतें.

मोदी जी ने संविधान को तोड़ने की कोशिश की: खरगे

वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, संविधान को बचाने के लिए हमने जो कोशिश की थी उसमें जनता हमारे साथ है. लेकिन मोदी जी ने संविधान को तोड़ने की कोशिश की. इसलिए आज हम यहां एकत्रित होकर उसका विरोध कर रहे हैं. यहां पर गांधी जी की प्रतिमा थी और हम यहीं पर विरोध कर रहे हैं... हर लोकतांत्रिक नियम को तोड़ा जा रहा है. पीएम मोदी ने भी आपातकाल पर कांग्रेस को घेरा-देखें पेज 12 पर

विडंबना झारखंड गठन के 24 साल में दूध का उत्पादन बढ़ा, लेकिन पशुपालकों में कुपोषण भी बढ़ता ही गया

आदिवासी समाज आज भी दूध, घी, दही, पौष्टिक आहार से दूर

कौशल आनंद। रांची

शुभम संदेश खास

अलग राज्य के गठन के 24 साल में झारखंड में दूध का उत्पादन बढ़ा है. लेकिन दूध का उत्पादन बढ़ने के बावजूद राज्य में कुपोषण भी तेजी से बढ़ा है. राज्य सरकार के समक्ष दूध उत्पादन से लेकर कुपोषण तक का जो डेटा प्रस्तुत किया गया है, उस पर सरकारी अमला मंथन कर रहा है. सरकारी पहल पर पशुपालन को बढ़ावा देने के कारण ग्रामीणों-आदिवासियों द्वारा दूध का उत्पादन निश्चित तौर पर बढ़ा है. दूध सरकार द्वारा संचालित डेयरी प्लांट के साथ ही साथ निजी डेयरी प्लांट में तो पहुंच रहा है, लेकिन जो ग्रामीण-आदिवासी इसका उत्पादन कर रहे हैं, वे खुद गरीबी के कारण सेवन नहीं कर रहे हैं, बल्कि उसे बेच रहे हैं, ताकि घर-परिवार चला सकें. नतीजतन जिस तेजी से दूध का उत्पादन बढ़ा है, उतनी ही रफ्तार से राज्य में कुपोषण भी बढ़ा है, जिसे लेकर सरकारी अमला गंभीर है.

सरकार के स्तर पर अब यह प्रयास किया जा रहा है कि आदिवासी ग्रामीणों के बीच दूध का उत्पादन बढ़ाने के साथ ही साथ आदिवासियों को उसका सेवन करने के लिए भी जागरूक किया जाए, ताकि वे और उनके परिवार के लोग कुपोषण का शिकार न हो सकें.

ग्रामीण आदिवासी दूध का उत्पादन तो कर रहे, लेकिन गरीबी के कारण बेच रहे, खुद नहीं पी रहे

दूध उत्पादन और राष्ट्रीय व झारखंड पैमाने पर खपत की स्थिति

- राज्य गठन के बाद तेजी से बढ़ा है दूध का उत्पादन, 33 लाख एमटी तक पहुंचा
- राज्य गठन के बाद दूध उत्पादन नौ लाख मीट्रिक टन था, वहीं आज यह बढ़कर 33 लाख एमटी हो गया है.
- प्रति व्यक्ति दूध की खपत राष्ट्रीय औसत से आधा के करीब ही है. कारण, यहां के जनजातियों में दूध पीने को लेकर जागरूकता नहीं

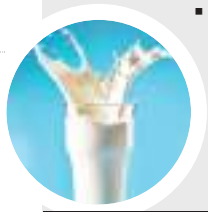

झारखंड में आज भी दूसरे राज्यों से दूध आ रहा

- चालू वित्त वर्ष में इसे 36 लाख एमटी करने का लक्ष्य रखा गया है.
- झारखंड में प्रति व्यक्ति दूध की खपत 197 ग्राम है, जबकि दूध खपत का राष्ट्रीय औसत 444 ग्राम है.
- राज्य सरकार ने 2024-25 में इसे 237 ग्राम तक ले जाने का लक्ष्य रखा है.

आदिवासी समाज की स्थिति ज्यादा चिंताजनक

1. आदिवासी समाज आज भी दूध, घी, दही, पौष्टिक आहार से दूर है. इससे आदिवासियों में कुपोषण अधिक 2. एक स्वस्थ वयस्क की दैनिक खाद्य जरूरतें 1207 ग्राम हैं, जिसमें अनाज, दाल, दूध, दुग्ध उत्पाद, सब्जियां और फल शामिल हैं. इससे आदिवासी वंचित 3. झारखंड में विकास के नाम पर सरकारों ने 1951 से 1995 तक 15 लाख लोगों का बिना किसी समुचित पुनर्वास के उनके जीविकोपार्जन के साधनों से बेदखल किया, जिनमें 6.20 लाख आदिवासी शामिल हैं.

कुपोषण की स्थिति 67.5 % बच्चे एनीमिक

- परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार झारखंड में 67.5 % बच्चे एनीमिक हैं
- 15 से 49 वर्ष की महिलाओं में से 65.7 % में हीमोग्लोबिन की मात्रा 12 ग्राम से कम है.
- 15 से 49 वर्ष की 56.8 % गर्भवती महिलाएं हैं, जिनमें हीमोग्लोबिन की मात्रा 11 ग्राम से कम है.
- राज्य में 29.6 % ऐसे पुरुष हैं, जिनमें हीमोग्लोबिन की मात्रा 13 ग्राम से कम है, यानी हर तीसरा पुरुष एनीमिक है.

नीट पेपर लीक मामले में बड़ा खुलासा

मुन्ना भाई से लेकर आंसरशीट बदलने तक का था जुगाड़

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र में नीट पेपर लीक मामले की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है. सूत्रों के मुताबिक जैसे ही परीक्षा की तारीख आई थी, आरोपियों ने छात्रों को लुभाने के लिए व्हाट्स एप ग्रुप बनाया था. आरोपी उन्हें इस ग्रुप पर एग्जाम पास कराने का आश्वासन देते थे.

आरोपियों ने बताया कि वे चार तरह से छात्रों की मदद का आश्वासन देते थे. पहला रास्ता था पेपर लीक, दूसरा पेपर में डमी परीक्षार्थी बैठाना. तीसरा रास्ता था परीक्षा का सेंटर उनके हिसाब से दिलवाना और चौथा था परीक्षा के बाद दोबारा आंसर शीट पर सही जवाब लिखवा कर फिर से उसे जमा करवाना.

छात्रों से लिए लाखों रुपए

सूत्रों ने बताया कि छात्रों को चारों तरीकों में से जो तरीका पसंद होता है, उसके हिसाब से आरोपी पैसों की मांग करते थे. पुलिस को मिले व्हाट्सएप चैट से पता चला है कि आरोपियों ने कई छात्रों से लाखों रुपये लिए हैं. चैट्स में ये भी दिखाई दिया है कि आरोपियों ने दूसरे राज्य के छात्रों से भी पैसे लिए हैं.

मामले में हुई पहली गिरफ्तारी : नीट पेपर लीक मामले में महाराष्ट्र में लातूर पुलिस ने जलील खान को गिरफ्तार किया है. नीट में धांधली का कनेक्शन लातूर से भी सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है. इस मामले में अब तक चार लोगों पर केस दर्ज कर आरोपी बनाया गया है.

26 जून को राज्य के उत्तर-पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी इलाकों में बारिश के आसार

बारिश के साथ कहीं-कहीं दिखेगा धूप-छांव का नजारा

खास बातें

- दो दिनों से बारिश नहीं होने से गर्मी से बेहाल हैं लोग
- बारिश होने से तापमान गिरने की संभावना जताई गई है

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के मौसम में काफी बदलाव के संकेत मिल रहे हैं. प्रदेश में बारिश के साथ कहीं-कहीं धूप छांव का भी नजारा दिखेगा. मौसम केंद्र के अनुसार, 25 से 28 जून तक राज्य में कहीं-कहीं गर्जन और तेज हवाओं के झोंके के साथ वज्रपात होने की आशंका है. हवा की गति 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा होने की संभावना है. 28 और 29 जून को राज्यभर में बारिश होगी. बताते चलें कि राज्य के उत्तर पूर्वी हिस्से में मॉनूसन का आगमन हो गया है. मौसम केंद्र ने जानकारी दी है कि राज्य के पाकुड़ और साहिबगंज तक मॉनसून का प्रवेश हो गया है. ऐसे में आने वाले एक दो दिनों में मॉनसून राज्यभर में फैल जायेगा.

इन जिलों में भारी बारिश की संभावना

मौसम केंद्र के अनुसार, 26 जून को राज्य के उत्तर-पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है. इसका प्रभाव गोड्डा, साहिबगंज, दुमका, पाकुड़, देवघर, जामताड़ा, धनबाद, गिरिडीह, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां जिले में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की आशंका है.

तापमान में आएगा गिरावट

मौसम केंद्र के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट दर्ज की जायेगी. जो तीन से चार डिग्री तक की होगी. वहीं, पिछले कुछ दिनों के दौरान तापमान में कमी महसूस की गयी है. मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो पिछले तीन दिनों के दौरान तापमान में पांच डिग्री तक की गिरावट महसूस की गयी है. पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम के कुमारडुंगी में 42.5 मिमी बारिश दर्ज की गयी है. जबकि बुढ़मू रांची में 12 मिमी, बोरियो में 5.3 मिमी बारिश दर्ज की गयी.

कोर्ट की सुरक्षा-व्यवस्था को सुदृढ़ करें : अजय कुमार

वरीय संवाददाता। रांची

कोर्ट की सुरक्षा को लेकर सोमवार को राज्य के डीजीपी अजय कुमार सिंह ने समीक्षा बैठक की. झारखंड पुलिस मुख्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी न्यायालय परिसरों, न्यायाधीशों और उनके आवासीय कॉलोनियों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने को कहा है. साथ ही खामियों को अविलंब दूर करने का निर्देश दिया. बैठक में डीजीपी ने सभी जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी, एसएसपी, एसपी से उनके क्षेत्राधीन न्यायालय परिसर, न्यायाधीशों और उनकी आवासीय कॉलोनियों की सुरक्षा बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की.

वरीय पुलिस पदाधिकारी औचक निरीक्षण करें

डीजीपी ने न्यायालय परिसरों, न्यायाधीशों और उनके आवासीय परिसरों, कॉलोनियों में प्रतिनियुक्त पदाधिकारी और बलों की लगातार औचक निरीक्षण करने का वरीय पुलिस पदाधिकारियों को दिया. साथ ही त्रुटि पाए जाने पर तत्काल उसका निवारण करने को कहा. इसके अलावा प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी व बलों को कर्तव्य पर मुस्तैद रहने के लिए उनके प्रशिक्षण, ड्यूटी से पूर्व ब्रीफिंग और लगातार मॉनिटरिंग करते रहने पर जोर दिया गया.

झामुमो का दोनों विधानसभा प्रभारी समेत बाबूलाल पर तीखे हमले, सुप्रियो ने कहा-

जरा व्यापम और शारदा घोटाले पर कुछ बोल जाते चौहान-हिमंता

- कहा-जिस पार्टी का भ्रष्टाचार ही शिष्टाचार है, वही भ्रष्ट और भ्रष्टाचारी कहेगा
- ईश्वर करे विधानसभा चुनाव बाबूलाल के नेतृत्व में हो, भाजपा अपनी घोषणा पर अटल रहे

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने झारखंड विधानसभा प्रभारी और सह प्रभारी क्रमशः शिवराज चौहान और हेमंत विश्व सरमा पर तीखे प्रहार किए. कहा कि शिवराज जी को बताना चाहिए कि व्यापम का कौन सा स्वरूप नीट में आया है. हेमंत साहब को बताना चाहिए शारदा कांड में जो आपके उपर आरोप लगे थे, वह आरोप पत्र की अद्यतन स्थिति क्या है. जो शारदा के अभियुक्त आपके प्रतिपक्ष के नेता बंगाल में हैं शुभेंद्र अधिकारी उनके विषय में भी बताएं. पूरी तरह से परास्त और मानसिक रूप से धवस्त भाजपा आज रास्ता नहीं खोज पा रही है. उनके आने से और उनकी घोषणा से कि बाबूलाल के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा, हम उनको बधाई देते हैं कि आपका यह निर्णय कायम रहें ताकि आप 10 के नीचे रहेंगे और हम कंफर्टबली बहुमत प्राप्त सरकार बना लेंगे. हम कोई झूठे इतनीसीट का नारा नहीं देंगे. ये लोग सीट भी बता दिए कि हम इतनी सीट जीत चुके हैं. अजीब बात है. आप अगर 52 पर हैं तो 70 का नारा दे दीजिए तो हम कहेंगे सात प्लस दो, नौ. हम समझते हैं कि भाजपा के पास नैतिकता नहीं है, राज्य सरकार से डरी हुई है और डरे हुए लोग चुनाव नहीं लड़ सकते हैं. यह बातें पार्टी के महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

प्रेस कांफ्रेंस में अपनी बातें रखते झामुमो महासिचव सुप्रियो भट्टाचार्य.

भाजपा के दोनों प्रभारी भ्रष्टाचार और घोटाले के प्रतीक हैं : भट्टाचार्य ने कहा कि आप आते है तो आएं, स्वागत है. मगर यहां आकर बतौलाबाजी न करें. यह सपना देखना बंद कर दीजिए. आगामी दिनों में विधानसभा में पहुंचने वाले हैं, आपकी संख्या दहाई तक नहीं जाएगी. इकाई में सिमट जाएगी. इस बात को कान खोल कर सुन लें. क्योंकि आपके दोनों नए प्रभारी भ्रष्टाचार और घोटाले के प्रतीक हैं. हाल के दिनों में भ्रष्टाचारियों के संरक्षक बन कर उभरे हैं, जिनके संरक्षण में ईडी के तमाम अभियुक्त हैं. इनको जनता माफ नहीं करेगी.

बाबूलाल के कारनामे को पूरी दुनिया देख चुकी है

भट्टाचार्य ने कहा कि ये दोनों प्रभारी रांची आएं. भाजपा के लोगों से बात करें, रणनीति बनाएं. सरकार गठन का सपना भी देखे. लेकिन एक ऐसे नेता को सामने लाकर रखे जिनके हाल के दिनों का कारनामे सभी ने देखा वह है बाबूलाल मरांडी. इनके कारनामे सोशल मीडिया में भी आया, सभी ने देखा. ईडी वह जिस मिनिस्ट्री के अधीन आता है, उसके जो दायित्व प्राप्त केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जब रांची आयीं तो दो लोगों के साथ में उनका विशेष मुलाकात बाबूलाल जी ने कराया. सेना के जमीन के करोबारी और ईडी के आरोपी विष्णु अग्रवाल और कमलेश कुमार की भी मुलाकात हुई. मुलाकात उस वक्त में हुई जब वह ईडी के नजर में फरार चल रहे थे विष्णु अग्रवाल. उनके मंत्री अभियुक्तों से बात कर रहे हैं, उनके साथ बाबूलाल हैं. अब इनके प्रभारी आकर कह रहे हैं कि भ्रष्टाचारी है यहां की सरकार. अरे कुछ तो शर्म करो. आपके नेता हैं, जिन्होंने इस पूरे भ्रष्टाचार किया, आपके मंत्री से मिलवाने काम किया. किस मुंह से ये लोग भ्रष्ट और भ्रष्टाचार की बातें कह रहे हैं.

आपके दो-दो पूर्व सीएम चुनाव हार चुके हैं

भट्टाचार्य ने कहा कि जिस पार्टी का भ्रष्टाचार शिष्टाचार बन चुका है, उनके पार्टी के लोग यहां आकर पूछ रहे हैं कि झारखंड में क्या हो रहा है. कितना मूर्खता वाली बात सुनी कि चंपाई सोरेन विधानसभा का चुनाव हार गए हैं. अभी बताइए झारखंड में चुनाव हुआ ही नहीं है. पांच बड़ा या नौ, तो सरमा जी नौ बड़ा या 12? जब 12 था तब तो हम दो थे. तो नौ बड़ा या 12? और क्यों सभी आदिवासी सीट, आदिवासी प्रदेश अध्यक्ष के रहते हार गए. क्यों नहीं खाता खोल पाए. आपको पहला मुख्यमंत्री दिखा, दूसरा मुख्यमंत्री तो भी चुनाव लड़ा था. जो सबसे ज्यादा बार का मुख्यमंत्री बना. उनका हश्र क्या हुआ. जो बात हमने एक महीने पहले कहा था कि 1 लाख से अधिक वोट से हारेंगे. तो किनके कंधे पर आप यहां सवार होकर चुनाव लड़ेंगे. यदि यहां पर आकर विष घोलने का काम करेंगे तो उसका जवाब भी हम देंगे.

झारखंड को संदेशखाली बनने नहीं देंगे

भट्टाचार्य ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राजभवन गए थे. पाकुड़ में जो इनके द्वारा अशांति क्रियेट किया गया था, उस पर कुछ बोलने गए हैं. आज झारखंड को संदेशखाली मत बनाएं. क्योंकि इसका फला-फल लोकसभा में देख चुके हैं. जिस महिला को आपने सामने लाया, वह बुरी तरह चुनाव हारी हैं. संप्रदायिकता के साथ यहां चुनाव लड़ा नहीं जाएगा. यहां भाईचारे के साथ लड़ा जाएगा. इतना हतोत्साहित भाजपा कभी नहीं देखा.

खबरें कोर्ट की

एक जुलाई को होगी 12 संवैधानिक संस्थाओं में नियुक्ति मामले की सुनवाई

- सूचना आयुक्त, लोकायुक्त आदि की नियुक्ति का मामला कैबिनेट के पास विचाराधीन : महाधिवक्ता

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य की 12 संवैधानिक संस्थाओं में अध्यक्ष और सदस्यों के रिक्त पदों के मामले पर एक जुलाई को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई होगी. मामले को लेकर सोमवार को हाईकोर्ट में हुई सुनवाई में महाधिवक्ता ने अदालत को बताया कि राज्य सूचना आयुक्त, लोकायुक्त आदि की नियुक्ति का मामला कैबिनेट के पास विचाराधीन है, नियुक्ति प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी. लोकसभा चुनाव को लेकर झारखंड में लागू आदर्श आचार संहिता खत्म हो चुकी है.

एडवोकेट एसोसिएशन ने दाखिल की है याचिका : राज्य सूचना आयोग में रिक्त पदों की

नियुक्ति एवं झारखंड में बाल आयोग, सूचना आयोग, मानवाधिकार आयोग, पुलिस कंप्लेंट अथॉरिटी, लोकायुक्त सहित करीब 12 संवैधानिक संस्थाओं में अध्यक्ष एवं सदस्यों का पद खाली रहने को लेकर एडवोकेट एसोसिएशन की ओर से भी जनहित याचिका दाखिल की गई है. इसमें कोर्ट को बताया गया था कि करीब पांच वर्षों से राज्य बाल आयोग, सूचना आयोग, मानवाधिकार आयोग, लोकायुक्त आदि संवैधानिक संस्थाओं में पदों के रिक्त रहने से किसी तरह का कोई काम नहीं हो रहा है. सूचना आयोग में रिक्त पदों को भरने के लिए विज्ञापन निकाला गया था, लेकिन अब तक सूचना आयोग में कोई नियुक्ति नहीं हो पाई है.

बाबूलाल व प्रदीप यादव से संबंधित मामले की सुनवाई 24 जुलाई को

विधायक बाबूलाल मरांडी और प्रदीप यादव से संबंधित मामले में कोर्ट ने सुनवाई के लिए 24 जुलाई की तिथि निर्धारित की है. प्रदीप यादव की ओर से अधिवक्ता सुमित गड़ोदिया ने पैरवी की. यहां बता दे बाबूलाल मरांडी के दल-बदल मामले और प्रदीप यादव की ओर से जेवीएम के भाजपा में विलय से संबंधित मामले में दाखिल याचिका पर सुनवाई हो रही है.

हॉर्स ट्रेडिंग मामले में अब अगली सुनवाई पांच जुलाई को होगी

रांची। सीबीआई की विशेष अदालत में सोमवार को हॉर्स ट्रेडिंग मामले में प्रदेश कांग्रेस के महासचिव मदन मोहन शर्मा का बयान दर्ज किया गया. मामला 2010 में हुए राज्यसभा चुनाव से जुड़ा है. अब इस मामले में अगली सुनवाई पांच जुलाई को होगी. बताते चलें कि इस मामले में पूर्व मंत्री योगेंद्र साव, एमएलए उमाशंकर अकेला और राजेश रंजन ट्रायल फेस कर रहे हैं. मामले को लेकर निगरानी थाना में केस दर्ज किया गया था,जिसके बाद हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने साल 2013 में जांच करते हुए चार्जशीट दाखिल की थी.

- प्रदेश कांग्रेस के महासचिव का बयान दर्ज

हाईकोर्ट में हुई लौह अयस्क को हटाने के मामले की सुनवाई

- खान विभाग के प्रभारी प्रधान सचिव अदालत में हुए हाजिर, अगली सुनवाई 31 जुलाई को

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट में सोमवार को सारंडा जंगल में डंप पड़े लौह अयस्क को हटाने से जुड़े मामले की सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान माइंस विभाग के प्रभारी प्रधान सचिव कोर्ट में सशरीर हाजिर हुए. प्रभारी प्रधान सचिव ने अदालत को बताया कि सारंडा जंगल में बंद पड़े 16 माइनिंग कंपनियों के लौह अयस्कों में से 11 माइनिंग कंपनियों का मामला विभिन्न अदालत में लंबित है. पांच माइनिंग कंपनियों के लौह अयस्कों को हटाने की प्रक्रिया राज्य सरकार की ओर से चल रही है. इनमें कोई कानूनी बाधा नहीं है. इससे संबंधित फाइल विभागीय मंत्री के पास है, विभागीय मंत्री से अनुमति मिलने पर पांच माइनिंग कंपनियों के लौह अयस्कों को हटाने के लिए चालान जारी किया जाएगा. अब इसकी अगली सुनवाई 31 जुलाई को होगी.

क्या है मामला

सारंडा के जंगलों में हो रही गैरकानूनी माइनिंग को बंद करवाने और पर्यावरण को बचाने के लिए विधायक सरयू राय ने झारखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी. कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद सारंडा जंगल में माइनिंग एक्टिविटी तो बंद हो गई, लेकिन अत्यधिक मात्रा में खनन किए गए लौह-अयस्क को खुले में छोड़ दिया गया, जिससे पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है.

भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल राधाकृष्णन से भेंट कर ज्ञापन सौंपा

रांची। प्रदेश भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की. प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने किया. इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पाकुड़ के गोपीनाथपुर गांव में 17 जून को बकरीद के दिन उपद्रव की घटना का उल्लेख करते हुए विभिन्न मांगों से संबंधित राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा. प्रतिनिधिमंडल में विधायक नवीन जयसवाल, भानु प्रताप शाही, रणधीर कुमार सिंह और अमित मंडल शामिल थे.

- गोपीनाथपुर गांव में हुई घटना को लेकर मांगों का ज्ञापन सौंपा

बाबूलाल ने कहा- सभी जिला मुख्यालयों में आज मनाया जाएगा काला दिवस

जनता के सुझाव पर तैयार होगा घोषणा पत्र

प्रमुख संवाददाता। रांची

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि अब चुनाव आने वाले हैं उसकी तैयारी को लेकर आरोप पत्र, घोषणा पत्र समिति, मतदाता सूची पुनरीक्षण, नेताओं के लिए अलग अलग क्षेत्र के लिए मुद्दे तैयार किए जाएंगे. अगस्त महीने में महिला, युवा मोर्चा की तरफ से कार्यक्रम आयोजित होंगे. हर आयोजन के लिए अलग अलग समिति भी तैयार की गई है. वे सोमवार को बीजेपी प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेस में बोल रहे थे. बाबूलाल मरांडी ने कहा कि 25 जून को सारा देश काला दिवस के रूप में मनाता है. हमारी पार्टी ने भी तय किया है कि सभी जिला मुख्यालयों में काला दिवस मनाया जायेगा.

आरोप पत्र और घोषणा पत्र समिति गठित : बाबूलाल मरांडी ने कहा, चुनाव को देखते भाजपा ने आरोप पत्र समिति, घोषणा पत्र समिति गठित करने के अलावा अन्य कई कार्यक्रमों की तैयारी की है. आरोप पत्र समिति में सीपी सिंह, भानु प्रताप शाही. अमित मंडल, अरुण उरांव, गीता कोड़ा, केदार हाजरा, बिरंची नारायण, शशांक राज, सुनीता सिंह को शामिल किया गया है. घोषणा पत्र समिति में बूथ स्तर से भी जनता की राय लेकर उसे शामिल किया जाएगा. इसमें उनके अलावा अर्जुन मुंडा, अमर बाउरी, अन्नपुर्णा देवी, नवीन जायसवाल, अनंत ओझा, भानु प्रताप शाही, गीता कोड़ा, बीडी राम व संजय सेठ को भी शामिल किया गया है.

इंदिरा गांधी के कृत्य के लिए माफी मांगें राहुल गांधी

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राहुल गांधी संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं. पूरे लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान जनता के बीच संविधान और आरक्षण को लेकर दुष्प्रचार किया जबकि उनकी दादी, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संविधान को कुचला था. राहुल गांधी को पहले उस कृत्य के लिए माफी मांगनी चाहिए.

ये होंगे कार्यक्रम

- छह जुलाई तक पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे राज्य भर में
- 25 जून को प्रदेश स्तर पर काला दिवस मनाया जायेगा
- 30 जून को मन की बात कार्यक्रम का आनंद हर बूथ पर लिया जाएगा
- 30 जून को ही हूल दिवस है, जिसे पाटर्बी की ओर से बड़े स्तर पर मनाया जाएगा.
- अभिनंदन सह विजय दिवस 6 से 12 जुलाई तक मनाया जाएगा.
- 20 जुलाई को प्रदेश कार्यसमिति की विस्तारित बैठक मोरहाबादी मैदान में आयोजित की जाएगी.

हाईकोर्ट में मेंटिबिलिटी पर सुनवाई पूरी

संवाददाता। रांची

भाजपा की निलंबित नेत्री सीमा पात्रा मामले में सोमवार को हाईकोर्ट में मेंटिबिलिटी के बिंदु पर सुनवाई पूरी हो गई. मंगलवार को अदालत इस पर अपना आदेश सुनाएगी. सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान इस पर बहस किया गया कि यह मामला क्रिमिनल रिविजन का है या अपील का. बताते चलें कि इस मामले को लेकर सीमा पात्रा के खिलाफ अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी. रांची की निचली अदालत ने सीमा पात्रा की डिस्चार्ज पिटीशन

सीमा पात्रा प्रकरण

को खारिज कर दिया था, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी है.

क्या है पूरा मामला : पीड़िता नौकरानी सुनीता का कोट में 164 के तहत बयान दर्ज कराया था. अपने दिए बयान में पीड़िता ये आरोप लगाया है कि उसके साथ दरिंदगी की गई है. बताया कि रांची के अशोक नगर स्थित घर में काम करने के बहाने उसे 8 साल से घर में कैद करके रखा था. भरपेट खाना नहीं दिया जाता था, रॉड से पीटा जाता था और गर्म तवे से जलाया जाता था. इसके अलावे अगर वह घर के कमरे में शौच के लिए चली जाती तो उससे मुंह से शौच साफ कराया जाता था. सुनीता पर हो रहे जुल्म की जानकारी विवेक बास्की को मिली थी. इसके बाद उन्होंने डीसी राहुल कुमार सिन्हा के पास शिकायत दर्ज करायी. पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में सुनीता को मुक्त कराया था.

राज्य की छह कोयला खदानों में 3100 मिलियन टन कोयला, छह मिलियन टन है कायनाइट की उपलब्धता

कोयला खदानों के साथ कायनाइट खदान के लिए भी लगेगी बोली

रवि भारती। रांची

एक तरफ कोयला मंत्रालय झारखंड के छह कोयला खदानों के लिए बोली लगाएगा, तो दूसरी तरफ झारखंड सरकार कायनाइट खदान के लिए बोली लगाएगी. दोनों खदानों के नीलामी की प्रक्रिया शुरू हो गई है. नीलामी के लिए चिह्नित झारखंड के छह कोयला खदानों में दो-दो हजारीबाग व लातेहार और एक-एक दुमका व गोड्डा में हैं. इन खदानों में कुल 3100 मिलियन टन से अधिक कोयले का भंडार हैं. वहीं बहरागोड़ा (पूर्वी सिंहभूम) के ज्योति पहाड़ी कायनाइट खदान के लिए भी बोली लगाई जाएगी. बता दें कि राज्य में कुल छह मिलियन टन कायनाइट का भंडार है.

इन कोयला खदानों के लिए लगेगी बोली

जिला	कोल ब्लॉक	भंडार (मिलियन टन)
हजारीबाग	बुंडू	102
हजारीबाग	गावा ईस्ट	55
लातेहार	कइमा	500
लातेहार	केरेडारी बीसी नार्थ	600
गोड्डा	दुलिया	701
दुमका	गोलमापहाड़ी सुलियाबाना	1200

झारखंड में किस खनिज का कितना भंडार

खनिज	भंडार (मिलियन टन)	खनिज	भंडार (मिलियन टन)	खनिज	भंडार (मिलियन टन)
कोयला	80356	ग्रेफाइट	12.91	तांबा	288
क्वार्टज	155	कायनाइट	06	लाइम स्टोन	634
फेडलस्फर	16.57	सोना	0.34	बॉक्साइट	146
डोलोमाइट	4.43	मैगनीज	13.70	पाइरोक्सनाइट	80
चाइना क्ले	198.69	फायर क्ले	66	------	--

राज्या के कृषि मंत्री बादल पत्रलेख के पीएस राकेश दुबे का निधन

रांची। कृषि मंत्री बादल पत्रलेख के सरकारी पीएस (निजी सचिव) राकेश दुबे का निधन हो गया. बताया जा रहा है कि रात में खाना खाने के बाद राकेश सो गये थे. सोमवार की सुबह जब वह काफी देर तक नहीं उठे, तो परिजनों ने उन्हें उठाने की कोशिश की, तो नहीं उठे. राकेश दुबे पुंदाग ओपी क्षेत्र स्थित सेल सिटी में रहते थे. उनकी 2025 में आईएएस रैंक में प्रोन्नति होनेवाली थी. यहां बता दें कि राकेश दुबे झारखंड राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी थे.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, मंगलवार 25 जून 2024 आषाढ़ शुक्ल पक्ष 03 संवत 2081 पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ वर्ष : 2, अंक : 77 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पिछले पांच साल में 16 लाख बार गिरी आकाशीय बिजली, सबसे अधिक 2.24 लाख बार पूर्वी सिंहभूम में गिरी बिजली

झारखंड के पांच जिले थंडरिंग जोन में, 10 साल में ठनका से 2500 लोगों की मौत

शुभम संदेश खास

रवि भारती। रांची

झारखंड में मॉनसून के प्रवेश करते ही आसमानी बिजली का कहर शुरू हो गया है. आसमानी बिजली का कहर झारखंड के लिए एक बड़ी आपदा है. राज्य के पांच जिले रांची, खूंटी, हजारीबाग, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम को थंजरिंग जोन में रखा गया है. वर्ष 2019 से लेकर जून 2024 तक लगभग 16 लाख बार आसमानी बिजली गिरी है. इससे सबसे अधिक प्रभावित पूर्वी सिंहभूम

क्षेत्र रहा है. वहीं पिछले 10 सालों में आसमानी बिजली की चपेट में आने से 2500 लोग अपनी जान गवां चुके हैं. भारतीय मौसम विभाग ने थंडरिंग और लाइटनिंग के खतरों को लेकर देश के जिन छह राज्यों को सबसे संवेदनशील चिह्नित किया है, उनमें झारखंड भी एक है.

झारखंड में दो तरह के थंडरिंग जोन: झारखंड में दो तरह के थंडरिंग जोन हैं. पहली श्रेणी में हजारीबाग है. इसमें लो क्लाउड (कम ऊंचाई के बादल) और माइक्रोस्पेरिक थंडरिंग शामिल हैं. लो क्लाउड थंडरिंग धरातल से 80 किलोमीटर तक की ऊंचाई पर होती है, जबकि माइक्रोस्पेरिक थंडरिंग की गतिविधि धरातल से 80 किलोमीटर से अधिक ऊंचाई पर होती है. वहीं, राज्य सरकार प्रदेश में ठनका से बचाव के लिए अब तक माकूल इंतजाम नहीं कर पायी है. इंटर क्लाउड और क्लाउड टू ग्राउंड बिजली से सबसे अधिक दक्षिणी और पूर्वी झारखंड के क्षेत्र प्रभावित रहे हैं.

- रांची, खूंटी, हजारीबाग, सिमडेगा व पश्चिमी सिंहभूम ठनका के लिए सबसे खतरनाक
- इंटर क्लाउड व क्लाउड टू ग्राउंड बिजली से दक्षिणी और पूर्वी हिस्से अधिक प्रभावित

क्या है तड़ित रोधक

तड़ित रोधक में एक एम्मी मीटर लगा होता है, जो एक इलेक्ट्रॉनिक फील्ड बनाता है. यह बिजली बनने से पहले ही उसे नष्ट कर देता है. यह यंत्र 240 मीटर की परिधि को कवर करने में सक्षम है. एक तड़ित रोधक लगाने में डेढ़ से दो लाख रुपये तक का खर्च आता है.

धरातल पर नहीं उतर पायीं योजनाएं : सरकार ने ठनका से बचाव के लिए कई योजनाएं बनायी, लेकिन ठनका प्रभावित इलाकों में इन योजनाओं को धरातल पर नहीं उतर पायीं. सिर्फ देवघर में छह और रांची के नामकुम में एक तड़ित रोधक यंत्र ही लगाया जा सका. योजना के तहत रांची के पहाड़ी मंदिर और जगन्नाथपुर मंदिर में भी तड़ित रोधक यंत्र लगाया जाना था. आपदा विभाग का तर्क था कि पहले जो तड़ित चालक लगाये जाते थे, वह छत या भवन के उपरी हिस्से में तांबे का त्रिशुलनुमा यंत्र लगा होता था. इसी के सहारे अर्थिंग को जमीन के अंदर ले जाया जाता था, लेकिन यह उतनी कारगर साबित नहीं हो पाई.

किस साल कितनी मौतें हुईं

वर्ष	मौतें
2014-15	144
2015-16	210
2016-17	265
2017-18	256
2018-19	261
2019-20	283
2020-21	322
2021-22	350
2022-23	310
2023-जून 24	99

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकार भी नहीं कर रहा काम

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकार भी काम नहीं कर रहा. वर्ष 2016 के बाद से अब तक प्राधिकार की बैठक भी नहीं हो पाई है. वहीं जिला आपदा प्राधिकार भी काम नहीं कर रहा है. वर्ष 2014-15 में जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारियों की नियुक्ति भी की गई थी. संविदा के आधार पर हर जिले में जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी की तैनाती की गई थी, लेकिन कॉन्ट्रैक्ट रिन्वल नहीं होने के कारण यह योजना भी सफल नहीं हो पाई.

देशभर में 400 से अधिक जिले हैं वज्रपात प्रभावित : वर्तमान में देश के 400 से ज्यादा जिले वज्रपात प्रभावित हैं. ये जिले वज्रपात के करंट तीव्रता के स्केल वन के क्षेत्र में आ चुके हैं. इन जिलों में करंट की तीव्रता 1.3 बिलियन वोल्ट नापी जा चुकी है. झारखंड सहित उत्तर प्रदेश बिहार, मध्य प्रदेश के मैदानी, पठारी और पहाड़ी क्षेत्रों में वज्रपात के कारण हुई मौतों की संख्या में अचानक भारी वृद्धि हुई है.

ब्रीफ खबरें

व्यवसायी से 1.28 लाख रुपये की साइबर ठगी

मेदिनीनगर। जिले के छतरपुर नगर पंचायत के खाटिन निवासी कपड़ा व्यवसायी धनंजय प्रसाद से साइबर ठगी का मामला सामने आया है. उनके बैंक खाते से एक लाख 28 हजार रुपये की अवैध निकासी कर ली गयी. भुक्तभोगी व्यवसायी ने संबद्ध बैंक और स्थानीय थाना को घटना की लिखित सूचना दी है. उन्होंने पुलिस से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने की गुहार लगाई है.

पिता की हत्या का आरोपी पुत्र गिरफ्तार

मेदिनीनगर। पांडु थाना क्षेत्र के मुसीखाप गांव निवासी नसीरुद्दीन खान की हत्या मामले में पुलिस ने आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. बता दें कि बीती रविवार को नसीरुद्दीन गांव में नदी किनारे मवेशी चराने पहुंचे थे और एक पेड़ के नीचे बैठकर रस्सी बीन रहा था. इस दौरान उसका बेटा मुबारक वहां पहुंचा और पिता की टांगी से काट कर हत्या कर दी. इस घटना में नसरुद्दीन खान की मौके पर ही मौत हो गई थी. मामले में ओपी प्रभारी सब इंस्पेक्टर राज्यवर्धन ने बताया कि नसीरुद्दीन और मुबारक के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था. पुलिस छानबीन कर रही है.

पुलिस के जवान की दिल्ली एम्स में मौत

मेदिनीनगर। पलामू पुलिस के जवान जवान नित्यानंद महतो की दिल्ली एम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई. वह बोकारो के चंदनकियारी के रहनेवाले थे. दरअसल, लोकसभा चुनाव की मतगणना के दिन मतगणना केंद्र जाने के दौरान पुलिस लाइन में एक पेड़ गिर गया, जिसकी चपेट में आने से नित्यानंद महतो के सिर में गंभीर चोट आई थी. उन्हें इलाज के लिए रांची के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और बाद में उन्हें इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर दिल्ली ले जाया गया था. पलामू एसपी रिष्मा रमेशन ने बताया कि नित्यानंद महतो का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव में किया जाएगा.

नीट पेपर लीक मामला : आरोपों पर ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल की सफाई

भाड़े के ई-रिक्शा से बैंक भेजे गये थे प्रश्न पत्र

05 मई की सुबह 7:30 बजे बैंक से केंद्र के लिए रिसीव किया था प्रश्न पत्र

खास बातें

- 21 जून को जांच करने पहुंची थी बिहार ईओयू की टीम
- बैंक में ब्लू डार्ट कूरियर कंपनी ने पहुंचाए थे प्रश्न पत्र

संवाददाता। हजारीबाग

आरोपों पर सफाई देते ओएसिस स्कूल के प्राचार्य डॉ. एहसान उल हक.

नीट यूजी परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक मामले में पटना व देवघर के बाद हजारीबाग से भी तार जुड़ रहे हैं. बिहार ईओयू टीम द्वारा अब तक किये गये अनुसंधान में हजारीबाग के मंडई रोड स्थित ओएसिस स्कूल परीक्षा केंद्र भी जांच के दायरे में आ गयी है. मामले में ओएसिस स्कूल के प्राचार्य एवं एनटीए के सिटी को-आर्डिनेटर डॉ. एहसान उल हक ने सोमवार को अपनी ओर से सफाई दी.

ओएसिस स्कूल परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने बताया कि हजारीबाग के पांच केंद्रों पर पांच मई को एनटीए के मापदंडों के अनुरूप नीट (यूजी) की परीक्षा संपन्न कराई गई थी. उन्होंने कुल नौ बक्सों में सील प्रश्न पत्र एसबीआई बैंक से पांच मई की सुबह 7:30 बजे के बाद रिसीव किया था. इसके बाद सभी पांच परीक्षा केंद्रों के केंद्राधीक्षकों और ऑब्जर्वर को बैंक मैनेजर की उपस्थिति में प्रश्न पत्र सुपुर्द किया गया था. वहीं, विगत 21 जून को नीट (यूजी) पेपर लीक मामले की जांच कर रही बिहार ईओयू की टीम हजारीबाग पहुंची थी.

टीम द्वारा बताया गया कि नीट (यूजी) परीक्षा प्रश्न पत्र के एक बुकलेट की कॉपी बिहार के पटना शहर में अधजली अवस्था में मिली. डॉ. एहसान ने बताया कि ईओयू टीम को उन्होंने और उनकी टीम ने जांच में हर संभव सहयोग किया. इस क्रम में वे जांच टीम के साथ एसबीआई बैंक भी गए, जो नीट (यूजी) परीक्षा के प्रश्न पत्र का कस्टोडियन था.

जांच पूरी होने से ही पहले दोषी ठहराना अनुचित : एनटीए के सिटी को-आर्डिनेटर ने कहा कि वर्तमान में इस मामले की जांच जारी है. अभी तक मैंने पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया है. परंतु बीच में ही कुछ मीडिया वालों ने अनुसंधान पूरा होने से पहले ही इस पेपर लीक प्रकरण का जिम्मेदार मुझे और मेरे केंद्र को ठहरा दिया, जो कि अनुचित है. इससे मैं काफी मर्माहत हूं. उन्होंने कहा कि जांच के बाद पता चल जाएगा कि असली दोषी कौन है.

तीन मई को कूरियर से बैंक पहुंचा था प्रश्न पत्र

डॉ एहसान उल हक ने बताया कि ईओयू टीम की जांच के दौरान पता चला कि प्रश्न पत्र के बक्से तीन मई को ब्लू डार्ट कोरियर सर्विस द्वारा एसबीआई बैंक, हजारीबाग पहुंचाये गये थे. ईओयू की पूछताछ में हजारीबाग के ब्लू डार्ट कूरियर कर्मचारियों ने बताया कि प्रश्न पत्र के बक्से नेटवर्क की किसी गाड़ी पर रांची से हजारीबाग मंगाये गये थे और उन बक्सों को भाड़े की ई-रिक्शा से बैंक भेजा गया था. वहीं, एनटीए के एसओपी के अनुसार प्रश्न पत्रों के बक्से को उन्होंने पांच मई को रिसीव किया, जबकि कथित तौर पर पटना में प्रश्न पत्र की कॉपी चार मई को ही उपलब्ध थी. ऐसी परिस्थिति में वे किस प्रकार से जिम्मेवार हैं.

जले प्रश्न पत्र पर मिला हजारीबाग के परीक्षा केंद्र का कोड

नीट परीक्षा 2024 के पेपर लीक मामले में हर दिन नया खुलासा हो रहा है. पटना के रामकृष्णा नगर स्थित एक निजी स्कूल से बरामद हुए नीट यूजी 2024 के अधजले प्रश्न पत्र का सीरियल कोड हजारीबाग के मंडई रोड स्थित ओएसिस स्कूल परीक्षा केंद्र से लीक होने की बात सामने आ रही है. इस मामले की जांच कर रही बिहार की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने अधजले प्रश्न के सीरियल कोड से संबंधित जानकारी एनटीए से मांगी थी. 20 जुलाई को मिली जानकारी से स्पष्ट हुआ कि यह सीरियल कोड हजारीबाग के मंडई रोड के कल्लू चौक स्थित ओएसिस स्कूल का है. इसके बाद ईओयू की टीम ने हजारीबाग जाकर इसका सत्यापन किया. इस क्रम में प्रथमदृष्टया पैकिंग ट्रंक में छेड़छाड़ होना पाया गया.

लूटन मुखिया के माध्यम से मिली थी सॉल्वड कॉपी

ईओयू की जांच में खुलासा हुआ है कि प्रश्न पत्र की सॉल्वड पीडीएफ कॉपी संजीव कुमार उर्फ लूटन मुखिया के माध्यम से गिरफ्तार अभियुक्त बालदेव कुमार उर्फ चिंटू के मोबाइल पर पांच मई की सुबह पहुंची थी. पीडीएफ कॉपी मिलने के बाद चिंटू ने रामकृष्णा नगर स्थित स्कूल में रखे प्रिंटर से प्रतियां निकाली और फिर अभ्यर्थियों का ग्रुप बना कर उनको प्रश्नों के उत्तर रटवाये गये.

ईंट भट्ठा कारोबारियों से लेवी मांगने का मामला

टीपीसी संगठन के सात सदस्य किये गये गिरफ्तार

आरोपियों की गिरफ्तारी के संबंध में जानकारी देते एसपी अंजनी अंजन.

आशीष टैगोर। लातेहार

खास बातें

- कई ईंट भट्ठों में दे चुके थे घटनाओं को अंजाम
- मजदूरों के साथ मारपीट कर मोबाइल भी लूट ली थी

पुलिस ने ईंट भट्ठा कारोबारियों से लेवी वसूलने, भट्ठा में जा कर मजदूरों से मारपीट करने एवं उनका मोबाइल लूट लेने वाले सात आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. एसपी अंजनी अंजन ने सोमवार को प्रेस वार्ता कर जानकारी दी. उन्होंने बताया कि ये अपराधी भय का वातावरण तैयार कर टीपीसी (टीएसपीसी) उग्रवादी संगठन का विस्तार करना चाह रहे थे.

गिरफ्तार आरोपियों में लातेहार जिला अंतर्गत इचाबार निवासी दीपक उरांव (22), लेधपा (बेंदी) निवासी इस्लाम अंसारी, जामुनटोला पोचरा निवासी रूपेश कुमार (22), ठाकुरपाड़ा नावागढ़ निवासी सुजीत कुमार उर्फ सुजू, नावागढ़ निवासी रितेश कुमार रवि (22) के अलावा दिपका टोली, बालुमाथ निवासी संजय भुईयां (22) व नगड़ी, पांकी निवासी अजय सिंह (27) शामिल है. इन सभी के खिलाफ लातेहार थाना में आर्म्स एक्ट और 17 सीएलए एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है.

एसपी ने किया था एसआईटी की गठन : ईंट भट्ठा से मिली शिकायत के बाद मामला दर्ज कर एसआईटी का गठन किया गया था. अनुसंधान के दौरान 23 जून को सूचना मिली कि आठ से 10 की संख्या में अपराधी सदर थाना के इचाबार ग्राम के टिकुलिया टोला में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए जमा हुए हैं. सूचना पर एसआईटी का गठन कर छापेमारी की गयी. पुलिस ने मौके से सात अपराधियों को गिरफ्तार किया. तालाशी में इनके पास से एक देसी सिक्स राउंड रिवाल्वर, दो कारतूस, एक लोडेड देसी कट्टा और 0.315 बोर का चार कारतूस बरामद किया गया. इसके अलावा मोबाइल, पांच हजार रुपये नगद, टीपीसी का तीन पर्चा व तीन बाइक भी जब्त किया गया.

व्यवसायी से 1.5 लाख के जेवर लूटे

संवाददाता। गिरिडीह

खास बातें

- स्टेशन रोड में अंटा बंगला के समीप दिनदहाड़े हुई वारदात
- बाइकसवार तीन अपराधियों ने पिस्तौल दिखा की लूटपाट

स्टेशन रोड स्थित अंटा बंगला के समीप सोमवार की दोपहर अपराधियों ने आभूषण व्यवसायी सुरेंद्र भदानी से डेढ़ लाख रुपये के जेवर लूट लिए. जानकारी के मुताबिक बड़ा चौक स्थित न्यू मोती ज्वेलर्स के मालिक सुरेंद्र भदानी बैंक में पैसे जमा कर स्टेशन रोड से बाभनटोली स्थित अपने घर लौट रहे थे. इस दौरान बाइक सवार दो अपरधियों ने पहले जेवर व्यवसायी को ओवरटेक कर रोका. खुद को ट्रैफिक पुलिस बताते हुए अपराधियों ने व्यवसायी से पूछा कि हेलमेट क्यों नहीं पहले हो.

इसके बाद उन्हें अंटा बंगला मैदान के समीप ले गये. वहां पिस्तौल का भय दिखा कर अंगुलियों में पहली करीब एक लाख रुपये की तीन अंगूठियां खुलवा ली और करीब 50 हजार रुपये के अन्य जेवरात भी लूट लिए. इस बीच एक और अपराधी बाइक से आ पहुंचा. लूटपाट के बाद तीनों अपराधी बाइक स्टार्ट कर फरार हो गए. वारदात के बाद पीड़ित ने परिजनों को जानकारी दी, जिस पर उनके पुत्र ने पुलिस को सूचना दी. घटना की सूचना पर नगर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पीड़ित व्यवसायी से घटना के संबंध में जानकारी ली. पुलिस अपराधियों की तलाश में जुट गई है. आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले जा रहे हैं.

बीएलओ घर-घर करेंगे मतदाता सूची का सत्यापन

रांची। राज्य में 25 जून से 24 जुलाई तक मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्री-रिवीजन एक्टिविटीज किया जाएगा. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने राज्य की जनता से अनुरोध किया है कि नए पात्र मतदाता स्वयं को पंजीकृत करवाने या जिन मतदाताओं के पास पुराने लेमिनेटेड कार्ड है, उसे अद्यतन कराने हेतु अपने बीएलओ अथवा वोटर हेल्पलाइन ऐप पर आवेदन कर सकते हैं. बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता सूची का पुनरीक्षण करेंगे. उच्च अधिकारी द्वारा भी भौतिक सत्यापन किया जाएगा.

अवैध नशा कारोबार के खिलाफ नामकुम में रांची पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पिकअप से 700 किलो डोडा बरामद

- ढाई लाख नकद और दो मोबाइल भी जब्त किए
- रांची का रहनेवाला है नशा गिरोह का मुख्य सरगना

संवाददाता। रांची

कार्रवाई के संबंध में जानकारी देते एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा.

नामकुम थाना पुलिस ने एक पिकअप वैन से भारी मात्रा में नशीले मादक पदार्थ के साथ चालक को गिरफ्तार किया है. आरोपी की पहचान नामकुम थाना क्षेत्र के नचलदाग निवासी रामविलास पासवान के रूप में की गयी है. पुलिस ने उसके पास से 25 बोरा में रखा 700 किलो डोडा, ढाई लाख नकद और दो मोबाइल बरामद किया है.

एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने सोमवार को प्रेस वार्ता कर जानकारी दी. उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि डोडा लदा एक पिकअप वैन (जेएच 10 एडी 0287) हेसापीड़ी लुगुडीह मोड़ के समीप आने वाली है. डीएसपी अमर कुमार पांडेय के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया. टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लुगुडीह मोड़ के पास जांच वाहन अभियान चलाया. इस क्रम में लुगुडीह की तरफ से आ रही सफेद रंग की पिकअप वैन को रोका गया. तलाशी में भारी मात्रा में डोडा बरामद किया गया. पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह गाड़ी का चालक है. एसएसपी ने बताया कि मुख्य सरगना के बारे में पुलिस को जानकारी मिली है. वह रांची का ही रहने वाला है. उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है.

70 लाख रु का गांजा और तीन लग्जरी वाहन जब्त

लोहरदगा। लोहरदगा पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है. इस क्रम में 70 लाख का गांजा बरामद करने में सफलता हाथ लगी है. हालांकि तस्कर सेन्हा थाना क्षेत्र के कल्हेपाट गांव निवासी तौफीक अंसारी (35) पुलिस के चंगुल से बच कर भाग निकला. एसपी हारिस बिन जमां ने सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी दी. उन्होंने बताया कि विगत 21 व 22 जून को गुप्त सूचना के आधार पर सेन्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कल्हेपाट निवासी तौफीक अंसारी के घर पर गुप्त सूचना के आधार पर डीएसपी मुख्यालय समीर कुमार तिर्की के नेतृत्व में छापेमारी की गयी थी. इस क्रम में घर के बगल में बने पार्किंग में खड़ी महिंद्रा एक्सयूवी वाहन से कुल पांच बोरी में रखा 144.350 किलो गांजा बरामद किया गया. वहीं, एक फॉर्च्यूनर वाहन में रखे डिब्बा में पांच टैबलेट और क्रेटा वाहन से प्लास्टिक में काले-भूरे रंग का चिपचिपा पदार्थ जैसा एवं एक डिब्बा में से दो टैबलेट व एक निडिल बरामद हुआ. इसके अलावा 42 हजार 800 रुपये नकद, एक हार्ड डिस्क, एक मोबाइल, दो वाहन की चार चाबी और एक ब्लू रंग का डायरी बरामद की गयी.

- पुलिस के चंगुल से बचने में कामयाब रहा तस्कर तौफीक
- 42, 800 रुपये नकद, हार्ड डिस्क व डायरी भी बरामद

कार्यशाला आईआईटी आईएसएम में शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम, जुटे तकनीकी शिक्षविद

खुद को ढालें, तभी नेतृत्व स्वीकार्य: प्रो सुकुमार मिश्रा

संवाददाता। धनबाद

कार्यशाला में मौजूद देश भर के तकनीकी शिक्षण संस्थानों के शिक्षाविद.

देश भर से विभिन्न तकनीकी और शैक्षणिक संस्थानों के कुल 18 संकाय सदस्यों ने आईआईटी (आईएसएम), धनबाद में एकत्रित होकर शिक्षण की बारीकियों को सीखा. मौका था प्रतिष्ठित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत आयोजित पांच दिवसीय पोषण भविष्य नेतृत्व कार्यक्रम का. इस दौरान बातचीत कौशल विकसित करना, प्रभाव और अनुनय, नेतृत्व प्रेरणा, संचार कौशल-मौखिक और व्यक्तिगत और संगठनात्मक विकास के लिए सीखने की मानसिकता की संस्कृति बनाना आदि बिंदुओं पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ.

पांच दिनों तक चलने वाले कार्यक्रम के दौरान दो विशेष सत्र भी आयोजित किए जाएंगे. एक सत्र शैक्षणिक क्षेत्र के विशेष संदर्भ में परिवर्तनकारी नेतृत्व प्रथाओं पर और दूसरा तनाव प्रबंधन, अचेतन समूह की गतिशीलता और संघर्ष समाधान पर होगा. इसके अलावा प्रो सोमनाथ चट्टोपाध्याय कोचिंग व सलाह पर और रजिस्ट्रार प्रबोध पांडे वित्तीय उत्कृष्टता के पोषण विषय पर व्याख्यान देंगे. मुख्य अतिथि आईआईटी (आईएसएम) के निदेशक प्रो सुकुमार मिश्रा ने कहा कि गुणवत्ता अनुसंधान, परियोजनाओं आदि के आधार पर संस्थान की अच्छी धारणा उसे बेहतर रैंकिंग प्राप्त करने में मदद करती है. उन्होंने उपस्थित लोगों से कुछ खनन स्थलों का दौरा और धनबाद में मैथन बांध की यात्रा का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की.

पाठ्यक्रम सह-समन्वयक प्रो मृणालिनी पांडे ने धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए कहा कि उन्होंने नेतृत्व का पहला पाठ प्रो सुकुमार मिश्रा से ही सीखा है. कुछ ही दिन पहले संस्थान ज्वाइन करने के बाद उन्होंने सभी संस्थानों प्रमुखों को व्यक्तिगत रूप से ट्रेनिंग के लिए प्रतिनिधि नामित करने के लिए पत्र लिखा था. अंत में उन्होंने एनआईटी जमशेदपुर, एनआईटी सिक्किम, एनआईटी श्रीनगर, एनआईटी वारंगल, आईआईटी जोधपुर, एनआईटी पुडुचेरी, बीएचयू और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर सहित सहयोगी संस्थानों को भी धन्यवाद दिया.

प्रो सुकुमार शिक्षा क्षेत्र में अग्रणी: प्रो सोमनाथ

ओसीईपी के प्रधान अन्वेषक प्रो सोमनाथ चट्टोपाध्याय ने अपने संबोधन के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी के रूप में प्रो सुकुमार मिश्रा का उदाहरण दिया. उन्होंने कहा कि इन्होंने डीन रिसर्च एंड एक्सटर्नल एंगेजमेंट के रूप में आईआईटी दिल्ली के अबू धाबी परिसर की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. आईआईटी दिल्ली के एसोसिएट डीन, अनुसंधान एवं विकास के रूप में भी नेतृत्व करते हुए काफी बदलाव लाये. पाठ्यक्रम समन्वयक प्रो. मो इरफान ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के उद्देश्यों से अवगत कराया.

ब्रीफ खबरें

झगड़े के बाद मां व बेटे ने खाया जहर

चंदवा (लातेहार)। थाना क्षेत्र के काली गांव में मामूली झगड़े के बाद मां व बेटे ने जहर खा लिया. दोनों की हालत बिगड़ने के बाद उन्हें चंदवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए लाया गया. यहां डॉ मनोज ने प्राथमिक इलाज कर उन्हें बेहतर इलाज के लिए लातेहार सदर अस्पताल रेफर कर दिया. हालांकि डा मनोज ने कहा कि दोनो खतरे से बाहर हैं. बेहतर इलाज के लिए उन्हें लातेहार सदर अस्पताल भेजा गया है. जानकारी के अनुसार मां कीमली देवी और उसके 13 वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार का किसी बात पर आपस में झगड़ा हो गया.

कूप निर्माण में डेड स्टोन का इस्तेमाल करने आरोप

चंदवा (लातेहार)। प्रखंड क्षेत्र में मनरेगा की योजनाओं में बंदरबांट मची है. प्रखंड का शायद ही एक कोई ऐसा पंचायत होगा, जहां मनरेगा की योजनाओं में सरकारी राशि की बंदरबांट नहीं हो रही है. प्रखंड के अलौदिया पंचायत क्षेत्र के सरलाही गांव में मनरेगा के तहत कूप निर्माण कराया जा रहा है. आरोप है कि कूप निर्माण में अवैध एवं मरे हुए पत्थरों का इस्तेमाल धड़ल्ले से किया जा रहा है. ग्रामीणों ने बताया कि कूप निर्माण में वन क्षेत्र से पहाड़ों से तोड़ कर पत्थरों को लाया जा रहा है.

वोटर लिस्ट से मृत वोटरों का नाम हटाने का निर्देश

छतरपुर/पलामू। आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर छतरपुर प्रखंड परिसर में एसडीओ हीरा कुमार ने सुपरवाइजर और बीएलओ के साथ बैठक की. बैठक में उन्होंने कहा कि जिन वोटरों की मौत हो चुकी है और जिन वोटर लड़कियों की शादी हो गयी है उन्हें चिन्हित कर वोटर लिस्ट से नाम हटाने की कार्रवाई की जाय. उन्होंने ससमय इस कार्य को पूरा करने का निर्देश दिया. बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी आशीष कुमार साहू, अंचलाधिकारी नित्यानंद प्रसाद, सीआई हरि कुमार समेत सभी कर्मचारी उपस्थित थे.

विकसित भारत के संकल्पों को सिद्ध करेंगे : वीडी राम

मेदिनीनगर। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने 18वीं लोकसभा के संसद सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण किया. श्री राम ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हम सभी विकसित भारत के संकल्पों को सिद्ध करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. सांसद श्री राम ने इस अवसर पर पलामू संसदीय क्षेत्र की समस्त जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे लगातार तीसरी बार पलामू एवं गढ़वा की जनता ने अपना आशीर्वाद एवं समर्थन देकर भारी मतों से जिताया है तथा जनता की सेवा करने का मौका दिया हैं. उक्त जानकारी पलामू सांसद के निजी सचिव अलख दुबे ने दी.

पुलिस ने कुएं से युवक का शव बरामद किया

छतरपुर/पलामू। छतरपुर थाना पुलिस ने मदनपुर रविदास टोला अम्बेडकर भवन के नजदीक एक कुएं से एक युवक का शव बरामद किया है. शव की पहचान अरविन्द कुमार (26) पिता संतोष राम के रूप में की गई है. बताया जा रहा है कि मृतक की दिमागी हालत ठीक नहीं थी. अरविन्द के पिता संतोष राम बाहर काम करने गए हैं. ग्रामीणों ने सोमवार की सुबह कुएं में लाश देखने के बाद छतरपुर थाना को सूचना दी थी.

उपभोक्ताओं ने कम राशन देने के साथ-साथ दुर्व्यवहार का भी आरोप लगाया

डीलर पर राशन गबन का आरोप, लाभुकों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता। पांकी

पांकी प्रखंड के अंबाबार पंचायत के बिदरा गांव के जन वितरण प्रणाली दुकानदार दुखभंजन मांझी (लाइसेंस नंबर 3-93) ने लाभुकों के तीन माह का राशन गबन कर लिया है. लाभुकों ने उक्त आरोप लगाते हुए डॉलर की दुकान का समक्ष प्रदर्शन किया. लाभुकों का कहना है कि है डीलर दुखभंजन मांझी हमें निर्धारित मात्र से कम राशन देते हैं और 3 माह हो जाने के बाद भी हमें राशन नहीं मिला है. विरोध जता रहे लाभुकों ने बताया कि दुखभंजन मांझी द्वारा लाल कार्ड हो या पीला कार्ड हो सभी मामले में मनमानी करते हैं.

डीलर की दुकान के समक्ष प्रदर्शन करते लाभुक.

केंद्र सरकार के गरीब कल्याण योजना के तहत भी राशन वितरण में मनमानी की जाती है.

पीला राशन कार्डधारियों ने कहा कि निर्धारित मात्रा से 35 किलो की जगह 30 किलो ही मिलता है 5 किलो कम राशन दिया जाता है. इसी तरह लाल कार्डधारियों को भी प्रति यूनिट 5 किलो की जगह 4.5 किलो ही राशन दिया जाता है. मौके पर मौजूद सोहराई यादव, रामदास यादव, रामसुंदर यादव, गिरवर पासवान, सीमा देवी, सुगिया कुंवर, मानो देवी, यशवंती देवी, संजू देवी, बसमती देवी, सरिता देवी, अनिता देवी, सुक्री देवी, प्रीति देवी, भगमनिया देवी, जहल यादव आदि ने कहा कि दुखभंजन मांझी के घर राशन लेने जाते हैं तो अभद्र भाषा का भी प्रयोग किया जाता है. वे कहते हैं कि अगले माह राशन ले जाइएगा. इस संबंध में डीलर दुखभंजन मांझी ने बताया कि राशन कम मिलता है, इसलिए राशन अभी तक लाभुकों को नहीं मिला है. वहीं पांकी बीडीओ अरुण कुमार मुंडा व एमओ आशीष खलखो ने बताया कि जन प्रणाली दुकानदार के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की जाएगी.

डीसी की समीक्षा बैठक से अनुपस्थित रहने के बाद वेतन पर लगी रोक

जनसेवक पांकी के, प्रतिनियुक्ति हरिहरगंज में, प्रभारी एमओ भी हैं

खास बातें

- प्रतिनियुक्ति रद्द होने के बाद भी दोंनो जगह काम देख रहे हैं
- एमओ मनोज कुमार दुबे के वेतन पर रोक लगा दी गई

संवाददाता। मेदिनीनगर

पलामू जिला आपूर्ति विभाग में अजीबोगरीब खेल चल रहा है. पांकी में पदस्थापित जनसेवक मनोज दुबे जिनकी प्रतिनियुक्ति सदर प्रखंड मेदिनीनगर कार्यालय में थी, उनकी प्रतिनियुक्ति जिला परिषद के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी सह डीडीसी ने ज्ञापांक 85, 3 फरवरी 2024 को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी और उन्हें हरिहरगंज प्रखंड कार्यालय में प्रतिनियुक्त कर दिया. इसके बावजूद जनसेवक मनोज दुबे अब तक मेदिनीनगर के प्रभारी एमओ बने हुए हैं. जबकि डीडीसी ने प्रतिनियुक्ति रद्द करते हुए आदेश में कहा था कि हरिहरगंज बीडीओ की अनुपस्थिति विवरणी के आधार पर ही इनका वेतन भुगतान पांकी बीडीओ करेंगे.

बताया जा रहा है कि जनसेवक मनोज दुबे की प्रतिनियुक्ति शिकायतों के बाद पलामू उपायुक्त के आदेश पर रद्द की गई थी, लेकिन प्रतिनियुक्ति रद्द होने के बाद भी वे एक ही साथ मेदिनीनगर व हरिहरगंज दोनों जगह का कार्य संभाल रहे हैं और उनके दो जगह पर कार्य करने के कारण आपूर्ति विभाग का कार्य प्रभावित हो रहा है. बता दें कि मेदिनीनगर से हरिहरगंज प्रखंड कार्यालय की दूरी 68 किलोमीटर है।

उपायुक्त कई बार आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक में मेदिनीनगर प्रखंड के असंतोषजनक प्रदर्शन पर नाराजगी जता चुके है। एक बार फिर 19 जून को आपूर्ति विभाग की समीक्षा के दौरान बैठक से अनुपस्थित रहने के कारण जनसेवक सह मेदिनीनगर के प्रभारी एमओ मनोज कुमार दुबे के वेतन पर रोक लगा दी गई है.

अनुपस्थित दो प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के वेतन पर रोक

मेदिनीनगर। पलामू जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू ने 19 जून को पलामू उपायुक्त की समीक्षा बैठक से अनुपस्थित दो प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के वेतन पर रोक लगा दी है. जिन पर कार्रवाई की गई है उनमें सदर मेदिनीनगर के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी मनोज कुमार दूबे व पंडवा/ नावाबाजार के प्रभु राम शामिल हैं। उन पर बगैर सूचना के बैठक से अनुपस्थित रहने का आरोप है. आदेश में कहा गया है कि उक्त दोनों एमओ की अनुपस्थिति के कारण संबंधित प्रखंडों की सभी बिन्दुओं पर समीक्षा नहीं हो पाई. बैठक में नाराजगी व्यक्त करते हुए उपायुक्त ने तत्काल दोनों पदाधिकारी का वेतन रोकने का निर्देश दिया था.

विधायक प्रतिनिधि ने किया ट्रांसफॉर्मर का उदघाटन

पाटन/पलामू। छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि जिला परिषद उमेश सिंह ने ग्राम करर खुर्द में नया ट्रांसफार्मर का उदघाटन किया. भीषण गर्मी में ट्रांसफार्मर लग जाने से ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है. मौके पर सिंह ने कहा कि पाटन छतरपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पाटन प्रखंड के करर खुर्द गांव में कुछ दिन पूर्व लगा ट्रांसफार्मर खराब हो गया था जिसकी जानकारी समाजसेवी शैलेश मेहता के द्वारा पाटन छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि (जिला परिषद) उमेश सिंह को दिया गया . उमेश सिंह ने तत्काल इस पर पहल करते हुए इस समस्या को पलामू लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद मनोज कुमार और पाटन छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुष्पा जी के समक्ष रखा. इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पूर्व सांसद मनोज कुमार तथा विधायक ने बिजली विभाग से संपर्क स्थापित कर ग्राम करर खुर्द हेतु 100 केवीए ट्रांसफार्मर का व्यवस्था करवाया. मौके पर समाजसेवी शैलेश मेहता विकास साव, राजू माली, जितेंद्र सिंह, मनोज सिंह, सुरेश यादव, विजय महतो, मनोज सिंह, सुरेश यादव, धर्मदेव साव, जीतवाहन सिंह, सुरेंद्र सिंह, परशुराम महतो, गुड्डू मेहता, निहोरा पासवान, निरो सिंह सहित कई लोग उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

हाथी ने मचाया उत्पात, घर गिराया व अनाज खाये

क्षतिग्रस्त घर.

चंदवा (लातेहार)। प्रखंड के हाथियों का आतंक रुकने का नाम नहीं ले रहा है. प्रत्येक दिन किसी ने किसी गांव में हाथी धावा बोल रहे हैं और घरों को तबाह कर अनाज चट कर जा रहे हैं. रविवार की रात्रि थाना क्षेत्र की लाधुप पंचायत के गांव दूथीमाटी गांव के पथलाही टोला में हाथियों ने जम कर उत्पात मचाया. हाथियों ने पैरवा देवी पति कमलू गंझू, दिनेश गंझू पिता मल्हा गंझू और सुधु गंझू पिता छवि गंझू के घरों को ध्वस्त कर दिया और घर में रखे अनाज को चट कर गये. ग्रामीणों ने कहा कि वे विगत कई वर्षों से यहां हाथियों का आतंक झेल रहे हैं.

मादक पदार्थों के दुरूपयोग को ले भाषण प्रतियोगिता

भाषण प्रतियोगिता में शामिल बच्चे.

लातेहार। मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता को लेकर जिला खेल कार्यालय, लातेहार द्वारा जिला मुख्यमंत्री उ त्कृष्ट विद्यालय में सोमवार को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इससे पहले विद्यालय की प्राचार्य तृप्ति भारती ने कहा कि मादक पदार्थों का सेवन करने से न सिर्फ एक व्यक्ति वरन एक परिवार समाज प्रभावित होता है. किसी भी रूप में नशा का सेवन करना कहीं से उचित नहीं है. इससे कैंसर जैसी असाध्य बीमारियां होती हैं. प्रतियोगिता में कई छात्र व छात्राओं ने भाग लिया. उन्होंने मादक पदार्थों के सेवन करने के कुप्रभावों से अवगत कराया. छात्रों ने अपने भाषण में मादक पदार्थों के दुरुपयोग से बचने और दूसरों को भी इसके सेवन से रोकने की अपील की.

आध्यात्मिक आयोजनों से मिलता है सुकून : राजधनी

अध्यात्मिक कार्यक्रम में शामिल लोग.

लातेहार । भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह पूर्व जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष राजधनी प्रसाद यादव ने कहा कि आध्यात्मिक आयोजनों में भाग लेने से सुकून व शांति का आभास होता है. जहां कहीं भी अध्यात्मिक कार्यक्रम या आयोजन होते हैं, वहां एक सकारात्मक उर्जा का संचार होता है. श्री यादव प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के धर्मपुर पंपू कल स्थित आश्रम में मम्मा की 59वीं पुण्य स्मृति के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने आगे कहा कि यह संस्था देश में एक संस्कारयुक्त माहौल तैयार कर रही है. संस्था का कार्य बहुत ही नेक और सराहनीय है. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेवा केंद्र की संचालिता अमरमणि बहन ने कहा कि मम्मा का व्यक्तित्व बहुत ही प्रभावशाली था.

अतिक्रमण मुक्त कर नाली की सफाई करे निगम

मेदिनीनगर। भाकपा के जिला सचिव रुचिर कुमार तिवारी वार्ड नंबर 11 का भ्रमण कर लोगों की समस्याओं से अवगत हुए. उन्होंने कहा कि वार्ड नंबर 11में वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश चंद्र महतो के घर के सामने एवं अगल-बगल के बड़े रसूखदार लोगों द्वारा नाली का अतिक्रमण कर लिया गया है. इसके कारण नाली का पानी नहीं निकलता है. इससे लोग परेशान हैं. श्री तिवारी ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर वार्ड नंबर 11 में बड़े रसूकदारों द्वारा कब्जा किये गये सरकारी नाली पर से अतिक्रम हटाने और उसकी सफाई कराने की मांग की है. उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा आम नागरिकों की नाली को तोड़ दिया गया लेकिन इन बड़े लोगों द्वारा किये गये अतिक्रमण को हाथ तक नहीं लगाया गया. उन्होंने आरोप लगाया कि निगम के पदाधिकारी मिलीभगत कर नाली की सफाई के नाम पर केवल लीपापोती करने का काम कर रहे हैं.

महिला कॉलेज की छात्राओं ने जीते सात पदक

अपने-अपने पदक के साथ छात्राएं.

मेदिनीनगर । कर्नल अमिताभ मुखर्जी के निर्देशन में स्थानीय जीएलए कॉलेज परिसर में आयोजित 44 झारखंड बटालियन के दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में योध सिंह नामधारी महिला कॉलेज की छात्राओं ने कुल 7 पदक जीते हैं. पदक जीतनेवाली कैडेट्स में पूजा कुमारी, अमृता कुमारी व पूजा कुमारी ने समूह नृत्य में कांस्य पदक, अमृता कुमारी व पुनः पूजा कुमारी ने चित्रकला में रजत पदक जीता. वहीं, सार्जेन्ट आस्था सिंह जिन्होंने हिमालयन पर्वतारोहण संस्थान के बैनर तले पर्वतारोहण कोर्स में अकेले गर्ल्स कैडेट के तौर पर झारखंड का प्रतिनिधित्व करके आई हैं, ने मंच संचालन और एकल नृत्य के लिए स्वर्ण पदक प्राप्त किया. बता दें कि शिविर में योध सिंह नामधारी महिला कालेज की छह कैडेट्स शामिल थी। छात्राओं के बेहतर प्रदर्शन पर कालेज की प्रभारी प्राचार्या डॉ. मोहिनी गुप्ता ने बताया कि कैडेटस आगे बढ़े इसके लिए हरसंभव प्रयास करेंगी. सीटीओ डॉ. संगीता कुजूर ने कहा कि कॉलेज की छात्राएं ना केवल प्रदेश स्तर पर बल्कि राष्टीय स्तर पर भी महाविद्यालय का नाम रोशन कर रही हैं.

बाबू दिनेश सिंह विवि में शोकसभा का आयोजन

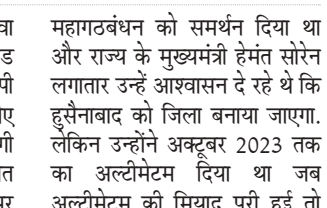

भैया जी को श्रद्धांजलि देते लोग.

गढ़वा। प्रेरणा परमार्थ आश्रम प्रयागराज के परम पूज्य एवं अघोरमूर्ति महान कर्म योगी सुधीर भैया का निधन मुंबई के अस्पताल में हो गया. उनके पार्थिव शरीर को अघोर परंपरा के अनुसार प्रेरणा परमार्थ आश्रम प्रयागराज के प्रांगण में भू समाधि दी गई. सोमवार को बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में सुधीर भैया के निधन पर शोकसभा का आयोजन किया गया. शोकसभा मे सभी विभागों के प्राचार्य, प्राध्यापक, पदाधिकारीगण, शिक्षकेतर कर्मचारियों तथा छात्र-छात्राओं ने पुष्प अर्पित कर भैया जी को श्रद्धांजलि दी एवं दो मिनट का मौन रखकर मृतक की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की. मौके पर बाबू दिनेश सिंह विवि के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह ने भैया जी के जीवन वृतांत को बताया. मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एमके सिंह, कुलसचिव डॉ ललन कुमार, ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुभाष कुमार, प्रशासनिक पदाधिकारी प्रवीण कुमार सिंह, सम्पदा अधिकारी राकेश कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के तमाम पदाधिकारी कर्मचारी आदि उपस्थित थे.

विहंगम योग समाज ने नित्य अनादि सदगुरु का प्राकट्य दिवस मनाया

संवाददाता। मेदिनीनगर

विहंगम योग संत समाज ने नित्य अनादि सदगुरु का प्राकट्य दिवस मनाया. जिला मुख्यालय मेदिनीनगर स्थित गोविंद भवन में विशेष सत्संग गोष्ठी का आयोजन हुआ. भक्तजनों ने श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ फूलमाला अर्पित कर सदगुरुदेव की पूजा अर्चना की.

गोष्ठी में वक्ताओं ने नित्य अनादि सदगुरु की महान महिमा का बखान किया.मुख्य अतिथि प्रचारक रविंद्र प्रसाद श्रीवास्तव ने कहा कि सदगुरु चार प्रकार के होते हैं.नित्य अनादि सदगुरु चारों युगों में प्रकट होते हैं और जगजीवों के कल्याण के लिए ब्रह्मविद्या का उपदेश कर सत्मार्ग दिखाते हैं.

सदगुरु की कृपा से ही ईश्वर प्राप्ति का दुर्लभ ज्ञान प्राप्त होता है.भूले हुए जग जीवों को परमात्मा का साक्षात्कार कराकर अमरलोक पहुंचाना ही सदगुरु का कार्य है.जीवन के उद्देश्यों को हासिल करने के लिए श्रद्धा और समर्पण भाव के साथ ईश्वर की भक्ति करनी चाहिए.सदगुरु की प्रसन्नता में ही शिष्य का कल्याण निहित है.जिला सह संयोजक बनारसी प्रसाद यादव ने विहंगम योग के सिद्धांत एवं सदगुरु सेवा की महता पर प्रकाश डाला.उन्होंने कहा कि विहंगम योग ईश्वर प्राप्ति का एकमात्र मार्ग है.सदगुरु ही ब्रह्मविद्या के प्रदाता एवं जीवों के मुक्तिदाता हैं.जीवन के कल्याण के लिए भक्तजनों को नियमित सदगुरु की सेवा,सत्संग एवं साधना करना चाहिए.गोष्ठी में कई भक्तजनों ने भेदिक भजन प्रस्तुत किया. मौके पर राकेश पाठक, विशुनदेव मेहता,रेणु बाला सहाय, शंभू कुमार, किशोर पासवान, रमेश कुमार, छाया सिंह, गायत्री तिवारी, उजाला उपाध्याय सहित काफी संख्या में भक्तजन शामिल थे.

आपसी प्रेम भाईचारा के बीच मनेगा मोहर्रम: जेनरल

मेदिनीनगर। हम हुसैन वाले है, कर्बला हमारा है. हुसैन रजी की याद में मनाने वाला पर्व मुहर्रम का आगाज हो गया है. इस सिलसिले में शहर के पहाड़ी मोहल्ला स्थित कर्बला मैदान में मोहर्रम इंतजामिया कमेटी जेनरल ने सम्मान समारोह का आयोजन किया. इसकी अध्यक्षता अंजुमन इसलाहुल मुस्लेमीन कमेटी के जिला सदर मुस्तफा कमाल ने की. संचालन सैफ आलम ने किया. समारोह में मोहर्रम इंतजामिया कमेटी के जेनरल खलीफा जिशान खान को पगड़ी पोशी कर सम्मानित किया गया. इसके अलावे पूर्व जेनरल खलीफा शहरेयार अली व अन्य लोगों की पगड़ी पोशी की गई. जेनरल जिशान खान ने कहा कि शांति एवं सौहार्द्र पूर्ण वातावरण में आपसी प्रेम भाईचारा के बीच मोहर्रम त्योहार मनाया जायेगा.

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन

गढ़वा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर रामासाहू आउटडोर स्टेडियम के मैदान में एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता का उद्घाटन गढ़वा जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र पाठक, महासचिव आलोक मिश्रा, उपाध्यक्ष विजय कुमार केशरी, कमलेश कुमार गुप्ता, पिंटू बाबू, एथलेटिक्स संघ के वर्किंग सचिव सुशील तिवारी, कोषाध्यक्ष अजय कांत, क्रिकेट के प्रशिक्षक सिकंदर आदि ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया. इस दौरान 100 मीटर स्प्रिंट और 200 मीटर रेस का आयोजन किया गया. बालिका वर्ग के 100 मीटर दौड़ में लक्ष्मी ऋषि, दीपांजली कुमारी, काजल कुमारी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया. जबकि बालक वर्ग में अमित कुमार, मनीष कुमार, उदित ऋषि ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया.

वीर सपूतों की शहादत बेकार नहीं जाती : देवेंद्र

नीलांबर-पीतांबरपुर/पलामू। प्रखंड के जगतपुरवा मोड़ पर कारगिल शहीद युगंबर दीक्षित का 25वां शहादत दिवस धूमधाम से मनाया गया . कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों ने शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया . पांकी विधायक देवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि शहीदों की कुबार्नी बेकार नहीं जाएगी.

लातेहार के तीन खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण सहित पांच पदक जीते

जयपुर में 5वीं नेशनल गोजुरियो स्पोर्टस कराटे चैंपियनशिप के पदक विजेता.

खास बातें

- चैंपियनशिप में 12 राज्यों के 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया था
- काता और कुमेते दो प्रकार की प्रतियोगिता आयोजित था

संवाददाता । लातेहार

जयपुर 5वीं नेशनल गोजुरियो स्पोर्टस कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता 21 और 22 जून को आयोजित किया गया. इस प्रतियोगिता में विभिन्न वर्गों में लातेहार जिले के तीन खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण पदक सहित कुल पांच पदक अपने नाम किये. चैंपियनशिप में 12 राज्यों के 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया था. चैंपियनशिप में काता और कुमेते दो प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में लातेहार के सीनियर वर्ग बालक में मनजीत कुमार सिंह ने 60 किलोग्राम काता में स्वर्ण एवं कुमेते में रजत पदक जीत कर झारखंड का नाम रोशन किया. बालक वर्ग में 50 किलोग्राम में शौर्य राज ने काता में रजत पदक और कुमेते में कांस्य पदक हासिल किया. बालक वर्ग 55 किलोग्राम कुमेते में पुरुषोत्तम कुमार ने कांस्य पदक अपने नाम किया. झारखंड गोजुरियो स्पोर्टस कराटे एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी शिहान धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में टीम नेशनल प्रतियोगिता में भाग लिया. जबकि झारखंड टीम के कोच सेंसाई लाल बिहारी सिंह थे.

विमोचन

सूफी परंपरा के वाहक शमीम नदवी की पुस्तक चांद उतरता है का विमोचन

मौलाना नदवी शहसरामी सूफी परंपरा के वाहक थे : डॉ मंजर

संवाददाता। मेदिनीनगर

मौलाना मोहम्मद अयूब शमीम नदवी सहसरामी पलामू जिला के गिरवर उच्च विद्यालय में पहले मौलवी के रूप में नियुक्त हुए थे. उनका ताल्लुक वर्तमान सासाराम से था. उनकी पढ़ाई लिखाई कोलकाता में हुई थी, परंतु डालटनगंज आने के बाद यही के होकर रह गए. शमीम नदवी साहब सूफी परंपरा के वाहक थे. उक्त बातें प्रगतिशील लेखक संघ द्वारा आयोजित शमीम नदवी की पुस्तक चांद उतरता है के विमोचन कार्यक्रम के दौरान डॉक्टर मकबूल मंजर ने कही.

प्रगतिशील लेखक संघ पलामू के द्वारा मेदिनीनगर के शाह मोहल्ला में स्थित रॉयल मैरिज हॉल में मौलाना मोहम्मद अयूब शमीम नदवी शहसरामी की पुस्तक चांद उतरता है... का विमोचन गया और सासाराम से पधारे अतिथि शायर नदीम जाफरी एवं अख्तर इमाम अंजुम, जीडी कॉलेज बेगूसराय के उर्दू के विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर सहर अफरोज, इप्टा पलामू के अध्यक्ष प्रेम भसीन, डॉक्टर अशरफ जमाल अश्क, अमीन रहबर, एमजे अजहर, डॉ मकबूल मंजर, डॉक्टर इंतखाब असर, असगर इमाम असगर एवं प्रगतिशील लेखक संघ के सचिव नुदरत नवाज ने संयुक्त रूप से विमोचन किया. इस दौरान गोविंद प्रसाद एवं अच्छे लाल प्रजापति ने अतिथि शायरों को मोमेंटो एवं शॉल प्रदान कर सम्मानित किया. इस मौके पर नुदरत नवाज ने पुस्तक निर्माण की प्रक्रिया की चर्चा करते हुए अरशद कमर के प्रति आभार व्यक्त किया.

पुस्तक विमोचन समारोह में अतिथिगण.

विमोचन कार्यक्रम के बाद मुशायरा का आयोजन

पुस्तक विमोचन के बाद नदीम जाफरी की सदारत में मुशायरा कार्यक्रम की शुरुआत हुई. प्रारंभ में अदनान कासिफ, नसीम रियाज, एवं इस्तेखार ने शमीम नदवी साहब, नदीम बल्खी एवं डॉक्टर शोएब रही की रचना तरन्नुम में प्रस्तुत किया. इस कार्यक्रम में स्थानीय शायरों ने अपनी अपनी रचना प्रस्तुत की. रचना प्रस्तुत करने वालों में किरण राज, शमीम जोहार, डॉक्टर इंतखाब असर, डॉ मकबूल मंजर, एमजे अजहर, अमीन रहबर, कयूम रूमानी, अशरफ जमाल अश्क, अलाउद्दीन चिराग, मनीष मिश्रा, प्रेम प्रकाश शामिल थे. मुशायरा का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन अरशद कमर ने किया। मौके पर शैलेंद्र कुमार शर्मा, कुलदीप राम, घनश्याम कुमार, रियाज अहमद, नसीम अहमद, मिस्टर, एवं गुड्डू सहित काफी लोग उपस्थित थे.

अगली बार झारखंड में बनेगी एनडीए की सरकार

कमलेश सिंह का दावा

संवाददाता। मेदिनीनगर

झारखंड में विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट शुरू हो चुकी है. एनडीए गठबंधन दल ने भी विस चुनाव को लेकर तैयारी पूरी कर ली है और झारखंड में अगली सरकार एनडीए गठबंधन की दल की होगी. उक्त बातें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह हुसैनाबाद विधायक कमलेश कुमार सिंह ने प्रेस वार्ता में कही. श्री सिंह ने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी आगामी विस चुनाव एक से अधिक सीटों पर लड़ेगी और एनडीए गठबंधन दल का टारगेट 65 से 70 सीटों को जीतना है. उन्होंने कहा कि चुनाव तैयारी को लेकर एनडीए के बड़े घटक भाजपा के नेता शिवराज सिंह चौहान वह हेमंत विश्वा शर्मा की तैयारी में लग गए हैं. झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर एनसीपी भी तैयारी कर रही है. एनडीए गठबंधन दल की जब भी बैठक होगी उसमें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) अधिक से अधिक सीटों पर अपनी दावेदारी पेश करेगा. श्री सिंह ने कहा कि वे हुसैनाबाद को जिला बनाने का लगातार प्रयास कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद उन्होंने महागठबंधन को समर्थन दिया था और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन लगातार उन्हें आश्वासन दे रहे थे कि हुसैनाबाद को जिला बनाया जाएगा. लेकिन उन्होंने अक्टूबर 2023 तक का अल्टीमेटम दिया था जब अल्टीमेटम की मियाद पूरी हुई तो उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार से समर्थन वापस ले लिया. उन्होंने बताया कि वह आगामी विस चुनाव हुसैनाबाद से ही लड़ेंगे.

विस चुनाव में एनडीए जीतेगा 65 से 70 सीटें

संवाददाता सम्मेलन में उपस्थित विधायक कमलेश सिंह व अन्य.

ब्रीफ खबरें

मजदूरी के अधिनियम के तहत होगी कार्रवाई

पलामू । आउटसोर्सिंग कंपनी बालाजी के कर्मचारियों के कम और तीन-चार महीने से वेतन नहीं देने के आरोप पर श्रम अधीक्षक इतवारी महतो ने सोमवार को एमआरएमसीएस पहुंच कर मामले की जांच की. बालाजी कंपनी के सफाई कर्मचारियों ने जिले के सिविल सर्जन डॉक्टर अनिल कुमार से शिकायत की थी कि उन्हें कम और तीन-चार महीने से वेतन नहीं दिया गया है. शिकायत के आलोक में श्रम अधीक्षक एमआरएमसीएच पहुंचे. एमआरएमसीएस सहित जिले के सभी अस्पतालों में आउटसोर्सिंग कंपनी बालाजी के 480 के आसपास सफाई समेत कर्मचारी कार्यरत हैं. श्रम अधीक्षक ने बताया कि एक-एक सफाईकर्मी सहित 38 कर्मियों का बयान दर्ज किया गया. त्रुटि निकलने पर मामले में अनियमित मजदूरी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी.

रैयतों के साथ एडि. कलेक्टर ने की बैठक

पलामू । अंचल पदाधिकारी सतबरवा के कक्ष में सोमवार को 15 रैयतों के साथ भूमि समाहर्ता तथा जिला भू-अर्जन पदाधिकारी कुमुदिनी टूडू और सदर अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग तिवारी ने बैठक की. एडिशनल कलेक्टर कुंदन कुमार की अध्यक्षता में की गई बैठक में उन्होंने बताया कि रैयत के साथ फोरलेन सड़क में जमीन अधिग्रहण को लेकर सकारात्मक बातचीत हुई है. बैठक को लेकर प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में सैकड़ों की संख्या में रैयत पहुंचे थे. रैयतों ने प्रशासन के रवैये से नाराजगी जाहिर की. उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर केंद्रीय मंत्री के अलावा उच्च न्यायालय के शरण में जाएंगे.

पलामू के मजदूर ने आंध्र में लगाई फांसी

मेदिनीनगर । पलामू जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के एक मजदूर ने आंध्र प्रदेश में फंदे से लटक कर अपनी जान दे दी. मजदूर का नाम उपेन्द्र भूईयां (35 वर्ष) है. वह डगरा गांव का निवासी था. वह स्थानीय दलाल के माध्यम से आंध्र प्रदेश में एमजी रोड वी कोटा गांव नाकापली स्थित एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में सरिया सेटरिंग का काम करने गया था. उसके साथ, उसका छोटा भाई भी वहीं काम करने गया था. बताया जा रहा है कि रविवार को उसने जमकर शराब पी. उसके बाद करीब 11 बजे रात तक मोबाइल से वह अपनी पत्नी से बात करता रहा. बातचीत के दौरान उसने अपनी पत्नी को बताया था कि यह उसकी आखिरी बातचीत है और वह आज की रात आत्महत्या कर लेगा.

भारतीय जनता पार्टी आज मनाएगी काला दिवस

लोहरदगा । भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्वकर्ता संयोजक अनिल उरांव तथा सह संयोजक विमल कान्त सिंह ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि 25 जून 1975 को संविधान के विरुद्ध जाकर कांग्रेस की सरकार ने इमरजेंसी पूरे देश में लगाई थी, उसके विरुद्ध भाजपा लोहरदगा जिला के तत्वावधान में आज काला दिवस मनाया जाएगा. इधर, भाजपाइयों द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा गया है कि 25 जून 1975 को कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में पूरे देश में संविधान को ताक में रखकर इमरजेंसी लगाई गई थी, इमरजेंसी के दौरान पूरे देश को बंधक बनाया गया था आम जनता डरकर जिंदगी जीने के लिए मजबूर थी जो एक काला अध्याय था, जिसे भाजपा काला दिवस के रूप में मनाती है.

सांसद ने डीएफओ को जल्द से जल्द हाथियों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने का दिया निर्देश

सांसद के निर्देश पर हाथियों से प्रभावित परिवारों से मिले कांग्रेसी

- कुडू प्रखंड के इटरा गांव में हाथियों ने दो परिवार सोनू उरांव एवं राजेंद्र उरांव का घर को ध्वस्त कर दिया

संवाददाता। लोहरदगा

नुकसान का निरीक्षण करते आलोक साहू.

विगत दिनों से लोहरदगा जिला अंतर्गत कुड़ कैरो और भंडरा प्रखंड क्षेत्र में जंगली हाथियों के द्वारा तांडव मचाया जा रहा है, जिसके कारण रविवार को एक युवक की मौत हो गई. कितने घर को हाथियों ने ध्वस्त कर दिया है. काफी किसानों के फसलों को भी हाथियों ने नष्ट कर दिया है. लोहरदगा लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत मामला को गंभीरता से लिया है. उन्होंने कहा कि हाथियों के उत्पात से जनता परेशान है. लोग रतजगा कर रहे हैं. हाथियों को भगाने के लिए वन विभाग के अधिकारियों को त्वरित गति से काम करना चाहिए. हाथियों से जनता को जो भी नुकसान हुआ है उसका मुआवजा उन्हें दिलवाया जाएगा. कल हाथियों से बचकर भाग रहे तान गांव निवासी उमेश उरांव का कुआं में गिरने से मौत हो गई थी. उसके प्रति सांसद ने संवेदना प्रकट की है तथा उन्हें चार लाख का मुआवजा भी दिलाया जाएगा.

सांसद की सारी बातों को कांग्रेस नेता आलोक कुमार साहू डीएफओ को अवगत कराते हुए इस पर शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किये. डीएफओ ने श्री साहू को बताया कि ग्रामीण संयम से रहे हाथियों को नहीं छेड़े प्रशासन हाथियों को भगाने के लिए प्रयासरत है तथा सभी प्रभावित लोगों को मुआवजा दिया जाएगा. शनिवार को कुडू प्रखंड के इटरा गांव में हाथियों ने दो परिवार सोनू उरांव एवं राजेंद्र उरांव का घर को ध्वस्त कर दिया था तथा उनका धान, गेहूं को भी खा गया था. सांसद के निर्देश पर आलोक कुमार साहू इटरा गांव पहुंचकर हाथियों द्वारा ध्वस्त किये गये घर का मुआयना किया. तथा प्रभावित परिवारों से मिलकर उन्हें बताया कि संसद आपके साथ हैं आपकी समस्याओं का निदान किया जाएगा. साहू ने मौके पर से ही डीएफओ से वार्ता कर शीघ्र मुआवजा देने की बात किए. साहू ने प्रखंड विकास पदाधिकारी कुडू से वार्ता कर प्रभावित परिवारों को अबुआ आवास देने का आग्रह किये साहू ने अंचलाधिकारी कुंडू से वार्ता कर शीघ्र क्षतिपूर्ति रिपोर्ट तैयार करने की बात कहें .मौके पर लोहरदगा विधानसभा युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष लाल विकास नाथ शाहदेव, मनीष शर्मा, महावीर भगत, महादेव भगत सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे.

12वीं विज्ञान एवं कला की प्रथम त्रैमासिक परीक्षा शुरू

संवाददाता। लोहरदगा

परीक्षा देते विद्यार्थी

मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर महाविद्यालय लोहरदगा में 12वीं विज्ञान एवं कला की त्रैमासिक परीक्षा आरंभ हुई. परीक्षा का शुभारंभ गुमला विभाग निरीक्षक अखिलेश कुमार, महाविद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार सिंह और आचार्य दीदी के द्वारा भैया-बहनों को तिलक लगाकर और मुंह मीठा कर किया गया. इस बीच 12वीं विज्ञान एवं कला की परीक्षा चार कक्षों में संचालित की गई. महाविद्यालय में यह त्रैमासिक परीक्षा जैक द्वारा ली जाने वाली मुख्य परीक्षा के अनुरूप ही आयोजित की जाती है, जिससे भैया बहनों को 12वीं की बोर्ड परीक्षा की तैयारी को विशेष बल मिले. प्रथम दिवस में 12वीं कला की राजनीतिक विज्ञान और विज्ञान की भौतिकी की परीक्षा हुई. यह परीक्षा चार दिनों तक चलेगी. त्रैमासिक परीक्षा में सभी छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. परीक्षा को संपादित करने में सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर एसडीओ ने की बैठक, बोले

18 वर्ष के युवा मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं

संवाददाता । किस्को/लोहरदगा

बीएलओ के साथ बैठक करते एसडीओ अमित कुमार.

जिले के किस्को प्रखंड मुख्यालय के सभागार में अनुमंडल पदाधिकारी सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी अमित कुमार की अध्यक्षता में मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर बैठक आयोजित की गई. इधर, बैठक में उपस्थित बीएलओ एवं सभी कर्मियों को निर्देश देते हुए एसडीओ अमित कुमार ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत एकत्रित फार्म का अंतिम रूप से सत्यापन कर लें, ताकि त्रुटिपूर्ण वोटर लिस्ट बनाया जा सके. उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने के कार्यों में लोहरदगा जिला प्रशासन काफी सराहनीय कार्य कर रही है.

एसडीओ अमित कुमार ने कहा कि जिनका मतदाता सूची में नाम अंकित नहीं हो पाया है या फिर भूलवश छूट गया है, वैसे लोगों को फार्म 6 भरकर कर मतदाता सूची में नाम अंकित करने का कार्य करें. एसडीएम अमित कुमार ने सुपरवाइजर व बीएलओ को डोर-टू-डोर भ्रमण कर फॉर्म-6 एकत्रित करते हुए छुटे हुए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने का निर्देश दिया. साथ ही कहा कि जिन मतदाताओं का पहचान पत्र में सादा फोटो है, उसे हटाते हुए नया रंगीन फोटो लगायें. मतदाता सूची में नाम जोड़ने एवं वोटर आई कार्ड से संबंधित कार्यों में जनवितरण प्रणाली विक्रेता, जेएसएलपीएस के कर्मी, बैंक कर्मी, प्रज्ञा केंद्र संचालक, शिक्षक, आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका आपस में समन्वय बनाकर अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करें. मौके पर बड़ी संख्या में कर्मी मौजूद थे.

सभी बीएलओ को मतदाता सूची के साथ प्रशिक्षण दिया गया

भंडरा/लोहरदगा । आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियां शुरू कर दी गई है. इसी के तहत जिले के भंडरा प्रखंड के सभी बीएलओ और सभी राजनीतिक दलों के प्रखंड अध्यक्षों की एक आवश्यक बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रतिमा कुमारी एवं अंचल अधिकारी दुर्गा कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में सम्पन्न हुई. इस बीच बैठक में उपस्थित सभी बीएलओ को आगामी 25 जून से शुरू हो रहे प्री-रिवीजन कार्यक्रम एवं डोर टू डोर मतदाता सूची सत्यापन की तैयारियों के निमित्त आवश्यक दिशा-निर्देश एवं प्रशिक्षण दिया गया. वहीं बैठक में प्री-रिवीजन कार्यक्रम की जानकारी उपलब्ध कराने हेतु सभी राजनीतिक दलों के प्रखंड अध्यक्ष के साथ बीडीओ एवं अंचल अधिकारी ने बैठक कर विस्तृत रूप से जानकारी साझा किया. मौके पर परवेज अंसारी, विवेक सोनी,आकाश यादव, जुगल भगत मौजूद रहे.

लोहरदगा में नारी सम्मान को लेकर समारोह का आयोजन हुआ

विधवाओं के साथ दुर्व्यवहार मानवाधिकार का उल्लंघन

संवाददाता। लोहरदगा

सम्मान समारोह में शामिल महिलाएं.

नारी सम्मान ग्रुप लोहरदगा की ओर से 23 जून अंतरराष्ट्रीय विधवा दिवस पर विधवाओं के लिए एक कार्यक्रम रखा गया, जो लोहरदगा के लिए एक पहल एवं सराहनीय प्रयास रहा. नारी सम्मान ग्रुप की ओर से सभी विधवाओं को एक एक साड़ी, फूलों की वर्षा और तिलक लगाकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया. मौके पर वक्ताओं ने कहा, अंतरराष्ट्रीय विधवा दिवस का उद्देश्य विधवाओं के लिए समर्थन जुटाना है. साथ ही यह दिन उनकी स्थिति के बारे में जागरूकता फैलाने का काम करता है. दुनिया भर में कई महिलाएं अपने जीवन-साथी को खोने के बाद चुनौतियों का सामना करती है. आमतौर पर विधवाओं को समाज से बहिष्कार जैसी स्थिति से गुजरना पड़ता है. विधवाओं एवं उनके बच्चे के साथ किया जाने वाला दुर्व्यवहार मानव अधिकारों की श्रेणी में गंभीर उल्लंघन है. नारी सम्मान ग्रुप की महिलाएं द्वारा इस कार्य की पहल को काफी सराहा गया और प्रशंसनीय रहा. 23 जून इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह लोगों में उन समस्याओं के बारे में जागरूकता लाता है. इस अवसर पर नारी सम्मान ग्रुप की अध्यक्ष रचना राय अर्चना सिंह गुप्ता रीना साहू अनीता गुप्ता प्रेमलता प्रतिमा गुप्ता खुशबू सिंह राजेश्वरी साहू पुष्पा देवी एवं अन्य लोग उपस्थित थे.

गैर मान्यता प्राप्त संगठन से हुए समझौते पर लगाएं रोक : राजवंश

लोहरदगा । गैर मान्यता प्राप्त संगठन से हुए समझौते का निबंधन रोकने के संबंध में भामस से संबद्ध बिहार मिनरल्स मजदूर संगठन के महामंत्री राजवंश सिंह ने क्षेत्रीय श्रमायुक्त (के.) सेक्टर-टू, धुर्वा रांची को आवेदन दिया है. जिसमें उन्होंने कहा है कि हिण्डाल्को प्रबंधन लोहरदगा में मान्यता प्राप्त बिहार मिनरल्स मजदूर संगठन है. विशेष जानकारी मिली है कि हिण्डाल्को प्रबंधन मान्यता प्राप्त यूनियन के विरूद्ध गैर मान्यता प्राप्त संगठन से समझौता करना चाहती है. उन्होंने आग्रह किया है कि ऐसे संगठन से किये गए समझौता का निबंधन नहीं किया जाए, ताकि मान्यता प्राप्त संगठन का सम्मान कायम रहे.

विद्यालय स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

- उदघाटन मैच मवि और उत्क्रमित मवि के बीच खेला गया

संवाददाता। बरवाडीह

सोमवार से प्रखंड मुख्यालय के रेलवे क्लब में विद्यालय स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ. उद्घाटन प्रमुख सुशीला देवी, जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर, बीस सूत्री अध्यक्ष नसीम अंसारी, विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह (पिंटू) समेत अन्य अतिथियों के द्वारा सयुंक्त रूप से फीता काट कर किया. उदघाटन मैच मध्य विद्यालय बरवाडीह और उत्क्रमित मध्य विद्यालय गम्हरिया के बीच खेला गया. इससे पहले अतिथियों ने फुटबॉल किक कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया. मध्य विद्यालय बरवाडीह और उत्क्रमित मध्य विद्यालय गम्हरिया की टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया. बरवाडीह की टीम एक गोल से गम्हरिया को हराया और अगले राउंड में जगह बनायी. दूसरा मैच मध्य विद्यालय हेंदेहास और उत्क्रमित उच्च विद्यालय सैदुप के बीच खेला गया. इसमें हेंदेहास ने सैदुप को एक गोल से हराया. मौके पर कांग्रेस के कार्यकारिणी अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, खेल कोच अशफाक अहमद मुन्ना, सत्येंद्र कुमार, राजीव कुमार, मुकेश चंद्रवंशी, सुमन कुमार, अरुण कुमार आदि मौजूद थे.

शिक्षकों एवं छात्रों ने निकाली साइकिल रैली

संवाददाता । भंडरा/लोहरदगा

समाज में नशा पान के बढ़ते मामले पर रोक लगाना आवश्यक है समाज को नशा मुक्त समाज निर्माण के लिए नशा का ऊपयोग, मादक पदार्थों का कारोबार,नशा से संबंधित उत्पादकता को बंद करना जरूरी है. उक्त बातें साइकिल रैली के आयोजन से पूर्व राजकीय मध्य विद्यालय भंडरा की प्रधानाध्यापिका ने कही. बता दें कि नशा मुक्त समाज निर्माण को लेकर राजकीय मध्य विद्यालय भंडरा के शिक्षकों एवं छात्रों के द्वारा भंडरा में साइकिल रैली निकाली गई. रैली नौडीहा चौक से शुरू होकर मुख्य पथ होते हुए वापस विद्यालय परिसर तक गया. इस मौके पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा नशा मुक्ति से संबंधित नारे लिखे हुए तख्ती प्रदर्शन किया गया. तख्ती में कई तरह के स्लोगन लिखकर नशा पान से दूर रहने का संदेश दिया गया.

आजाद समाज पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी बोले-

सरकार ने युवकों को नौकरी के नाम पर लॉलीपॉप थमाया

- झारखंड की आम जनता के भविष्य और जीवन यापन के लिए सरकार के पास पैसा नहीं है, आखिर ये कैसी विडंबना है

संवाददाता । लोहरदगा

आजाद समाज पार्टी के लोहरदगा जिला मीडिया प्रभारी सदाकत अंसारी उर्फ बाबला ने राज्य सरकार को कटघरे में लेते हुए कहा है कि सीएम, मंत्रियों और विधायकों के वेतन-भत्ते में वृद्धि पर राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि इस सरकार के पास गरीब, युवा, किसान और महिलाओं के लिए पैसे की कमी रहती है, लेकिन सत्ताधारियों एवं जनप्रतिनिधियों के लिए धन की वर्षा होने लगती है.

दरअसल, झारखंड कैबिनेट ने बीते बुधवार को सीएम, मंत्रियों, विधायकों, स्पीकर, पार्टी सचेतकों के वेतन-भत्ते में एकमुश्त भारी इजाफे का निर्णय लिया है. इस पर बाबला ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को महीने के 80 हजार रुपये एवं मंत्री और राज्यमंत्री को 65 हजार रुपये तथा विधायकों को 40 हजार रुपये कम पड़ जाते हों. उन्होंने कहा कि झारखंड की आम जनता के भविष्य और जीवन यापन के लिए सरकार के पास पैसा नहीं है ये कैसी विडंबना है. साथ ही उन्होंने कहा कि मजदूरों की मजदूरी न बढ़ाकर, महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में कदम न बढ़ाकर, गरीबों के बेहतर जीवन यापन की न सोचकर, बेरोजगारों व राज्य के युवाओं के बारे में चिंता करने के बजाय राज्य सरकार सीएम, मंत्रियों और विधायकों के वेतन-भत्ते में वृद्धि और पीठ थपथपाने में लगी है.

अंसारी ने कहा कि आखिर राज्य सरकार के आंगन में लगा वो कौन सा पैसों का पेड़ है जो सत्ताधारियों और जनप्रतिनिधियों के लिए ही धन की वर्षा करता है और सभी के वेतन में 20 हजार रुपए का इजाफा कर दिया जाता है. लेकिन राज्य की जनता, बेरोजगार, युवा, महिला और गरीबों के हाल पर तरस तक नहीं आता है.

सांसद सुखदेव भगत के शपथ लेने पर कांग्रेसियों ने दी बधाई

संवाददाता । लोहरदगा

लोकसभा से निर्वाचित सांसद सुखदेव भगत सोमवार को 18वीं लोकसभा के पहले दिन संविधान को हाथ में लेकर सरना मां के नाम पर लोकसभा सदस्य की शपथ लिए. इस बीच सांसद सुखदेव भगत के शपथ लेने पर पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव, पूर्व गुमला जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीप नारायण उरांव, गुमला के पूर्व जिला अध्यक्ष शिवकुमार भगत, प्रदेश सचिव रोशन वरवा, रमेश चीनी, अकील रहमान, जगदीप भगत आलोक कुमार साहू, राजनील तिग्गा, नेसार अहमद, साजिद अहमद, राजेश रूद्रा, फुलदेव उरांव, पवन गौतम, शाहिद अहमद बेलू, सत्यजीत सिंह, मोहन दुबे, कुणाल अभिषेक, मनोज सोन तिर्की, राजू कुरैशी, पप्पू होता, सुजीत जायसवाल, रवि रोशन बेक, संतोष गुप्ता उर्फ गुड्डू, अल्बर्ट जी, विकास नाथ शाहदेव, सुदीप तिग्गा, अनिल कुमार, राजेश सहाय मनोज भगत, गयास अंसारी, विजय चौहान, शाहजहां अंसारी, अनमोल भगत, दयानंद उरांव सहित अनेक लोगों ने बधाई दिए.

एक्टू ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम डीसी को सौंपा ज्ञापन

लोहरदगा में अपनी मांगों को लेकर एक्टू ने रैली निकाली,प्रदर्शन किया.

- भारत सरकार का यह फैसला कारपोरेट समर्थक और श्रमिक विरोधी है, सरकार अवैध गतिविधियों को वैधता प्रदान कर रही है

संवाददाता । लोहरदगा

अखिल भारतीय विरोध दिवस के अवसर पर कॉर्पोरेट परस्त पीएफ कटौती अंशदान को देरी से जमा करने पर दंड में भारी कमी करने को लेकर ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल आफ ट्रेड यूनियंस के राज्य सचिव सह सम्मानित अध्यक्ष महेश कुमार सिंह के नेतृत्व में समाहरणालय मैदान में रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया. तत्पश्चात उपायुक्त के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति भारत सरकार नई दिल्ली और प्रधानमंत्री भारत सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा गया.

इधर, ज्ञापन में कहा गया है कि विगत 14 जून को भारत सरकार श्रम और रोजगार मंत्रालय नई दिल्ली के द्वारा एक अधिसूचना जारी की गई है. जिसके तहत ईपीएफ कर्मचारी पेंशन योजना, ईपीएस और कर्मचारी जमा लिंक्ड बीमा योजना अंशदान जमा करने में देरी के लिए दंडात्मक शुल्क में भारी कमी की गई है. जिसमें श्रमिकों का अंशदान भी शामिल है. भारत सरकार का यह फैसला कारपोरेट समर्थक और श्रमिक विरोधी है, सरकार अवैध गतिविधियों को वैधता प्रदान कर रही है और कानूनी दायित्वों के उल्लंघन को मान्यता दे रही है.

यह कदम कंपनियों को पीएफ अंशदान में भी धोखाधड़ी करने का प्रोत्साहित करता है. नये नियमों के अनुसार अब देरी से अंशदान जमा करने वालों पर प्रति माह एक प्रतिशत का जुर्माना लगेगा, अर्थात ईपीएफ के तहत बकाया योगदान पर सालाना 12 प्रतिशत दंड लगाया जाएगा.

मनमानी जमे हुए हैं वर्षों से एक ही पंचायत में, उप विकास आयुक्त लोहरदगा का आदेश भी नहीं माना

अफसरों के आदेशों को भी नहीं मानते किस्को के रोजगार सेवक

संवाददाता। किस्को/लोहरदगा

- फाइल फोटो

जिले के किस्को प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सभी नौ पंचायतों में विगत कई वर्षों से पदस्थापित रोजगार सेवक डटे हुए हैं. यहां पर बता दें कि किस्को प्रखंड के अलावा जिले के सभी प्रखंडों में पदस्थापित रोजगार सेवकों के तबादले को लेकर उप विकास आयुक्त लोहरदगा द्वारा सभी बीडीओ को पत्र प्रेषित कर यथाशीघ्र तबादला कर इसकी सूचना मनरेगा कोषांग लोहरदगा को दिए जाने का निर्देश दिया गया था. इसके बावजूद तबादला आदेश के साल भर बीत जाने के बाद भी किस्को प्रखंड के रोजगार सेवकों का अभी तक स्थानांतरण पंचायतों में योगदान नहीं दिए जाने से मामला दिन व दिन तूल पकड़ने लगा है. उल्लेखनीय है कि कार्यालय जिला ग्रामीण विकास अभिकरण लोहरदगा उप विकास आयुक्त सह जिला कार्यक्रम समन्वयक मनरेगा लोहरदगा के पत्रांक 633 दिनांक 29 अगस्त 2022 को किस्को प्रखंड के अलावा अन्य प्रखंडों के बीडीओ को विगत दो वर्षों से अधिक समय से एक ही पंचायत में पदस्थापित ग्राम रोजगार सेवकों का स्थानांतरण किए जाने हेतु निर्देश दिया गया था.

इधर, उप विकास आयुक्त द्वारा निर्देश दिया गया था कि ग्राम रोजगार सेवकों का चिन्हित कर उनका स्थानांतरण अन्यत्र पंचायत में करते हुए इससे संबंधित प्रतिवेदन निम्न पत्र में अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था परंतु अभी तक आईएस अधिकारी के आदेशों पर कोई कार्रवाई नहीं किया जाना बड़े सवालों को जन्म दे डाला है. वहीं उप विकास आयुक्त के आदेशों को अनुपालन करते हुए निवर्तमान बीडीओ बुड़ायं सारू के द्वारा उप विकास आयुक्त सह जिला कार्यक्रम समन्वयक मनरेगा लोहरदगा के ज्ञापांक 633 मनरेगा कोषांग दिनांक 29 अगस्त 2022 पर त्वरित संज्ञान में लेते हुए किस्को प्रखंड के सभी 9 पंचायत में कार्यरत ग्राम रोजगार सेवकों को स्थानांतरित पंचायतों में यथाशीघ्र योगदान देते हुए इसकी सूचना प्रखंड कार्यालय को दिए जाने का निर्देश दिया गया था. फिर भी किस्को प्रखंड के सभी नौ पंचायतों में कार्यरत ग्राम रोजगार सेवकों ने इसपर कोई दिलचस्पी नहीं दिखाया और पूर्व से पदस्थापित पंचायत में ही अभी तक डटे हुए हैं. इससे यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि किस्को प्रखंड में पदस्थापित ग्राम रोजगार सेवकों को आईएस अधिकारी हो या फिर प्रखंड स्तर के गजेटेड आफिसर हो किन्हीं के आदर्शों से किस्को प्रखंड के रोजगार सेवकों का कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता है.

ज्ञात हो कि ग्राम पंचायत अरेया में पदस्थापित ग्राम रोजगार सेवक दीपक कुमार को अरेया से हिसरी, नंदलाल भगत को बगड़ू से पाखर, गोविंद कुमार राम को बेटहट से नवाडीह, मंगलदास तिर्की को देवदरिया से बगड़ू, प्रीति कुमारी को हिसरी से अरेया, मोहम्मद जमशेद अंसारी को नवाडीह से बेटहट और अनुप कुमार को पाखर से देवदरिया तबादला निवर्तमान प्रखंड विकास पदाधिकारी बुड़ायं सारू के द्वारा दिनांक 7 दिसंबर 2022 को कर दिया गया है. लेकिन अब तक उक्त सभी ग्राम रोजगार सेवकों ने नव पदस्थापित पंचायतों में योगदान नहीं दिए हैं जिससे ज्ञात होता है कि इन्हें किन्हीं वरीय पदाधिकारियों के कार्रवाई का कोई खौफ नहीं है। बहरहाल किस्को प्रखंड के सभी 9 पंचायत में कार्यरत इन ग्राम रोजगार सेवकों को आखिर नव पदस्थापित पंचायतों में योगदान देने में कौन सी परेशानियां घेर रखी है जो अभी तक उक्त नव स्थानांतरण पंचायतों में योगदान नहीं दिए हैं.

मनिका विधानसभा से कर सकते हैं टिकट की दावेदारी

कन्हाई सिंह ने थामा भाजपा का दामन, राजनीति गरमाई

मयंक विश्वकर्मा। बरवाडीह

बरवाडीह पूर्वी क्षेत्र के जिला परिषद के सदस्य कन्हाई सिंह ने सोमवार को रांची स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के समक्ष भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है. कन्हाई सिंह के भाजपा में शामिल होने को लेकर लोकसभा चुनाव के पूर्व से ही गतिविधि चल रही थी, उस अब पूरी तरह से विराम लग गया है. क्षेत्र में भी चर्चाओं का बाजार गरम है. कन्हाई सिंह ने कहा कि वे भाजपा एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नीति व सिद्धांतों से प्रभावित हो कर शामिल हुए हैं. कन्हाई सिंह के शामिल होने पर मंडल अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह के साथ संतोषी शेखर, कन्हाई प्रसाद, दिलीप यादव, सुनील सिंह, दीपक तिवारी, दिलीप पासवान, मनोज यादव समेत अन्य भाजपा नेताओं ने बधाई दी है.

ज्ञात हो की पिछले कुछ सालों में मनिका विधानसभा में भाजपा के कई कद्दावर नेता का असमय मृत्यु हो गई है. मनिका विधानसभा में भाजपा कमजोर पड़ी है. पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह को भाजपा से टिकट नहीं मिले इसे ले कर भी मनिका विधानसभा के कई क्षेत्रों में उनका विरोध शुरू हो गया है. ऐसे में भाजपा मनिका विधानसभा से उम्मीदवार के रूप में नया चेहरा कन्हाई सिंह के रूप में ला सकती है.

राहुल-पूजा हत्याकांड में संलिप्त सभी आरोपियों की गिरफ्तारी तक आंदोलन जारी रखने की घोषणा

विकास सोनी की गिरफ्तारी व सीबीआई जांच की मांग को लेकर सड़क पर उतरे ग्रामीण

संवाददाता। हजारीबाग

इचाक के कोचिंग संचालक दंपति राहुल व पूजा हत्याकांड में बाप बेटे समेत छह लोग गिरफ्तार हो चुके हैं. हत्याकांड में शामिल ईश्वर मेहता के वाहन चालक विकास सोनी को पुलिस ने छोड़ दिया. विकास सोनी को छोड़े जाने, हत्याकांड में संलिप्त सभी दोषियों को समान सजा, हत्याकांड की जांच सीबीआई से कराने को लेकर सोमवार को कुरहा गांव के हज़ारों महिला पुरुष सड़क पर उतरे. ग्रामीणों ने इचाक बाजार में कैंडल मार्च निकाल कर पूजा व राहुल की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर बाकी

ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर किया विरोध.

संलिप्त सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की. ग्रामीणों ने पुलिस पर चालक विकास सोनी को छोड़े जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि विकास सोनी हत्या से पूर्व दो लाख रुपये ईश्वर मेहता के घर से लाये थे. इस बात की पुष्टि ईश्वर मेहता की पत्नी ने भी है. इस हत्याकांड के खुलासे के क्रम में पहली गिरफ्तारी विकास सोनी की हुई थी. उसी की निशानदेही पर बाकी छह आरोपी गिरफ्तार हुए हैं. ग्रामीणों ने बताया कि ईश्वर मेहता का सबसे करीबी माने जाने वाला चालक विकास सोनी के शरीर पर बहुत सारे जख्म हैं, जो राहुल-पूजा हत्याकांड के दौरान के बताये जा रहे हैं. ग्रामीणों ने यह भी कहा कि हत्या से पूर्व शमशान घाट में लकड़ी पहुंचाने में भी विकास सोनी का सबसे बड़ा योगदान है. ऐसे में उसे किस आधार पर छोड़ा गया. ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर विकास सोनी को गिरफ्तार करो, पुलिस की मनमानी नही चलेगी, दोषियों को फांसी दो, मामले की जांच सीबीआई से हो इत्यादि नारों के साथ कैंडल मार्च निकाला. वहीं कुरहा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि राकेश मेहता ने कहा कि यह हमारी पंचायत में सबसे बड़ी घटित घटना है. विकास सोनी के बारे में पुलिस अधीक्षक अरविंद सिंह द्वारा भूमिका नहीं बताए जाने को लेकर ग्रामीण बहुत गुस्से में हैं. अगर मामले की जांच सीबीआई से नहीं कराई जाती है तो 24 घंटे के बाद संपूर्ण इचाक बंद रहेगा. साथ ही एनएच-33 पर विरोध किया जाएगा. वहीं आदर्श युवा संगठन के युवा नेता गौतम कुमार ने हत्याकांड में संलिप्त सभी आरोपियों को गिरफ्तार किए जाने व मामले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने तक आंदोलन को जारी रखने की बात कही.

रजरप्पा मंदिर आनेवाले श्रद्धालुओं को होगी सुविधा

संवाददाता। रामगढ़

- यात्री वाहनों को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मां छिन्नमस्तिका सिद्ध पीठ रजरप्पा मंदिर चितरपुर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं के मद्देनजर सोमवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रामगढ़ आलोक कुमार दुबे द्वारा व्यवहार न्यायालय परिसर से दो यात्री वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. वर्तमान में रजरप्पा मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को सड़क मार्ग से मंदिर तक पहुंचने के लिए रामगढ़ शहर अंतर्गत ट्रैक्टर स्टैंड से रजरप्पा मंदिर तक नियमित वाहनों का संचालन किया जाता है. वहीं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रामगढ़ द्वारा सांकेतिक रूप से दो यात्री वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किए जाने के उपरांत एक वाहन का संचालन रामगढ़ शहर अंतर्गत बस स्टैंड रामगढ़ से रजरप्पा मंदिर तक एवं एक वाहन का संचालन बरकाकाना रेलवे स्टेशन रामगढ़ से रजरप्पा मंदिर तक निर्धारित दर पर प्रातः 5:00 से शाम 6:00 के बीच किया जाएगा. मौके पर प्रधान कुटुंब न्यायाधीश लोलार्क दुबे, उप विकास आयुक्त रॉबिन टोप्पो, एडीजे टू कुसुम कुमारी, सीजेएम मनोज कुमार, एसीजेएम संदीप कुमार, डालसा सेक्रेटरी अनिल कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी मनीषा वत्स सहित अन्य उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य आज से शुरू होगा

केरेडारी। लोकसभा चुनाव के दौरान संज्ञान में आई त्रुटियों के निराकरण और आगामी विधानसभा चुनाव में स्वच्छ मतदाता सूची के साथ शत प्रतिशत मतदान कराने के लिए एक जुलाई को अर्हता तिथि मानते हुए द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य 25 जून से किया जाना है. इस कार्य को पारदर्शिता, स्वच्छता के साथ बीएलओ और पर्यवेक्षक के सहयोग से किया जायेगा. इसके लिए सोमवार को प्रखंड सभागार में बीएलओ और पर्यवेक्षक के साथ बैठक कर सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी राम रतन कुमार वर्णवाल के द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई. बैठक में सभी बीएलओ और पर्यवेक्षक उपस्थित थे.

नशे को लेकर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

रामगढ़। जिले में नशीले पदार्थों के उपयोग और उसके रोकथाम के लिए राधा गोविंद विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के बीच निबंध एवं विच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग झारखंड सरकार द्वारा निर्देशित 19 जून से 25 जून तक मादक पदार्थों को रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाना है. इसके तहत राधा गोविंद विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. क्विज प्रतियोगिता में पांच टीम ए (दामोदर), टीम बी (भैरवी), टीम सी (नालकारी) टीम डी (स्वर्णरेखा) एवं टीम ई (शंख) बनाए गए थे.

टीओपी के पास चोरों ने तोड़ दिया चार दुकानें

रामगढ़। रामगढ़ शहर के सुभाष चौक के समीप टीओपी के सामने ही चोरों ने चार दुकानों का ताला तोड़ दिया. पुलिस मूकदर्शक बनी रही और लाखों रुपए की संपत्ति चोर उड़ा कर ले गए. साथ ही लोहार टोला में एक दुकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया. रविवार की रात्रि में चोरों ने लोहार टोला के बालाजी हनुमान मंदिर के बगल में विश्वकर्मा फैशन हब का ताला तोड़ कर कांउटर से 4 हजार नकद सहित हजारों रुपए के सामानों की चोरी कर ली. दुकान के संचालक आदर्श विश्वकर्मा ने बताया कि रोजाना की तरह दुकान बंद की थी. सुबह दुकान का ताला टूटा पाया गया. दुकान में सामान बिखरा पड़ा था और चोर ताला तोड़ने का औजार छोड़ कर भागे है.

दुकानदारों ने पुलिस से कहा-शहर में महिला चोर सक्रिय

जेवर दुकान में चोरी करती तीन महिलाएं पकड़ीं गईं

थाना में आवेदन देते स्वर्णकार समाज के लोग.

संवाददाता। हजारीबाग

- तीन दिन पहले भी दो महिला नकली चेन दिखाकर असली चेन ले गई थी

शहर के लोहसिगना थाना क्षेत्र के सेठ मोहल्ला स्थित भागमणि ज्वेलर्स में सोमवार को जेवर चोरी करती तीन महिलाओं को आसपास के दुकानदारों ने पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया. पकड़ी गई महिला की पहचान मुमताज बेगम, सजना बीवी और मरियम रूप में हुई है. तीनों महिलाएं कोलकाता काली जोर थाना की रहने वाली हैं. इस संबंध में जेवर दुकान के संचालक ओमप्रकाश ने बताया कि तीन महिलाएं दुकान पर आईं और अंगूठी, हाथ का कड़ा दिखाने के लिए बोलीं, जो उन्हें दिखाया गया. इसी दौरान एक महिला ने हाथ का कड़ा चुरा कर रख लिया. इसके बाद तीनों से पूछताछ की गई, लेकिन महिलाओं ने उल्टा छेड़छाड़ का आरोप लगाकर फंसाने की बात कहने लगी. इसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई. पुलिस तीनों महिलाओं को अपने साथ ले गई. उन्होंने यह भी कहा कि इन दिनों शहर में महिला चोर गिरोह सक्रिय है. यह पहली घटना नहीं है, बल्कि तीन दिन पहले भी कुछ ऐसा ही हुआ था. दो महिला आई थी और नकली चेन दिखाकर असली चेन ले गई थी. वहीं कई दुकानदारों ने यह भी बताया कि हजारीबाग शहर में ओडिशा और बंगाल से दर्जनों महिलाएं हजारीबाग में रहती हैं और सेठ साहूकार एवं व्यापारियों को ब्लैकमेल करती हैं. उन्होंने यह भी कहा अब ये महिलाएं इतनी सक्रिय हो गई हैं कि वे भू माफियाओं को भी साथ देती हैं. अगर कोई भूमाफिया जमीन हड़प्पा है तो वह इन्ही महिलाओं का इस्तेमाल करते हैं. उन्हें किराए पर लाते हैं और फिर जमीन मालिक के साथ मारपीट एवं फंसा देने की बात कर जमीन हड़प लेते हैं. इसके लिए महिलाएं मोटी रकम लेती हैं. दुकानदारों का यह भी कहना था कि यह लड़ाई हमारी नहीं, बल्कि पूरे स्वर्णकार समाज की है. इस लड़ाई में हम स्वर्णकार समाज के सभी लोग मिलकर लड़ेंगे. वहीं इस संबंध में स्वर्णकार समाज ने थाने में आवेदन देकर ऐसी महिलाओं को चिन्हित कर कड़ी से कड़ी सजा देने की बात कही है.

वन विभाग की जमीन पर श्रीराम पावर प्लांट का कब्जा

संवाददाता। रामगढ़

जिले में सरकारी जमीन पर कब्जा करने की बात कोई नई नहीं है. यहां आए दिन जमीन पर कब्जा का खेल चलता रहता है. जमीन चाहे गैर मजरूआ हो या वन विभाग की, मिलीभगत कर प्लांट विस्तारीकरण के नाम पर इसे अपने कब्जे में ले लिया जाता है. ताजा मामला श्री राम पावर प्लांट का है, जिसने लगभग पचास डिसमिल वन विभाग की जमीन पर अपने प्लांट के विस्तारीकरण के नाम पर कब्जा कर रखा है. इसको लेकर वन विभाग कोर्ट में मामला चल रहा है. जानकारी के अनुसार श्रीराम पावर प्लांट ने वन विभाग की 50 डिसमिल जमीन पर कब्जा किया है. ऐसा मामला सिर्फ एक नहीं, बल्कि जिले के कई प्लांट सरकारी जमीन पर विस्तारीकरण के नाम पर कब्जा किए हुए हैं. श्री राम पावर प्लांट ने पचास डिसमिल जमीन पर कब्जा कर उसमें बाउंड्री वॉल खड़ा कर दी है और यह मामला वन विभाग कोर्ट में चल रहा है.

क्या कहते हैं डीएफओ : इस संबंध में रामगढ़ डीएफओ नीतीश कुमार कहते हैं कि श्री राम पावर प्लांट द्वारा वन विभाग की जमीन पर बाउंड्री वॉल खड़ा करने के संबंध में भारतीय वन अधिनियम के तहत केस चल रहा है. एंकोचमेंट हटाने की पहल की जा रही है. उन्हें दो से तीन महीने का समय दिया गया था. अगर इसके बाद भी जमीन से कब्जा नहीं हटाया जाता है, तो बलपूर्वक कब्जा हटाया जाएगा.

मनीष जायसवाल ने लोकसभा सदस्य के रूप में ली शपथ

संवाददाता। हजारीबाग

18वीं लोकसभा में सांसदों की शपथ लोकसभा के प्रथम सत्र के शुरुआती दिन सोमवार को हुई, जिसमें सबसे पहले पीएम मोदी और फिर उनके मंत्रिमंडल में शामिल लोकसभा सदस्यों ने शपथ ली. इसके बाद अलग-अलग राज्यों के सांसदों ने शपथ ली. शपथ ग्रहण के दौरान झारखंड राज्य के हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल अपने सादगी और साफगोईपूर्ण अंदाज में नज़र आए. हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से पहली बार भाजपा के टिकट से चुनाव जीतकर निर्वाचित हुए सांसद मनीष जायसवाल ने अपने शपथ की शुरुआत में "मनीष ब्रजकिशोर जायसवाल" ईश्वर की शपथ लेता हूं..." से की. उन्होंने अपने नाम के साथ अपने आदर्श पिता ब्रजकिशोर जायसवाल का नाम लेकर उनका सम्मान बढ़ाया. शपथ लेने के बाद सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि हजारीबाग की जनता ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करूंगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में "विकसित और सशक्त हजारीबाग" के विजन को साकार बनाने के लिए कटिबद्ध रहूंगा.

शिविर 24 जून से 3 जुलाई तक राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान कोडरमा में आयोजित हो रहा

संत कोलंबस कॉलेज के कैडेटों रिपब्लिक डे कैंप में चयन

संवाददाता। हजारीबाग

संत कोलंबस कॉलेज के 13 एनसीसी कैडेटों का गणतंत्र दिवस परेड शिविर के पहले चरण हेतु चयन हुआ है. इस शिविर में हजारीबाग ग्रुप कुल 400 कैडेट्स ने भाग ले रहे हैं, जिनमें अच्छे कैडेटों का चयन आगे के चरणों के लिए होगा. बताते चलें कि हर वर्ष एनसीसी 1948 से रिपब्लिक डे कैंप परेड में हिस्सा लेता रहा है, जिसकी तैयारी हर डायरेक्टरेट छह माह पूर्व ही शुरू करता है. कैडेट्स इस दौरान ड्रिल, कल्चरल की तैयारी करके दिल्ली परेड में हिस्सा लेते हैं. कैडेट्स इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग

रिपब्लिक डे कैंप के लिए चयनित कैडेटस.

लेंगे. मसलन कर्तव्य पथ, पीएम रैली, बेस्ट कैडेट, कल्चरल इत्यादि. यह शिविर 24 जून से 3 जुलाई तक राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान कोडरमा में आयोजित किया जा रहा है. इस कैंप के लिए सीनियर अंडर ऑफिसर कुशल कुमार और कॉरपोरल दीपा कुमारी का चयन गार्ड ऑफ ऑनर, कैडेट बहलेन नाग, रूपाली शाहिस्ता, शिम्पी, प्रतिभा का चयन कर्तव्यपथ परेड के लिए, दुर्गा, साजन कुमार का चयन पीएम रैली, एवं सोनी कुमारी का चयन बेस्ट कैडेट तथा साक्षी एवं परी गुप्ता का कल्चरल के लिए हुआ है. इस अवसर पर कंपनी कमांडर ले. डॉ. एसके पांडे ने कैडेट्स का उत्साह बढ़ाया. कहा कि यह हमारे लिए बहुत ही गर्व की बात है. शिविर के दौरान हमारे कैडेट्स ग्रुप की टीम में चयन के लिए जा रहे हैं. उन्होंने कैडेटों को आगामी कैंप के लिए शुभकामनाएं दी. साथ ही स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी. इस दौरान सभी कैडेट्स जोश में दिखाई दे रहे थे. कैडेटों ने बताया कि इस प्रतिष्ठित कैंप के लिए कैडेटों ने जी तोड़ मेहनत की है, जिनका फल उन्हें मिला है. कैडेट्स अपने महाविद्यालय का नाम रोशन करने के लिए रवाना हुए.

ग्राम स्वराज यात्रा होनहे व सिकनी पंचायत पहुंची

पंचायती राज सशक्त बने इसके लिए लोगों का होना जागरूक : शांतनु

संवाददाता। रामगढ़

शांतनु मिश्रा ने चलाया जनसंपर्क अभियान.

राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की ग्राम स्वराज यात्रा शांतनु मिश्रा के नेतृत्व में छठे दिन कुल्ही पंचायत भवन दुलमी प्रखंड से शुरू हुई. होनहे पंचायत के खतरीमारा, बोंगा सौरी गढ़ा पार, होनहे, वीर होनहे सिकनी पंचायत के होहद एवं सीकनी गांव में जनसंपर्क किया गया. राजीव गांधी पंचायती राज के प्रदेश उपाध्यक्ष ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि पंचायती राज को सशक्त बनाने और सत्ता के विकेंद्रीकरण के उद्देश्य से यह यात्रा 21 दिन के लिए रामगढ़ विधानसभा में निकाली गई यह यात्रा गांव गांव जाकर लोगों को पंचायती राज के अधिकार और लाभ के बारे में बता रही है, सजग कर रही है. यह यात्रा 19 तारीख से सुभाष चौक रामगढ़ से शुरू होकर दोहा कातू पंचायत होते हुए रात्रि विश्राम सोस पंचायत भवन पर किया और यात्रा सुबह से रामगढ़ विधानसभा की दुलमी पंचायत से दौरे पर निकल गई. यात्रा में मुख्य रूप से रामगढ़ नगर अध्यक्ष बलराम साहू, प्रकाश करमाली आरिफ, पूर्व युवा प्रदेश महासचिव धीरेंद्र सिंह, जय कुमार अग्रवाल, मो आरिफ, मो युसूफ, सिंघोली नायक, विवेक नायक, सराफत असलम गफ्फार, अरविंद पटेल, मो जियाउल असरफ अली, अजय करमाली, लिलेश्वर महतो, सपूत महतो, प्रेम प्रकाश गुप्ता, बिनोद महतो, सुनील महतो, विवेक प्रजापति, यूसुफ, अलीम, मुजाहिद, रामगढ़ ग्रामीण दिगंबर गुप्ता, डुलमी प्रखंड अध्यक्ष प्रकाश करमाली, संदीप सिंह, मदन नायक, कपूर करमाली, निर्मल बेदिया, राम प्रसाद, नीतीश, गुलाम अली सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे.

बैंक ऑफ इंडिया बीसी संघ चौपारण इकाई का पुनर्गठन

चौपारण। प्रखंड के स्थानीय शिव मंदिर के प्रांगण में रविवार को बैंक ऑफ इंडिया बीसी संघ चौपारण इकाई की बैठक आयोजित हुई. इसकी अध्यक्षता जगन्नाथ राम ने की. बैठक में कई बिंदुओं पर चर्चा की गई और सर्वसम्मति से बैंक ऑफ इंडिया बीसी संघ प्रखंड चौपारण इकाई का पुनर्गठन किया गया. इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष जगन्नाथ राम, उपाध्यक्ष चंदन कुमार यादव, सचिव राधेश्याम दांगी, उपसचिव गुड़िया कुशवाहा, कोषाध्यक्ष सुधीर कुमार, उपकोषाध्यक्ष मुकेश कुमार नायक, संरक्षक नागेंद्र कुमार, सह संरक्षक मिथिलेश कुमार, अन्य सदस्य में मिथिलेश कुमार, राजमोहन सिंह, ब्रजेश कुमार, सोनी कुमारी, विष्णु महतो, शंभू प्रसाद स्वर्णकार, प्रखर मयूर, अजीत कुमार, संजीत कुमार दांगी, आशीष कुमार सिन्हा, विनोद साव, अरिनंदम कुमार सिंह, दीपक कुमार भुइयां चुने गए. वहीं बीएलबीसी में बीसी संघ के दो सदस्यों को सम्मिलित करने का प्रस्ताव लाया गया.

सेवा सहयोग समिति निस्वार्थ भाव से लगातार सेवा कर रही : हर्ष अजमेरा

निःशुल्क स्वा. शिविर का लोगों ने उठाया लाभ

संवाददाता। हजारीबाग

शिविर में उपस्थित लोग.

- समिति की ओर से डेढ़ सौ से भी अधिक चापाकल लगाये गये
- कई मरीजों को निशुल्क दवाइयां दी गईं

सामाजिक सेवा में एक अलग पहचान स्थापित करने को लेकर सेवा सहयोग समिति जनता की हर समस्या का तत्काल हल करने का प्रयास कर रही है. समिति की ओर से डेढ़ सौ से भी अधिक चापाकल मरम्मत एवं नए चापाकल को लगाये गये हैं. इतना ही नहीं, समिति द्वारा बेटियों के विवाह में शादी का जोड़ा भी उपहार स्वरूप भेंट किया जा रहा है. इसी क्रम में सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमदाग प्रखंड के पंचायत भवन कुसुभा में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन मुखिया कल्लू राम, वार्ड सदस्य धुपलाल यादव, वार्ड सदस्य संतोष यादव, वार्ड सदस्य सीमा कुमारी, वार्ड सदस्य जितनी देवी, वार्ड सदस्य मोहन तूरी, इंदु कुमारी, साबिया देवी, सुनिल कुमार यादव, गीता बाडो, सलोनी इक्का, अनिल कुमार भोक्ता, विकास कुशवाहा, विकास यादव, सुनील कुमार पांडेय, सुनीता कुमारी, कंचन देवी ने किया. शिविर सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर करीब दो बजे तक निरंतर रूप से चलता रहा. इसका महिलाओं एवं बुजुर्गों ने लाभ उठाया.

शिविर में जिले के सुप्रसिद्ध जनरल फिजिशियन द्वारा लोगों की जांच की गई. वही नेत्र रोग के रूप में सुप्रसिद्ध विशेषज्ञ ने बेहतर सलाह के साथ मरीजों की जांच की. कई मरीजों को निशुल्क दवाइयां दी गईं. साथ में बीपी, शुगर, पल्स एवं वजन की जांच की गई. मौसम को देखते हुए कार्यक्रम स्थल पर बेहतर सुविधा उपलब्ध थी. बता दें कि सेवा सहयोग समिति द्वारा अब तक आठ पंचायतों में शिविर का आयोजन किया जा चुका है. मौके पर हर्ष अजमेरा ने कहा कि सेवा सहयोग समिति द्वारा निस्वार्थ भाव से लगातार सेवा की जा रही है. 30 तारीख तक कटकमदाग प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में शिविर आयोजित किये जाएंगे. इसके उपरांत दारू प्रखंड, कटकमसांडी प्रखंड, सदर प्रखंड में निशुल्क जांच शिविर का आयोजन होगा.

उपलब्धि चयनित प्रतिभागी देवघर में खेल सकेंगे स्टेट चैंपियनशिप

शूटिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ 29 को, समापन 30 को

संवाददाता। हजारीबाग

प्रेस वार्ता में जानकारी देते अधिकारीगण.

डिस्टिक राइफल एसोसिएशन का गठन और झारखंड शूटिंग एसोसिएशन की ओर से मान्यता के बाद यह बड़ी उपलब्धि है कि हजारीबाग डिस्ट्रिक राइफल एसोसिएशन 29 और 30 जून को हजारीबाग प्रमंडल मुख्यालय में डिस्ट्रिक टूर्नामेंट कराने जा रही है, जिसका समापन 1 जुलाई को पारितोषिक वितरण के साथ होगा. सारे कार्यक्रम एसोसिएशन के फायरिंग रेंज, कर्जन ग्राउंड स्टेडियम में संपत्र होंगे. जानकारी देते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश रंजन ने बताया कि टूर्नामेंट का शुभारंभ 29 जून की दोपहर डीजीपी अजय कुमार सिंह के कर कमलों से होगा. वे भाग ले रहे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ायेंगे. उन्होंने कहा कि खेल को बढ़ावा देने की ओर राज्य सरकार का विशेष ध्यान है. नौकरियों में शूटरों को प्राथमिकता दी जा रही है. डिस्ट्रिक लेबल पर अच्छे खिलाड़ी प्रदर्शन के आधार पर आयेंगे तो वे स्टेट लेबल पर होने वाली प्रतियोगिता में खेलने के लिये अधिकृत होंगे. 1 जुलाई को समापन समारोह में पारितोषिक वितरण मुख्य अतिथि सिमरिया के विधायक किशुन दास और विशिष्ट अतिथि ब्रिगेडियर राजेश करैल हजारीबाग एनसीसी ग्रुप तथा समाजसेवी मुन्ना सिंह के हाथों संपन्न होगा.

हजारीबाग डिस्ट्रिक राइफल एसोसिएशन की पहल

हजारीबाग डिस्ट्रिक राइफल एसोसिएशन का अपना 15 मीटर फायरिंग रेंज सदस्यों के सहयोग से निर्मित है, जहां बच्चों को पिछले कई महीनों से प्रशिक्षण, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों द्वारा दिया जा रहा है. राइफल एसोसिएशन के अधीन जिले में दो राइफल क्लब हजारीबाग राइफल क्लब और आकाश शूटिंग क्लब संचालित है. हजारीबाग डिस्ट्रिक राइफल एसोसिएशन ने शिक्षा विभाग के आग्रह पर स्कूली बच्चों की टीम अपने रेंज में तैयार की थी, जिसमें कई लड़के लड़कियों ने राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में हजारीबाग का नाम रौशन किया. विभावि के अनुरोध पर विवि टीम के बच्चों को दो माह पहले प्रशिक्षित किया था. यह टीम विवि के राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर लौटी. एनसीसी में कई खिलाड़ी हमारे यहां प्रशिक्षण लेते हुए हमारे रेंज का नाम रौशन कर रहे हैं. शूटिंग के हमारे प्रशिक्षक राहुल रविदास, ऋद्धि गुप्ता और तनवीर गोल्ड और सिल्वर मेडल विभिन्न मुकाबलों में जीत चुके हैं और उनसे भी उम्मीद है कि ये नेशनल स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे.

कार को ट्रक ने मारी टक्कर, महिला की मौत

रामगढ़। जिले के कुजू ओपी क्षेत्र के फोरलेन सड़क पर दिगवार ओवरब्रिज के निकट कार ट्रक की टक्कर में एक महिला की मौके हो गई. घटना रविवार की देर रात की है, जहां अमृता ठाकुर पति सत्य प्रियदर्शी ठाकुर कार (बीआर 06 सीजे 7206) पर सवार होकर समस्तीपुर से रांची की ओर जा रहे थे. इस दौरान दिगवार ओवरब्रिज के निकट ट्रक (जेएच 02 टी 8597) से कार की जोरदार टक्कर हो गई. घटना में कार में सवार अमृता ठाकुर कार से निकलकर ट्रक के अगले पहिए के नीचे जा गिरी, जिससे ट्रक के पहिए के नीचे दबने से अमृत की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि कर पर सवार अन्य लोग बाल बाल बच गए. घटना की सूचना पाकर सोमवार को पहुंची ओपी पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया.

मादक द्रव्य के सेवन के विरुद्ध निकाली जागरूकता रैली

संवाददाता। रामगढ़

औषधि निरीक्षक रामगढ़ वीरेंद्र स्वांसी की अध्यक्षता में सोमवार को नारकोटिक्स साइकोट्रोपिक औषधियां एवं मादक द्रव्यों के विरुद्ध जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया. जागरूकता रैली गांधी मेमोरियल प्लस टू स्कूल रामगढ़ से प्रारंभ होते हुए शहर के बीचों बीच सुभाष चौक में जाकर समाप्त हुई. जागरूकता रैली के दौरान औषधि निरीक्षक रामगढ़ के द्वारा नारकोटिक्स साइकॉट्रॉपिक औषधियां एवं मादक द्रव्यों के सेवन एवं उनसे होने वाले हानिकारक नुकसान के बारे में जिलावासियों को स्लोगन के द्वारा जानकारी दी गई. साथ ही इस दौरान उक्त सभी मादक पदार्थों से समाज को बचाने हेतु उचित कदम उठाने की अपील की गई. जागरूकता अभियान रैली में मुख्य रूप से नीलेश गुप्ता, श्रावण कुमार, अभिषेक कुमार, चंदन कुमार, अनूप कुमार, संदीप सहित खुदरा एवं थोक औषधि विक्रेता बड़ी संख्या में हिस्सा लिया.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष पिता भाव में चंद्र है. पिता से विशेष लाभ होगा. कोई बड़ा कार्य संभव है. यह समय का लाभ देगा. समय अनुकूल रहेगा. जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें. व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा. आय में निश्चितता रहेगी. नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा.

वृषभ धर्म में मन लगेगा. भाग्य का साथ मिलेगा. कोई धार्मिक यात्रा के साथ धर्म में मन लगेगा. व्यापार लाभदायक रहेगा. पारिवारिक सहयोग मिलेगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. लेन-देन में सावधानी रखें.

मिथुन रोग में अचानक खर्च होगा. सत्संग का लाभ मिलेगा. आत्मशांति रहेगी. यात्रा संभव है. व्यापार ठीक चलेगा. नौकरी में चैन रहेगा. दूसरों की जवाबदारी न लें. थकान रह सकती है. शिव और गणेश जी का पूजन ध्यान करें.

कर्क व्यापार में लाभ होगा और जीवनसाथी के सहयोग से कोई शुभ कार्य होगा. किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यापार ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा.

सिंह समय सामान्य है. मौसमी रोग से बचे. शारीरिक कष्ट संभव है. जल्दबाजी से हानि होगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. समय अनुकूल नहीं है. धन का आगमन होगा पर खर्च भी होगा. माता दुर्गा का पूजन करें.

कन्या समस्या का हल सहज ही प्राप्त नहीं होगा. किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा. भाग्य अनुकूल है. व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. शत्रुओं का पराभव होगा. किसी व्यक्ति की बातों में न आएं.

तुला समय सामान्य है. मनमुटाव होगा. पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है. नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. आपके कार्य के प्रभाव से. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

वृश्चिक भाई के सहयोग से बिगड़ा हुआ कार्य बनेगा. समय अनुकूल है. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. नया कार्य को लेकर जल्दबाजी से बचें.

धनु आपके किये गए पुराने कार्य को लेकर सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. लेन-देन में सावधानी रखें. अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें. आपके कार्य और प्रभाव के वजह से कारोबार ठीक चलेगा. भाग्य अनुकूल है. समय का लाभ लें.

मकर किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी. आत्मसम्मान बना रहेगा. व्यापार लाभदायक रहेगा. घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. शनिदेव का पूजन ध्यान करें.

कुंभ समय बहुत ही अनुकूल है. विदेश से लाभ का योग है. बस आलस का त्याग करना चाहिए. धन प्राप्ति सुगम होगी. समय अनुकूल है. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. परिवार के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा.

मीन दिन मानसिक और शारीरिक सुख देने वाला होगा. आय के लिए दिन उत्तम है. कार्य में मन लगेगा. अच्छी खबर मिल सकती है. दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है. आय बनी रहेगी. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. गुरु ग्रह को बल दे.

आंगनबाड़ी मध्य केंद्र में सहायिका चयन के लिए आमसभा आयोजित

केतार। प्रखंड अंतर्गत केतार पंचायत के मध्य विद्यालय केतार में आंगनबाड़ी मध्य केंद्र में सहायिका चयन के लिए आमसभा का आयोजन किया गया. केतार पंचायत के वार्ड नंबर 10 में सहायिका का चयन भवनाथपुर बीडीओ सह केतार बाल विकास परियोजना पदाधिकारी नंदजी राम, केतार बीडीओ सावित्री कुमारी, थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी, पर्यवेक्षिका रिंकी देवी की उपस्थिति में हुआ. सहायिका पद के लिए सात अभ्यर्थियों का आवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें शैक्षणिक योग्यता के आधार पर सभी अभ्यर्थियों का अंक का निर्धारण किया गया. इसमें अंजू कुमारी को 22 अंक, सूर्यमाला देवी, चिंता देवी, ललिता देवी 14 अंक, शारदा देवी 12 अंक, संध्या देवी 10 अंक प्राप्त हुए. इस प्रकार सहायिका पद के लिए अंजू देवी पति दिलीप कुमार राम को चयनित किया गया.

पुलिस की छापेमारी में एक क्विंटल जावा महुआ जब्त, प्राथमिकी दर्ज

केतार। थाना क्षेत्र अंतर्गत अवैध महुआ शराब निर्माण व बिक्री के विरुद्ध केतार थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी ने दासीपुर गांव में छापेमारी अभियान चलाया. इस दौरान एक क्विंटल जावा महुआ और शराब बनाने की उपकरण को बरामद किया. मौके पर थाना प्रभारी ने बताया कि शराब बनाने वालों की अब खैर नहीं है. केतार पुलिस अवैध शराब बनाने वालों पर पैनी नजर रखेगी. थाना प्रभारी ने बताया कि केतार में अवैध धंधा करने वाले लोगों के विरुद्ध गश्ती दल थाना क्षेत्र अंतर्गत सभी स्थानों पर निरंतर पैनी नजर रखी है. साथ ही कहा कि क्षेत्र अंतर्गत जिन्हें भी समस्या हो वे स्वयं आकर मिलें, उनकी समस्या का समाधान निश्चित रूप से किया जाएगा.

पलामू प्रमंडल में दो वर्षों से मौसम की मार से आर्थिक समस्या से जूझ रहे हैं किसान

किसानों को 50 फीसदी अनुदान पर मिलेंगे उन्नत किस्म के बीज

संवाददाता। लातेहार

फसलों की अच्छी पैदावार के लिए सरकार द्वारा किसानों को उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज उपलब्ध कराये जाते हैं. अधिक से अधिक किसान इन बीजों को लगाकर उत्पादन और उत्पादकता बढ़ा सके इसके लिए सरकार किसानों को इन बीजों पर अनुदान भी देती है. पिछले दो वर्षों से मौसम की मार के कारण आर्थिक समस्या से जूझ रहे किसानों को इस वर्ष कृषि विभाग के द्वारा उन्नत नस्ल के बीज उपलब्ध कराए जाने की योजना लेकर आई है. विभाग के द्वारा किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर बीज उपलब्ध कराई जाएगी. इसके अलावा इस वर्ष जिले में बिरसा फसल विस्तार योजना की भी शुरुआत की जा रही है, जिसके तहत चयनित किसानों को शत-प्रतिशत अनुदान पर बीज उपलब्ध कराई जाएगी. लातेहार जिला कृषि पदाधिकारी अमृतेश कुमार सिंह ने बताया कि इसके लिए विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है.

लातेहार जिले में पिछले दो वर्षों से बरसात के मौसम में काफी कम बारिश होने के कारण अधिकांश किसान आर्थिक समस्या से जूझ रहे हैं. कम बारिश होने के कारण खरीफ फसल के उत्पादन पर काफी गहरा प्रभाव पड़ा था. इस कारण से किसानों को आर्थिक नुकसान भी हुआ. हालांकि संभावना जताई गई है कि इस वर्ष अच्छी बारिश होगी. लेकिन पिछले दो वर्षों से आर्थिक नुकसान की मार झेलने के कारण कई ऐसे किसान भी हैं, जो महंगे बीज लेने में खुद को असमर्थ पा रहे हैं. इस स्थिति में किसानों को सहायता पहुंचाने के लिए लातेहार कृषि विभाग में 50 प्रतिशत अनुदान पर उन्नत नस्ल के बीज किसानों को उपलब्ध कराने की योजना बनाई है. लातेहार जिला कृषि पदाधिकारी अमृतेश कुमार सिंह ने बताया कि विभाग के द्वारा किसानों के लिए धान, मक्का, अरहर, राई, ज्वार समेत अन्य फसलों के बीज उपलब्ध कराई जा रही है.

कृषि विभाग के बीज की गुणवत्ता उच्च क्वालिटी की होती है

जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि सामान्य तौर पर लातेहार कृषि विभाग के द्वारा जिले में स्थित विभिन्न लैंपस और पैक्स के माध्यम से लगभग 3600 क्विंटल धान के बीज, 200 क्विंटल मक्का,100 क्विंटल मूंगफली, 100 क्विंटल अरहर, 100 क्विंटल रागी, 50 क्विंटल ज्वार आदि बीज का वितरण 50 प्रतिशत अनुदान पर किया जा रहा है. इसके अलावा जिले में बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत नए विभाग में खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रत्यक्षण के तौर पर धान, मक्का समेत अन्य फसल के बीज शत-प्रतिशत अनुदान पर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं. जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा जो बीज किसानों के बीच वितरण किया जा रहा है, उसकी गुणवत्ता अत्यंत उच्च क्वालिटी की होती है. विभाग द्वारा किसानों को जो भी बीज उपलब्ध कराए जाते हैं, वह कई वैज्ञानिक प्रयोग से गुजर कर आते हैं, जिस कारण फसलों का उत्पादन बंपर होता है. उन्होंने बताया कि लातेहार कृषि विभाग के द्वारा किसानों को हर प्रकार से मदद देने के लिए तैयारी की गई है.

साइबर अपराध के खिलाफ कारगर है 'प्रतिबिंब' पोर्टल

962 अपराधी गिरफ्तार, 3157 सिम और 2135 मोबाइल बरामद

सौरभ सिंह। रांची

साइबर अपराधियों के खिलाफ 'प्रतिबिंब' पोर्टल कारगर हथियार साबित हो रहा है. पोर्टल की मदद से झारखंड में पिछले सात महीने के दौरान 962 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है. इसके अलावा 3157 सिम कार्ड और 2135 मोबाइल फोन बरामद किया गया है. परिणाम स्वरूप झारखंड के अलग-अलग जिलों से जो साइबर अपराध हो रहे थे, उसमें कमी आई है. प्रतिबिंब पोर्टल को केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आने वाले इंडियन साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर (आई4सी) ने तैयार किया है और इसकी मदद से किसी इलाके में सक्रिय साइबर अपराधियों की रियल टाइम जानकारी उस क्षेत्र के एसपी और एसएचओ को मिल जाती है.

हेल्पलाइन नंबर 1930 के माध्यम से 22924 शिकायतें हुई दर्ज : अपराधियों के खिलाफ हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करना कारगर है. झारखंड में साइबर हेल्पलाइन की शुरुआत मार्च 2022 में हुई थी. इस नंबर पर 22924 शिकायतें आयी हैं. इसके अलावा ओआईसीआर (ऑनलाइन जांच सहयोग अनुरोध पोर्टल) झारखंड पुलिस द्वारा झारखंड से जुड़े अन्य राज्यों की जांच में सहायता के लिए विकसित किया गया है. इस पोर्टल पर कुल शिकायतें- 1814 दर्ज हुईं हैं. साल 2024 में राज्य में साइबर अपराध पुलिस स्टेशन, सीआईडी में दर्ज विभिन्न मामलों में 29 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है.

झारखंड पुलिस ने साइबर ठगों से बचाये 13.04 करोड़

झारखंड पुलिस ने अब तक 13 .04 करोड़ रुपये साइबर अपराधियों के पास जाने से बचाये हैं, जिनमें से 11 .32 करोड़ वो रकम है . लेकिन ठगी के बाद इन पैसों को साइबर अपराधी किसी एटीएम या बैंक एकाउंट से नहीं निकाल सके, क्योंकि झारखंड पुलिस की ओर से इन बैंक खातों को फ्रीज करा दिया गया था . वहीं फ्रीज किये गये कुल 1.72 करोड़ रुपये शिकायतकर्ता के खाते में वापस किये जा चुके हैं .

झारखंड में नहीं थम रहा साइबर क्राइम, केस भी पेंडिंग

- साइबर क्राइम के दर्ज 3782 केस में से सिर्फ 211 का ही निष्पादन हुआ

रांची। झारखंड में साइबर ठगी की घटनाओं को लेकर साइबर थानों में मुकदमा दर्ज होने का सिलसिला जारी है. सभी जिलों में हर दिन लोग साइबर ठगी के शिकार हो रहे हैं और शिकायत दर्ज करा रहे हैं. इसके बावजूद अपराध थम नहीं रहा है. साइबर ठग हर दिन नये-नये तरीके से लोगों को ठगी का शिकार बनाया जा रहे हैं. झारखंड के अलग-अलग जिलों में साइबर अपराध को लेकर कुल 3782 मामले दर्ज हुए. हालांकि झारखंड पुलिस ने सिर्फ 211 मामलों का ही निष्पादन किया. अभी भी 3571 मामले पेंडिंग हैं.

जानें किस जिले में साइबर अपराध के कितने मामले हैं लंबित

रांची	:	1180	पाकुड	:	57
जमशेदपुर	:	321	कोडरमा	:	54
धनबाद	:	314	गोड्डा	:	47
देवघर	:	220	गुमला	:	38
हजारीबाग	:	207	सिमडेगा	:	30
जामताड़ा	:	179	लोहरदगा	:	29
सरायकेला	:	148	चाईबासा	:	25
बोकारो	:	113	रामगढ़	:	08
दुमका	:	105	रेल जमशेदपुर	:	05
लातेहार	:	101	खूंटी	:	03
चतरा	:	85	कुल	:	3571
पलामू	:	82			
साहीबगंज	:	78			
गिरिडीह	:	74			
गढ़वा	:	70			

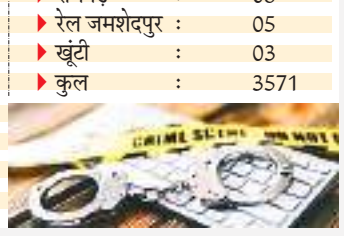

कल्पना दिखीं टीचर की भूमिका में, छात्राओं को दिये सक्सेस मंत्र

विशेष संवाददाता। रांची

गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन अपने दौरे के पांचवें दिन सर जेसी बोस सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स हाई स्कूल गिरिडीह पहुंची. वहां पर उन्होंने स्कूल का निरक्षरण किया. साथ ही उन्होंने वहां के छात्राओं से क्लास रूप में मिलीं. उनसे स्कूल के बारे में पुछा और जरूरी टिप्स दिए. कल्पना ने छात्राओं से पूछा कि स्कूल में नियमित क्लास होती है कि नहीं. शिक्षक आते हैं या नहीं. स्कूल में सारी सुविधाएं मिलती है या नहीं. उन्होंने बच्चियों से अंग्रेजी में बातचीत की. कहा कि यह जरूरी नहीं है शुरू-शुरू क्लास में अच्छा नहीं करते हैं, पीछे रहते हैं, वह जीवन में भी पीछे रह जाएं. हर बच्चे में अलग-अगल गुण होते हैं. जरूरी है, उसे पहचान कर अच्छा करने की. इसलिए आपलोग अपना शत-प्रतिशत दें, पूरी ईमानदारी के साथ. पढ़ाई के साथ-साथ खेल में हाथ अजमाएं, एक दिन सफलता आपके कदम चुमेगी. इस मौके पर गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू मौजूद थे.

पेज एक का शेष...

नरसिंह इस्पात कंपनी का सामाजिक अंकेक्षण व जनसुनवाई हो : जिप उपाध्यक्ष

उपायुक्त से मिलकर नरसिंह इस्पात कंपनी का सामाजिक अंकेक्षण और जनसुनवाई करने की मांग की जाएगी. उन्होंने कहा एनजीटी एक्ट के प्रावधान के अनुसार ऐसे कंपनियों को हर वर्ष जनसुनवाई करना पड़ता है. नरसिंह इस्पात कंपनी मामले में प्रदूषण विभाग और वन विभाग से भी बात की जाएगी.

विकास के नाम पर विनाश मंजूर नहीं : जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो ने कहा कि विकास के नाम पर विनाश कतई मंजूर नहीं है. उन्होंने कहा कि वे चाहती हैं कि क्षेत्र में औद्योगिक प्रतिष्ठान लगे, लेकिन इन औद्योगिक प्रतिष्ठानों से क्षेत्र को किसी प्रकार का नुकसान ना हो. क्षेत्र का वातावरण साफ रहे, इंसान समिति जीव-जंतुओं को इसका कोई प्रतिकूल असर न पड़े, खेतों की उर्वरा शक्ति कम ना हो और क्षेत्र में कृषि पैदावार पर किसी प्रकार का असर न पड़े. मधुश्री महतो ने कहा कि पिछले 20-25 वर्षों के अंदर क्षेत्र का इस प्रकार विकास हुआ कि क्षेत्र में कई तरह के पैदावार खत्म हो गए. औद्योगिक प्रतिष्ठानों से होने वाले प्रदूषण के कारण खेतों की उर्वरा शक्ति कम होती जा रही है. क्षेत्र में लाह का उत्पादन लगभग खत्म हो चुका है. उन्होंने कहा की विकास ऐसा हो जिसका लाभ समाज के हर वर्ग को मिले. क्षेत्र का ऐसा विकास ना हो जिसका खामियाजा आने वाली पीढ़ी को भुगतना पड़े. नरसिंह इस्पात कंपनी की बराबर शिकायतें मिलती रहती हैं. कंपनी परिसर में कई दुर्घटनाएं भी घट चुकी हैं, ऐसे में कंपनी के कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगना स्वाभाविक है.

- कंपनी को मिले अनापत्ति प्रमाण पत्रों और उनके कार्यों की जांच करने की मांग पर डीसी से मिलेगी मधुश्री महतो

सत्र का पहला दिन: पीएम सहित कई सांसदों ने ली शपथ

राहुल ने शपथ लेते मोदी को दिखाया संविधान : पीएम नरेंद्र मोदी, उनकी कैबिनेट के सदस्यों के साथ ही अन्य नवनिर्वाचित सदस्यों ने सदन के सदस्य के रूप में शपथ ली. प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने सदन की कार्यवाही शुरू कराई और सदस्यों को शपथ दिलाई. कार्यवाही शुरू होते ही सदन के नेता होने के नाते मोदी ने सबसे पहले शपथ ली. इस दौरान सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मोदी मोदी और जय श्री राम के नारे लगाए. पीएम के शपथ ग्रहण करते समय कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत विपक्षी सदस्य अपने स्थानों पर संविधान की प्रति लेकर खड़े थे. जब गृह मंत्री अमित शाह शपथ लेने आए, तब भी विपक्षी सदस्यों ने संविधान की प्रति अपने हाथ में ले रखी थी, हालांकि इस दौरान वे अपने स्थानों पर बैठे हुए थे. सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले महताब ने राष्ट्रपति भवन में सदन के सदस्य और कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में शपथ ली थी. उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शपथ दिलाई. पीएम मोदी के बाद भाजपा के वरिष्ठ सदस्य राधा मोहन सिंह और फग्गन सिंह कुलस्ते ने सदस्य के रूप में शपथ ली. दोनों सदस्य अगले दो दिन सदन की कार्यवाही के संचालन में कार्यवाहक अध्यक्ष महताब की सहायता करेंगे. कांग्रेस सदस्य के. सुरेश, द्रमुक के टीआर बालू और टीएमसी के सुदीप बंदोपाध्याय को भी सिंह और कुलस्ते के साथ पीठासीन सभापतियों के पैनल में चुना गया है, लेकिन उन्होंने शपथ नहीं ली. कांग्रेस ने प्रोटेम स्पीकर के रूप में महताब के निर्वाचन पर आपत्ति जताई है. शपथ ग्रहण के क्रम में कैबिनेट मंत्रियों राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, एच डी कुमारस्वामी, पीयूष गोयल, धर्मेंद्र प्रधान, जीतन राम माझी और राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह समेत अन्य ने सदन की सदस्यता ग्रहण की. कुमारस्वामी एनडीए के सहयोगी जद सेक्यूलर के सदस्य हैं, वहीं माझी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा तथा ललन सिंह जदयू के सदस्य हैं.

प्रधान के शपथ लेते समय नीट को लेकर नारेबाजी : नीट परीक्षा में कथित धांधली के मुद्दे की गूंज सोमवार को लोकसभा में भी सुनाई दी, जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के सदन की सदस्यता की शपथ ग्रहण करते समय विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी की. जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सदस्य के तौर पर शपथ लेने के लिए अपने स्थान से उठे, तो विपक्षी दलों के कुछ सदस्य नीट-नीट और शेम-शेम के नारे लगाने लगे. नीट-यूजी 2024 में कथित अनियमितता और कथित रूप से प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में विपक्ष सरकार को घेर रहा है. संसद के मौजूदा सत्र में विपक्षी सदस्य जोरदार तरीके से इस मुद्दे को उठा सकते हैं.

संविधान, नीट और भ्रष्टाचार... वे शब्द जो बार-बार गूंजने वाले हैं : तो इस तरह, जब ये संसद सत्र शुरू हो चुका है तो इस सत्र में कुछ खास शब्द जो बार-बार सुनाई देते रहेंगे और पक्ष-विपक्ष को प्रभावित करेंगे, उनकी भी एक खास लिस्ट है. इस लिस्ट में पांच प्रमुख शब्द हैं. पहला तो संविधान, दूसरा नीट, तीसरा आम आदमी, चौथा भ्रष्टाचार और पांचवां आपातकाल. संसद सत्र इन शब्दों से भरा-पूरा रहेगा. धर्मेंद्र प्रधान के शपथ के समय तो विपक्ष नीट, नीट का नारा लगाता दिख ही गया. यह मुद्दा इस बार संसद में गूंजता नजर आएगा. दरअसल, राहुल गांधी ने एक वीडियो संदेश में छात्रों से वादा किया है कि वह व्यक्तिगत रूप से इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे और सरकार से जवाबदेही मांगेंगे. नीट को स्थगित करने और नीट पीजी को रद्द करने के खिलाफ सभी राज्यों में छात्र विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. डार्क वेब पर पेपर लीक की खबर ने छात्रों के गुस्से को और बढ़ा दिया है. उधर, विपक्ष के लिए यह अपने मतदाताओं को दिखाने का समय है कि वे भाजपा से पूरी ताकत से लड़ने वाले हैं.

खनन विभाग के अधिकारी व प्रशासनिक पदाधिकारी बने हुए हैं अनजान

बेखौफ चल रहा अवैध बालू का कारोबार

संवाददाता। रमना

अवैध बालू ले जाता ट्रैक्टर.

प्रखंड में अवैध बालू का परिवहन और विक्रय का खेल खुलेआम हो रहा है. शासन-प्रशासन मौन बन कर बैठा हुआ है. अवैध बालू परिवहन और ऊंचे मूल्य पर क्षेत्र में हो रहे विक्रय का पता क्या प्रशासनिक पदाधिकारियों को नहीं है. प्रशासनिक व्यवस्था के नाक के नीचे यह अवैध कारोबार लंबे समय से फल फूल रहा है. फिर भी खनन विभाग के अधिकारी व प्रशासनिक पदाधिकारी अनजान बने हुए हैं. अवैध बालू कारोबारी चतुराई से रात के अंधेरे में बालू का अवैध खनन और परिवहन करते हैं, जो भोर 4-5 बजे तक चलता है. ग्रामीणों में यह सरेआम चर्चा है कि बालू का अवैध कारोबार प्रशासनिक मिलीभगत से हो रहा है. प्रतिदिन अवैध बालू लदे दर्जनों ट्रैक्टर एक साथ निकलती है. प्रतिबंधित घाटों से बालू भरकर वापस लौटती हैं. अवैध बालू ले जाने वाले ट्रैक्टर ट्रालियों की तस्वीर और वीडियो भी लगातार सामने आते रहे हैं, परंतु खनन विभाग के अधिकारियों व पुलिस प्रशासन कार्रवाई करने से कतराते हैं. अवैध बालू कारोबारी एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) के निर्देशों का भी खुलेआम धज्जिया उड़ा रहे हैं. पड़ोसी प्रखंडों की नदियों और वन क्षेत्र के जल स्रोतों से बालू का अवैध उठाव बेखौफ हो रहा है. गत दिन रमना थाना द्वारा अवैध बालू लदा एक ट्रैक्टर को जब्त किया था और इस पर कार्रवाई के लिए डीएमओ को पत्र लिखा गया था, इसके बावजूद अगले ही दिन कई अवैध गाड़ियां लगातार क्षेत्र में बालू लेकर आयी, इससे यह साफ पता चलता है, कि अवैध बालू कारोबारियों को प्रशासन व्यवस्था की क्या डर है ? इस कारोबार से सरकार को राजस्व का लाखों करोड़ों का नुकसान हो रहा है, वही अवैध कारोबारी मालामाल हो रहे है, अवैध कारोबार से एक ओर सरकार को राजस्व का लाखों करोड़ों नुकसान हो रहा है, वही बालू कारोबारी मालामाल हो रहे हैं. इस संबंध में सीओ सह बीडीओ वासुदेव राय ने बताया कि अवैध बालू कारोबार के बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है, इस संबंध में सूचना मिलने पर अवश्य कार्रवाई की जाएगी.

विस चुनाव से पूर्व कैप सर्वे की हो रही तैयारी

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने निर्वाचन सदन में कैप सर्वे टीम के सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि मतदाताओं की निर्वाचन सहभागिता की वास्तविक स्थिति की जानकारी एकत्रित करने के लिए राज्य में कैप सर्वे कराया जा रहा है. सर्वे टीम के सदस्य, सर्वेक्षण के दौरान मतदाताओं से सूचनाएं एकत्रित करते समय सभी प्रश्नों को उचित फॉर्मेट में इंट्री सुनिश्चित करेंगे. उन्होंने निर्देश दिया कि कैप सर्वे की टीम ससमय अपने प्रतिवेदन उपलब्ध कराए ताकि मतदाताओं के बीच समय रहते आवश्यक जागरूकता फैलाई जा सके. निर्वाचन सदन में आयोजित 2 दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम में सर्वे टीम के सदस्यों को इससे संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत रूप से प्रशिक्षण भी दिया गया. प्रशिक्षण के उपरांत सर्वे कर्मी 27 जून से फील्ड वर्क करेंगे. सर्वे टीम सिस्टम रैंडम मैथड के जरिये मतदाताओं की निर्वाचन सहभागिता प्रवृत्तियों आदि से संबंधित सूचनाएं एकत्रित करेंगे.

मौसम की मार नेतरहाट को छोटानागपुर की रानी कहा जाता है, पहले यहां सालोंभर मौसम सर्द रहा करता था

नेतरहाट में भी बढ़ी गर्मी, एक दिन से अधिक नहीं टिक पा रहे सैलानी

मयंक विश्वकर्मा। बरवाडीह

नेतरहाट में पर्यटक.

नेतरहाट को छोटानागपुर की रानी कहा जाता है. यहां की आबोहवा सालों भर खुशगवार रहती है. कहते हैं कि जब अंग्रेज यहां पहली बार आये थे तो उस समय गर्मी का मौसम था. लेकिन नेतरहाट में उस मौसम में भी अंग्रेजों को यहां ठंड का एहसास हो रहा था.

यही कारण है कि अंग्रेजों ने नेतरहाट में ग्रीष्मकालीन कैंप कार्यालय खोला था. लेकिन आज यहां परिस्थतियां कुछ बदली बदली नजर आ रही हैं. खास विगत कई वर्षों से नेतरहाट में भी गर्मियों के मौसम में पारा चढ़ रहा है. लोगों को गर्मियों में अब वह ठंडक नहीं मिल पा रही है तो आज से एक दशक पहले सैलानियों को मिलती थी.

एसी कमरों की तलाश करते हैं पर्यटक

नेतरहाट की नैसर्गिक खूबसूरती बरबस सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करती है. इसी प्राकृतिक सौंदर्य के कारण ही इसे छोटानागपुर की रानी कहा जाता है. पर्वत की श्रृखंलाओं के बीच उदय व अस्त होता सूरज लोगों को अपना मुरीद बनाते हैं. इसी कारण यहां सालों भर सैलानी आते हैं. गर्मियों के मौसम में भी यहां सैलानियों का तांता लगा रहता है. लेकिन विगत कई सालों से पड़ रही गर्मी ने नेतरहाट प्रतिकूल असर डाला है. यहां लोग पंखा, कुलर, एसी को छोड़कर खुली वादियों का आनंद लेने आते हैं. लेकिन नेतरहाट में पड़ रही गर्मियों के कारण लोग एसी वाला होटल और रूम खोज रहे हैं. नेतरहाट दुर्गा मंदिर से स्थित होटल ग्रीन प्लेस के संचालक गुप्ता ने बताया की अब जितने पर्यटक आ रहे हैं सभी एसी वाले रूम की ही मांग कर रहे हैं. ऐसे में सभी को एसी रूम का मुहैया कराना मुमकिन नहीं है. अधिक गर्मी होने के कारण पर्यटक एक दिन से अधिक यहां स्टे नहीं कर रहे हैं.

मैंग्लोनिया प्वाइंट में ज्यादा भीड़

गर्मी के बावजूद नेतरहाट के मैंग्लोनिया प्वांइट में सैलानियों की भीड़ लग रही है. इनमें अधिकांश सैलानी बंगाल के होते हैं. पूछे जाने पर कई बंगाली सैलानियों ने बताया कि वे पहले भी नेतरहाट आ चुके हैं. यहां की आबोहवा उन्हें बहुत अच्छी लगती है. लेकिन इस साल गर्मी बहुत अधिक है. इस कारण दो दिन में ही यहां से चले जायेंगे. पहले चार दिनों तक रहने का प्रोग्राम था. इसी प्रकार रांची के एक सैलानी ने बताया कि वे अपने दोस्तों के साथ बाइक से यहां आये हैं. सनसेट देखने के बाद वापस चले जायेंगे.

पर्यावरणीय चेतावनी

जलवायु संकट एक यथार्थ बन गया है. यदि दुनिया और मावनीय सभ्यता को बचाना है तो सरकारों को कुछ ठोस और कठोर निर्णय लेना होगा. दरअसल अब तक तक तमाम जलवायु सम्मेलनों को शासकों ने बहुत हल्के में लिया है. विकास की अंध दौड़ ने सबसे से ज्यादा नुकसान प्रकृति और उसकी संरचना का किया है. हिमालय में कम बर्फ होने की सूचना एक गंभीर चेतावनी है. भारत सरकार को इस चेतावनी को ध्यान में रखते हुए ठोस कार्ययोजना बनाने की दिशा में पहल करने की जरूरत है. भारत के अनेक पर्यावरणविद दशकों से चेतावनी दे रहे हैं कि यदि हिमालय की रक्षा नहीं की गयी तो उसके भयावह दूरगामी परिणाम पूरे क्षेत्र को उठाना होगा.हिमालय पर इस बार सामान्य से बहुत कम बर्फ गिरी है. वैज्ञानिकों के मुताबिक इसके गंभीर परिणाम होंगे. हिमालय पर पिघलने वाली बर्फ इस क्षेत्र की 12 प्रमुख नदी प्रणालियों में करीब एक चौथाई पानी का स्रोत है. भारत का बहुत बड़ा हिस्सा जिस समय असाधारण गर्मी और पानी के अभाव का शिकार है, वैज्ञानिकों के एक दल ने जल संकट के गहराते आसन्न संकट के बारे में पूरे दक्षिण एशिया को आगाह किया है.

> वैज्ञानिकों के मुताबिक हिमालय पर इस साल ऐतिहासिक रूप से कम बर्फ गिरी. इसी हफ्ते जारी अपनी रिपोर्ट में वैज्ञानिकों ने इसके संभावित परिणामों की विस्तार से चर्चा की है. तेजी से पिघलती हुई बर्फ इस क्षेत्र की 12 प्रमुख नदी प्रणालियों में करीब एक चौथाई पानी का स्रोत है.

कहा जा सकता है कि इस चेतावनी को सिर्फ अपनी मुसीबत की कीमत पर ही नजरअंदाज किया जा सकता है. जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम का पैटर्न बदल चुका है. इसका प्रभाव जीवन के विभिन्न पहलुओं पर दिख रहा है. इसी क्रम में जल संकट भीषण रूप ले रहा है. वैज्ञानिकों के मुताबिक हिमालय पर इस साल ऐतिहासिक रूप से कम बर्फ गिरी. इसी हफ्ते जारी अपनी रिपोर्ट में वैज्ञानिकों ने इसके संभावित परिणामों की विस्तार से चर्चा की है. तेजी से पिघलती हुई बर्फ इस क्षेत्र की 12 प्रमुख नदी प्रणालियों में करीब एक चौथाई पानी का स्रोत है. नेपाल स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) के वैज्ञानिकों के मुताबिक हिमालय की बर्फ इस इलाके में करीब 24 करोड़ लोगों के लिए पानी का अपरिहार्य स्रोत है. उनके अलावा नीचे की घाटियों में रहने वाले अतिरिक्त 1 अरब 65 करोड़ लोगों के लिए भी यह एक आवश्यक जल स्रोत है. वैज्ञानिकों के मुताबिक वैसे तो बर्फ का स्तर हर साल कम- ज्यादा होता रहता है, लेकिन अब जलवायु परिवर्तन की वजह से बारिश अनियमित हो गई है और मौसम का स्वरूप बदल रहा है. रिपोर्ट में स्नो पर्सिस्टेंस यानी बर्फ के जमीन पर रहने के समय को भी मापा गया. पाया गया कि इस साल हिंदु कुश और हिमालय में इसका स्तर सामान्य से लगभग पांचवें हिस्से तक गिर गया. भारत की नदी प्रणालियों में सबसे कम स्नो पर्सिस्टेंस मिला, जो औसत से 17 प्रतिशत नीचे था. यानी स्थिति विकट हो रही है. गौरतलब है कि आईसीआईएमओडी में नेपाल के अलावा भारत, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, म्यांमार और पाकिस्तान के विशेषज्ञ भी शामिल हैं. इसलिए इस रिपोर्ट को अत्यंत गंभीरता से लेने की जरूरत है. चुनौती यह है कि आसन्न संकट को ध्यान में रखते हुए समस्या से निपटने और लोगों की न्यूनतम जल आवश्यकता की पूर्ति के लिए प्रभावी योजना बनाने की है.

सुभाषित

उदये सविता रक्तो रक्तशचास्तमये तथा ।
सम्पत्तौ च विपत्तौ च महतामेकरूपता ॥

जिस प्रकार से सूर्य सुबह उगते तथा शाम को अस्त होते समय दोनों ही समय में लाल रंग का होता है (अर्थात् दोनों ही संधिकालों में एक समान रहता है). उसी प्रकार महान लोग अपने अच्छे और बुरे दोनों ही समय में एक जैसे एक समान (धीर बने) रहते हैं.

नालंदा : ज्ञान परंपरा की निरंतरता

नालंदा पर सोचता हूं तो मेरी भावनाएं उमड़ती हैं. उन्नीस की उम्र में भाग कर नालंदा पहुंचा था भिक्षु जगदीश काश्यप जी से मिलने. उनका शिष्यत्व प्राप्त हुआ. वह आधुनिक भारत के तीन (राहुल सांकृत्यायन, आनंद कौशल्यायन और जगदीश काश्यप) बौद्ध विद्वानों में एक थे. जितना सीख सकता था सीखा. उन्होंने प्राचीन नालंदा महाविहार के पुनर्स्थापन का संकल्प लिया था. आज़ादी मिलते ही वह इस उजाड़ जगह पर आ गए, जहां पीने के लिए पानी मिलना भी मुश्किल था.

• देश-काल

प्रेमकुमार मणि

जिस दिन नालंदा अंतरराष्ट्रीय यूनिवर्सिटी के नये परिसर का प्रधानमंत्री ने उद्घाटन किया, उसी दिन आयोजित यूजीसी की नेट परीक्षा के रद्द होने की खबर सुर्खियां बनीं. कदाचार की जांच सीबीआई करेगी. यह हमारे मौजूदा शिक्षा व्यवस्था के हाल की बानगी है. प्राचीन नालंदा के भग्नावेश को निहार रहे प्रधानमंत्री की एक तस्वीर अख़बारों में है. ऐसा प्रतीत होता है प्रधानमंत्री भावनाओं में डूबे हैं और कुछ संकल्प कर रहे हैं. सुना है ऐसा ही संकल्प देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भी किया था, जब वह 1955 में इसे देख रहे थे. उनके मन में उसी स्तर का एक विश्वविद्यालय बनाने की बात आई थी. उनके इस सपने को उनकी बेटी इंदिरा ने पूरा किया. उनके ही नाम पर दिल्ली में एक यूनिवर्सिटी बना कर. यह जेएनयू है. लेकिन जेएनयू और इस नवीन नालंदा यूनिवर्सिटी में बड़ा अंतर है. जेएनयू का संकल्प भारतीय संसद में 1969 में पारित हुआ. दस वर्ष के भीतर यह विश्वविद्यालय दुनिया भर में चर्चित हो गया, लेकिन कोई पंद्रह साल गुजर जाने के बाद आज इस नालंदा के नवीन केंद्र का क्या हाल है, छुपा नहीं है. दुनिया की तो बात ही छोड़ दीजिए, बिहार के विश्वविद्यालयों में भी यह फिसड्डी (बिहार के चौबीस विश्विद्यालयों में अठारहवें नंबर पर) है. विश्वविद्यालय का महत्त्व उसके भवन और परिसर से नहीं, उसकी गुणवत्ता और ज्ञान से होता है. जब तक भारत ज्ञान का केंद्र रहा यह दुनिया के एक बड़े हिस्से का गुरु रहा. तब का ज्ञात संसार छोटा था. लेकिन जितना ज्ञात था, उसमें भारत का सम्मान था. अनेक देशों के लोग यहां ज्ञान हासिल करने आते थे. ह्वेनत्सांग और धर्मकीर्ति बाहर से आए थे, लेकिन उनका व्यक्तित्व नालंदा ने निर्मित किया. मैं हमेशा कहता रहा हूं, उच्चतम ज्ञान हमें स्थानीय नहीं, वैश्विक बनाता है. ऐसा वैश्विक जिसका केंद्र हमेशा व्यक्ति का अपना स्थान होता है. रवीन्द्रनाथ टैगोर, गांधी, नेहरू, आम्बेडकर ऐसे ही लोग थे, जिन्होंने अंध-राष्ट्रवाद को कभी नहीं स्वीकार किया. वे मिजाज से वैश्विक थे. किन्तु उनके विश्व का केंद्र भारत था. नालंदा पर सोचता हूं तो मेरी भावनाएं उमड़ती हैं. उन्नीस की उम्र में भाग कर नालंदा पहुंचा था भिक्षु जगदीश काश्यप जी से मिलने. उनका शिष्यत्व प्राप्त हुआ. वह आधुनिक भारत के तीन (राहुल सांकृत्यायन, आनंद कौशल्यायन और जगदीश काश्यप) बौद्ध विद्वानों में एक थे. जितना सीख सकता था सीखा. उन्होंने प्राचीन नालंदा महाविहार के पुनर्स्थापन का संकल्प लिया था. आज़ादी मिलते ही वह इस उजाड़ जगह पर आ गए, जहां पीने के लिए पानी मिलना भी मुश्किल था. एक जमींदार, जो मुसलमान थे, की परती जमीन थी, जिसपर उनका ध्यान जमा. उन्होंने जमींदार महोदय से अनुरोध किया- आपके पूर्वजों ने इस ज्ञान केंद्र को जला दिया, आप उसे पुनर्स्थापित करने केलिए अपनी जमीन दान देकर प्रायश्चित कर सकते हैं. जमींदार ने ग्यारह एकड़ जमीन दे दी. काश्यप जी ने अपने मित्र सर्वपल्ली राधाकृष्णन के सामने सारी बातें रखीं. तब बिहार में जगदीशचंद्र माथुर जैसे विद्वान भारतीय प्रशासनिक सेवा में थे. तेजी से काम बढ़ा और 1951 में नवनालंदा महाविहार की नींव तत्कालीन राष्ट्रपति द्वारा रखी गई. आज यह संस्थान एक डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा प्राप्त कर चुका है. नालंदा हमारी आधुनिक ज्ञान चेतना का प्रतीक बन सकता था. इसका प्रकाशमान इतिहास है. पुराने ज़माने के जाने कितने विद्वानों का नाम इस से जुड़ा है. जवाहरलाल नेहरू ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'ग्लिम्प्सेस ऑफ़ वर्ल्ड हिस्ट्री' का आरम्भ ही नालंदा की चर्चा से किया है. यह 1930 की बात है. नेहरू तब कांग्रेस अध्यक्ष थे और नैनी के जेल में बैठे अपनी बिटिया के जन्मदिन पर पत्र लिख रहे थे. चिट्ठियों का यह सिलसिला ही पूरी किताब है. नीतीश जी जब 2005 में मुख्यमंत्री बने तब एक मित्र के तौर पर मैंने बिहार को ज्ञान की ऊंचाइयों पर ले जाने का सुझाव दिया. लगभग रोज ही बातें होती थीं. मेरा मानना था कि पहले से ही स्थापित संस्थाओं का अपेक्षित विकास हो और तब नयी संस्थाओं का निर्माण हो. नालंदा के मामले में मेरा मानना था कि नवनालंदा महाविहार का ही विस्तार कर अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जाय. लेकिन मैंने अनुभव किया नीतीश जी को नयी संस्थाएं बनाने में रुचि अधिक है. वह उस क्षेत्र में एक नये विश्वविद्यालय को विकसित करना चाह रहे थे. उन दिनों मुचकुन्द दुबे बिहार में कॉमन स्कूल सिस्टम की रिपोर्ट तैयार करने में लगे थे. पूर्व नौकरशाह और उन दिनों राज्य सभा सदस्य एनके सिंह, तत्कालीन शिक्षा आयुक्त मदनमोहन झा आदि नीतीश जी के इस विचार को पंख देने केलिए दिल्ली से संपर्क साधे हुए थे. उन्हीं दिनों हमारे मित्र शैबाल गुप्ता ने अमर्त्य सेन को आमंत्रित किया और नीतीश जी से उनका संपर्क हुआ. फिर बात तेजी से बढ़ती चली गई. 2007 में बिहार विधान मंडल से इस विषयक प्रस्ताव पारित हुआ और 2010 में भारतीय संसद ने भी इसे पारित कर दिया. तत्कालीन सरकार ने इसके स्वरूप को इतना अंतरराष्ट्रीय कर दिया कि यह विदेश मंत्रालय के अधीन आ गया. चैतन्य महाप्रभु के बारे में एक कथा है कि एक बार जब वह नौका पर सवार हो नदी पार कर रहे थे और अपने मित्र को न्यायशास्त्र पर रचित पुस्तक का पाठ सुना रहे थे तब एक तीसरा यात्री रोने लगा. चैतन्य ने कारण पूछा तो उसने बताया कि मैंने भी इस विषय पर एक किताब लिखी है,किन्तु अब आपकी किताब जब आ जाएगी मेरी किताब को कौन पूछेगा. मेरा परिश्रम बेकार गया, इसीलिए रो रहा हूं. चैतन्य ने उस महानुभाव से चुप रहने का अनुरोध करते हुए एक झटके में अपनी किताब नदी में फेंक दी. कहा, बंधुवर अब मुझे जो कहना होगा आपकी किताब की मीमांसा के रूप में कहूंगा. ताकि आप का परिश्रम और इस विषय पर किये गए काम को विस्मृत न किया जा सके. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

धर्म विहीन या धर्म निरपेक्ष

जो लोग अक्सर धर्म को फसाद की जड़ बताते हैं, क्या वे स्पष्ट कर सकते हैं क्या कि धर्म है किस चिड़िया का नाम है? इस प्रश्न में निहित धर्म से आशय उपासना पद्धति से है या गुण धर्म से? सृष्टि का कोई भी तत्व धर्म रहित नहीं हो सकता है. जैसे अग्नि का धर्म स्वयं जलना और जलाना है, जल का धर्म शीतलता और नमी है, सूर्य का धर्म प्रकाश आदि है. इस हिसाब से तो धर्म नहीं होता तो लड़ाई-झगड़े की बात तो दूर रही सृष्टि ही नहीं होती. अगर ब्राह्मांड के सारे तत्व अपना अपना धर्म छोड़ दें तो? इसलिए जिसका जो धर्म है अगर उसी पर अटल रहे तो सारी माथापच्ची ही ख़त्म हो जाये. मुझे लगता है कि धर्मविहीन या धर्मनिरपेक्ष तो कोई हो ही नहीं सकता. जो लोग धर्मविहीन या धर्मनिरपेक्ष हैं, उनकी जीवन शैली को यदि ध्यान से देखा जाय तो वे भी किसी न किसी धर्म का अनुसरण करते ही हैं. मनुष्य दो प्रकार के धर्मों के बंधन में बंधा है एक है मानवीय धर्म और दूसरा अमानवीय धर्म. इसे आप आसुरी धर्म भी कह सकते हैं. जो सहज धर्म के विपरीत आचरण करते हैं, वे आसुरी धर्म का आचरण करते हैं. जहां तक लड़ने का प्रश्न है तो यह एक वृत्ति है, जिसे लड़ना है वह अपने पक्ष में कई तर्क निर्मित कर लेगा. निर्माण की सहज-सुलभ सामग्री लोक-प्रचलित धर्मों में मिल जाती है. यह उसी प्रकार है जैसे कि न्यूक्लियर एनर्जी का प्रयोग कोई बम विस्फोट के रूप में करता है तो कोई ऊर्जा उत्पादन के लिए. यह उस पर निर्भर करता है जो इस्तेमाल कर रहा है. विचारणीय है कि धर्म-युद्धों में होने वाली निरपराध हत्याओं को किस श्रेणी में रखा जाय? यह किंचित उलझा हुआ प्रश्न है .उत्तर इतना सरल नहीं है, पर इतना अवश्य है कि युद्धों में निरीह पशु-पक्षियों की हत्याएं धर्मयुद्धों के साइड इफेक्ट्स में से एक है. अर्जुन ने युद्ध के पहले ही इन साइड इफेक्ट्स के बारे में स्पष्ट चर्चा की थी. कुछ धर्मों को छोड कर कोई भी धर्म आपस में लडना नही सिखाता, हमारे धर्म में भी निर्दयता बिलकुल नहीं है, लेकिन कभी कभार बलि के बारे मे पढते हैं तो यह भी लगता है हमारे पोंगा पंडितों ने ही एक रिवाज बनाया है, हमें गुमराह किया है, उस बात को गलत समझाया है. जो धर्म के नाम पर लड़ते लड़ाते हैं, वे अपना स्वार्थ ही सिद्ध करते हैं.

आखिर क्यों बदली रूस-चीन ने तालिबान नीति ?

• देशांतर

पुष्परंजन

वर्ष 2022 में अफ़ग़ान अमीरात सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने जब पहली बार सेंट पीटर्सबर्ग अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच का दौरा किया, तो यह चर्चा का विषय था कि पुतिन क्या फिर से ग्रेट गेम खेलना चाहते हैं? हालांकि, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आदतन कोई बात सीधे तौर पर स्वीकार नहीं करते, लेकिन उन्होंने कहा कि इस्लामिक अमीरात के साथ संबंध बनाने के लिए यह क़दम ज़रूरी था. मार्च, 2022 में, रूस-अफ़ग़ानिस्तान ने आधिकारिक राजनयिक संबंध स्थापित किए. कजाकिस्तान 2023 में तालिबान को आतंकवादी संगठनों की सूची से हटाने वाला पहला देश था. विशेषज्ञों का मानना है कि मास्को के इशारे पर ऐसा कुछ हुआ था. रूस के खेल से पश्चिमी देश अबूझ हों, यह ग़लतफहमी कोई नहीं पालता. इसकी काट के वास्ते संयुक्त अरब अमीरात को हर समय आगे रखा जाता है. मई, 2023 में अफगानिस्तान पर पहली दोहा बैठक हुई थी, जिसकी अध्यक्षता संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने की. लेकिन 18-19 फरवरी, 2024 को दूसरी दोहा बैठक में इस्लामिक अमीरात शर्तें पूरी न होने के कारण शामिल नहीं हुआ, जिसके लिए बैठक हो और वही अनुपस्थित रहे, तो दोहा-टू का मज़ाक बनना स्वाभाविक था. अब, तीसरी बैठक 30 जून और 1 जुलाई, 2024 को निर्धारित है. पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र राजनीतिक मामलों के अवर महासचिव रोजमेरी डिकार्लो, कतर के उपविदेश मंत्री, इस्लामिक सहयोग संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल और यूरोपीय संघ के विशेष प्रतिनिधि थॉमस निकलसन ने काबुल का दौरा किया था. इससे पहले सुरक्षा परिषद के अनुरोध पर 25 अप्रैल, 2024 को, संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने स्वतंत्र मूल्यांकन करने के लिए तुर्की के राजनयिक फरीदुन सिनिरिलियोग्लू को विशेष समन्वयक नियुक्त किया था. लेकिन फरीदुन सिनिरिलियोग्लू ने जो मसौदे दोहा-3 बैठक के लिए तैयार किये, उसमें काफ़ी रद्दोबदल किये जा चुके हैं. यह सब होने के बाद ही अमीरात के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने तीसरी दोहा बैठक में अंतरिम सरकार के प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी की घोषणा की है. दोहा-3 बैठक में अमीरात के विदेश मंत्री वित्तीय, बैंकिंग, ड्रग नियंत्रण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर विमर्श के लिए सहमत हैं. अब सवाल यह है कि क्या पश्चिमी देश मान लेंगे कि अफ़ग़ान औरतों को शिक्षा-रोज़गार से दूर रखने का जो जघन्य कर्म अमीरात ने किया, मानवाधिकारों का दमन किया, वो सही है?

> अब, तीसरी बैठक 30 जून और 1 जुलाई, 2024 को निर्धारित है. पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र राजनीतिक मामलों के अवर महासचिव रोजमेरी डिकार्लो, कतर के उपविदेश मंत्री, इस्लामिक सहयोग संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल और यूरोपीय संघ के विशेष प्रतिनिधि थॉमस निकलसन ने काबुल का दौरा किया था.

रूस ने भी अमीरात पर औरतों के हक़ को लेकर शायद ही कभी दबाव बनाया हो. इस्लामिक अमीरात अक्सर रूसी सुरक्षा सम्मेलनों में साझेदार बना है. 8 फरवरी, 2023 को भारत, ईरान, किर्गिस्तान, चीन, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों (एनएसए) ने अफगानिस्तान पर पांचवें बहुपक्षीय सुरक्षा वार्ता के लिए मास्को में मुलाकात की. इसके प्रकारांतर सितंबर, 2023 में चीन, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के विशेष प्रतिनिधियों को जुटाकर 'अफ़ग़ानिस्तान पर मास्को प्रारूप परामर्श' की पांचवीं बैठक आयोजित की गई थी. बैठक में अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेशमंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने भी भाग लिया था. इतना ही नहीं, रूस-चीन की पहल पर शंघाई कोऑपरेशन आर्गेनाइजेशन संपर्क समूह में भी अफ़ग़ानिस्तान को लाने के प्रयास किये गये. बर्लिन स्थित काउंटर एक्सट्रीमिज्म प्रोजेक्ट (सीईपी) के मध्य-पूर्व विशेषज्ञ, हैंस जैकब शिंडलर का मानना है कि रूस का विदेश मंत्रालय तालिबान को आतंकवादी समूह की सूची से हटाने के बदले में काफी-कुछ उम्मीद कर सकता है. लेकिन ऐसा कहना आसान है, करना मुश्किल. शिंडलर ने कहा, 'तालिबान हमेशा रियायतें स्वीकार करने के लिए इच्छुक होते हैं, लेकिन जब उन्हें बदले में देने की बात आती है, तो उनके लिए चीजें जटिल हो जाती हैं.' अफगानिस्तान एनालिस्ट नेटवर्क के सह-संस्थापक थॉमस रुटिग ने भी क्रेमलिन के हालिया प्रयासों को मल्टी टास्क रणनीति के रूप में व्याख्यायित किया, जो इस्लामिक अमीरात को आधिकारिक मान्यता देने की दिशा में बढ़ रही है.खनिजों से समृद्ध अफगानिस्तान सबके लिए प्रासंगिक है, जिसका दोहन तभी किया जा सकता है, जब इस देश में शांति लाई जाए, और अधोसंरचना, फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क से लैस किया जाए. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन ही एकमात्र समाधान

• प्रदूषण

अनुमिता

शहरों में आने-जाने की व्यवस्था (मोबिलिटी) एक बड़ी समस्या बन गई है. सड़कों पर कारों और दुपहिया वाहनों की भरमार के कारण सार्वजनिक परिवहन, पैदल चलने और साइकिल चलाने की जगह लगातार कम हो रही है. इससे प्रदूषण बढ़ रहा है और शहरों का वातावरण खराब हो रहा है. ऊपर से सड़कें और बुनियादी ढांचा सिर्फ गाड़ियों के हिसाब से बनने से यह समस्या और गंभीर हो रही है. इससे शहरों का विकास रुक रहा है और सारा पैसा गाड़ियों के लिए बुनियादी ढांचा बनाने में खर्च हो रहा है. नई सरकार को शहरी विकास की योजना बनाते समय इस समस्या का समाधान सबसे पहले करना चाहिए. भले ही परिवहन और आवागमन से जुड़ी नीतियों में काफी बदलाव हुए हैं और इन्हें टिकाऊ बनाने के सिद्धांतों को शामिल किया गया है. बसों, मेट्रो और पैदल चलने वालों के लिए बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने पर निवेश भी किया जा रहा है, लेकिन अभी भी इन योजनाओं को पूरी रफ्तार से लागू करने की जरूरत है. साथ ही, नीति बनाने और उन्हें लागू करने के बीच एक बड़ा फासला है. इन सभी समस्याओं को दूर करने के लिए सबसे पहले नई सरकार को आने-जाने की समस्या के विभिन्न पहलुओं को पहचानना होगा. गाड़ियों से होने वाला प्रदूषण, परिवहन के कारण होने वाला प्रदूषण, जिसमें कार्बन और दूसरे हानिकारक उत्सर्जन शामिल हैं, को कम करना बहुत मुश्किल है. सड़क पर चलने वाली गाड़ियों की वजह से होने वाले प्रदूषण को कम करना सबसे बड़ी चुनौती है. यह प्रदूषण देश की ऊर्जा और कार्बन बजट को बिगाड़ने का खतरा पैदा करता है. अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का कहना है कि साल 2010 से 2040 के बीच परिवहन, खासकर सड़क परिवहन, में ऊर्जा की खपत कई गुना बढ़ने वाली है. अगर गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए तो शहर स्वच्छ हवा के अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाएंगे. भारत के शहरों में प्रदूषण फैलाने वाले मुख्य कारणों में से गाड़ियां तीसरे नंबर पर आती हैं. गाड़ियों से निकलने वाला प्रदूषण दिल की बीमारियों, कैंसर और बच्चों के कम वजन पैदा होने जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ाता है. गाड़ियों की भरमार यानी सड़कें जामसाल 2000 से गाड़ियों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है. हर पांच-छह साल में गाड़ियों के नए रजिस्ट्रेशन दोगुने हो जाते हैं. कुल रजिस्टर्ड गाड़ियों में से निजी गाड़ियों की हिस्सेदारी औसतन 85-90 प्रतिशत है. भले ही यात्रा करने वालों की संख्या बहुत बढ़ गई है, लेकिन उनकी जरूरतों को पूरा करने में सार्वजनिक परिवहन का योगदान कम होता जा रहा है. अलग-अलग शहरों में सफर के लिए लोग 35 से 45 प्रतिशत तक निजी गाड़ियों पर निर्भर करते हैं, जबकि सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल सिर्फ 25 प्रतिशत लोग करते हैं. बीच का रास्ता, जैसे कि रिक्शा या ऑटो रिक्शा, बाकी बचे 10 प्रतिशत लोगों की यात्रा का जरिया बनते हैं. दरअसल, छोटे शहरों में जहां सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था ठीक से नहीं है या बिल्कुल नहीं है, वहां लोग ज्यादा निजी गाड़ियों का इस्तेमाल करते हैं. गाड़ियों की वजह से सड़कों पर इतनी ज्यादा भीड़ हो जाती है कि चलना भी मुश्किल हो जाता है. सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) द्वारा किए गए दिल्ली के विश्लेषण में पाया गया कि सुबह के समय ट्रैफिक जाम के कारण गाड़ियों की रफ्तार 32 प्रतिशत तक कम हो जाती है और शाम के समय यह आंकड़ा 37 प्रतिशत तक पहुंच जाता है. अनुमानों के अनुसार, 2050 तक प्रति व्यक्ति यात्रा करने की दूरी (यानी एक व्यक्ति को 1 किलोमीटर दूर ले जाने पर) तीन गुना बढ़ने की संभावना है. शहर के आकार और आमदनी के साथ-साथ औसतन यात्रा करने की दूरी और उसकी दर भी बढ़ने वाली है. दरअसल, 2040 तक सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल से ज्यादा लोग निजी गाड़ियों का इस्तेमाल करने लगेंगे. इलेक्ट्रिक बसें पर्यावरण के लिए अच्छी हैं, लेकिन चुनौतियां भी हैं. भारत इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की महत्वाकांक्षा रखता है, खासकर इलेक्ट्रिक बसों के मामले में. लेकिन अगर शहरों में इलेक्ट्रिक बसों को आसानी से नहीं चलाया जा सकता है, तो इस क्षेत्र में किया गया निवेश बेकार हो जाएगा. बसों की खरीद के लिए मांग को एक साथ जोड़ने की रणनीति के कारण आज इलेक्ट्रिक बसें काफी सस्ती हो गई हैं. सब्सिडी के बिना भी, इलेक्ट्रिक बसों को चलाने का खर्च प्रति किलोमीटर के हिसाब से 23 से 27 प्रतिशत तक कम हो गया है. सब्सिडी के साथ, डीजल या सीएनजी से चलने वाली बसों की तुलना में इन बसों को चलाने का खर्च 31 से 35 प्रतिशत कम हो जाता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> गाड़ियों से होने वाला प्रदूषण, परिवहन के कारण होने वाला प्रदूषण, जिसमें कार्बन और दूसरे हानिकारक उत्सर्जन शामिल हैं, को कम करना बहुत मुश्किल है. सड़क पर चलने वाली गाड़ियों की वजह से होने वाले प्रदूषण को कम करना सबसे बड़ी चुनौती है. यह प्रदूषण देश की ऊर्जा और कार्बन बजट को बिगाड़ने का खतरा पैदा करता है.

मीडिया में अन्यत्र

रूस और उत्तर कोरिया की चाहत क्या है

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के बीच हुए सुरक्षा समझौते में शीत युद्ध के युग की गूंज निहित है. इस समझौते में दोनों देशों ने "हमले की स्थिति में" एक-दूसरे की सहायता करने का वादा किया है. पूर्व सहयोगी रूस और उत्तर कोरिया को अलग-अलग वजहों से कड़े प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है. और, दोनों देशों के पश्चिमी देशों के साथ मतभेद हैं. अब, ये दोनों देश अपने गठबंधन को पुनर्जीवित करने के लिए प्रतिबद्ध दिख रहे हैं, ताकि वे पश्चिमी देशों की अगुवाई वाली वैश्विक व्यवस्था के सामने एक साथ खड़े हो सकें. पुतिन की प्योंगयांग यात्रा, जो 24 सालों में उनकी पहली यात्रा थी, अपने आप में एक नई शुरुआत थी. रूसी नेता ने अतीत में उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाने के बहुपक्षीय प्रयासों का समर्थन किया है. ऐसा मालूम होता है कि यूक्रेन युद्ध ने क्रेमलिन के भूराजनैतिक अंकगणित को बदल दिया है और प्योंगयांग को खुद को एक सहयोगी के रूप में उपयोगी बनाने का एक मौका प्रदान किया है. जब यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच गया और रूस पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के अधीन आ गया, तो पुतिन ने गोला-बारूद एवं बैलिस्टिक मिसाइलों के लिए किम की ओर रुख किया. सितंबर 2023 में किम की रूस यात्रा के बाद, उत्तर कोरिया ने कथित तौर पर रूस को गोला-बारूद की आपूर्ति की. मॉस्को ने भोजन एवं ईंधन की आपूर्ति बढ़ा दी और ऐसी अटकलें थीं कि वह महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के साथ उत्तर कोरिया के रक्षा क्षेत्र की मदद कर सकता है. भले ही दोनों देशों ने हथियारों के व्यापार की रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, लेकिन यह सुरक्षा समझौता स्पष्ट रूप से द्विपक्षीय रिश्तों को वास्तविक गठबंधन के स्तर तक ऊपर उठाता है. यूक्रेन युद्ध के बाद से, पुतिन ने उन देशों के साथ रूस के सहयोग का लगातार विस्तार किया है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ मतभेद रखते हैं. उन्होंने कथित तौर पर ईरान से कामिकेज ड्रोन खरीदे. चीन भी एक प्रमुख आर्थिक, तकनीकी और ऊर्जा भागीदार के रूप में उभरा है. और उत्तर कोरिया, जो एक अलग-थलग एवं एक परिवार द्वारा शासित अधिनायकवादी देश है और तकनीकी रूप से अभी भी दक्षिण कोरिया के साथ युद्धरत है, को हमले की स्थिति में मदद करने का वादा करके रूस ने पूर्वोत्तर एशिया में एक बड़ी भूमिका निभाने के प्रति अपनी तत्परता का संकेत दिया है. मूल रूप से एक ठंडे योद्धा माने जाने वाले, पुतिन वैश्विक व्यवस्था से जुड़े मंथन में तेजी लाने के लिए पश्चिम देशों के मुखालिफ 'अन्य देशों' की धुरी बनाना चाहते हैं. चीन सतर्क बना हुआ है लेकिन पश्चिमी व्यवस्था को चुनौती देने वाले अपने निकटतम साझेदारों के विचार से उसे कोई दिक्कत नहीं है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

गुल/गुर

गीतकार नीरज ने फिल्म शर्मीली के लिए सारगर्भित गीत लिखा- खिलते हैं गुल यहां खिलकर बिखरने को. यह गीत तब-तब मन मस्तिष्क में गूंज उठता है, जब अपनी छत पर जा कर देखता हूं गमले में लगे गुलाब के पौधे को. उसमें फूल खिलते हैं और तीसरे दिन उसकी सारी पंखुड़ियां झड़ जाती हैं, बिखर जाती हैं. इस गीत में जीवन का दर्शन है. गीत की इस पंक्ति में कर्ता की भूमिका गुल शब्द है. कर्ता का मतलब करनेवाला, जिसके अधीन क्रिया होती है. गुल खिलते हैं, इस वाक्य में गुल कर्ता है, जिसके अधीन क्रिया यानी खिलना है. विभिन्न शब्दकोशों के अनुसार गुल संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. यह अरबी भाषा में भी है और फारसी में भी. अरबी भाषा के गुल शब्द का अर्थ है शोर, हल्ला. वहीं फारसी भाषा के गुल का मतलब है पुष्प, फूल, गुलाब. नीरज जी के गीत का गुल फारसी वाला गुल ही है. फारसी का गुल अनेकार्थी है. इसका मतलब गोल निशान, जलने या दागने का निशान, वह गड्ढा जो हंसने के समय गालों पर बनता है, दीपक की लौ का जला हुआ अंश. तंबाकू या गांजा पीने के लिए कपड़े के टुकड़े को जलाया जाता ह, उसे भी गुल ही कहते हैं. झारखंड और इसकी राजधानी रांची के लोग गुल को विशेष रूप में भी जानते हैं. यानी तंबाकू से बना पाउडर, जिसका उपयोग दांत साफ करने या नशे के रूप में किया जाता है. गुल शब्द से कई मुहावरे बने हैं. जैसे गुल खिलाना. मतलब आशा के विपरीत गलत कार्य करना, बखेड़ा खड़ा करना. गुल कर देना मतलब बुझा देना. बिजली गुल हो जाती है, बत्तियां गुल हो जाती हैं. गुल से अनगिनत शब्द बने हैं. जैसे गुलछर्रा, मतलब स्वछंदतापूर्वक की जानेवाली मौज-मस्ती, रमण, चैन, ऐश, मौज, अनुचित भोग विलास. दूसरा शब्द गुर हिंदी का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है किसी काम को करने की युक्ति, तरकीब, उपाय, मूलमंत्र.

दो बच्चों का कानून और रामभरोसे का दुख

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

रामभरोसे दुखी था. उसके एक हाथ में राशन कार्ड था. दूसरे हाथ से अपने बारह बच्चों को पकड़े हुए था. दो-तीन चारपाइयों पर पूरा परिवार बैठा हुआ विचारमग्न था. एक ही प्रश्न मन में कौंध रहा था -अब क्या होगा? बच्चे कैसे पलेंगे? अब तक तो उसे पूरी आशा थी कि शहर–मोहल्ले–पड़ोस के बाकी लोग जो कमा रहे हैं, उसमें से कुछ पैसा सरकार के पास जाता है और वह उसे वापिस मिल जाता है तथा घर का खर्च आसानी से चल जाएगा. जब मैं रामभरोसे के पास पहुंचा, तब उसने एक प्रकार से चीखते हुए कहा "इतनी जल्दी क्या थी?" मैंने शांत भाव से पूछा "फिर कब करते?"

वह बोला "जहां सत्तर साल इंतजार किया, वहां सत्तर साल और इंतजार कर लेते? जनसंख्या नियंत्रण का विषय कोई भागा थोड़े ही जा रहा था?" फिर दार्शनिक अंदाज में कहने लगा-"कम से कम जनता को सचेत तो करना चाहिए था! लोगों को समझा-बुझाकर और जनसंख्या नियंत्रण के फायदे बताकर प्रचार-प्रसार करना चाहिए था. हमारी तो पूरी प्लानिंग ध्वस्त हो गई. बारह बच्चे हैं. सोचा था, सबकी शादी सरकार करा देगी. सबको मकान सरकार दिला देगी. नौकरी तो सरकार से प्राप्त करना हमारा जन्मसिद्ध अधिकार होता ही है. राशन से गेहूं चावल चीनी मिलती रहेगी. छुटपुट खर्चे के लिए थोड़ा बहुत काम कर लेंगे. बीमार पड़े तो सरकारी अस्पताल है. आखिर सरकार का भी कोई फर्ज है कि नहीं?" मैंने कहा "देखो भैया ! तुम इस समय पीड़ित हो. दुखी हो. मैं कोई भी प्रश्न पूछ कर तुम्हारा दिल नहीं दुखाना चाहता. लेकिन क्या सारा फर्ज सरकार का ही है? और यह जो जनसंख्या नियंत्रण के लिए सरकार कानून बना रही है, क्या यह सरकार का फर्ज नहीं था?" राम भरोसे अब ठोड़ी पर हाथ रखकर अतीत की यादों में खोने लगा. "साहब ! हमारे बारह बच्चे हैं. हर काम में हमारा महत्व रहता था. जब चुनाव होते थे तो बाकी मोहल्ला एक तरफ, हमारा अकेला घर एक तरफ. मैं पिता था. इसलिए सारे वोट मेरे इशारे पर पड़ते थे. जिसे चाहूं, वोट डलवा दूं, वह चुनाव जीत जाता था. बड़ी बात हुआ करती थी. अब आपने कानून बना दिया और हमें ज्यादा बच्चों वाला कहकर हाशिए पर डालने लगे. कई बार लोगों ने हमसे कहा कि रामभरोसे! तुम चुनाव में खड़े हो जाओ. शहर और गांव के आधे वोट तो तुम्हारे अपने घर के हैं. अब आप कहते हो कि हम चुनाव ही नहीं लड़ सकते! ऐसा कैसे चलेगा?" रामभरोसे के घर में वातावरण दुख भरा था. सभी बारह बच्चे आंखों में थोड़े बहुत आंसू लिए हुए थे. तीन बच्चों की शादियां हो गई थीं. अब बाकी नौ की शादी की जितनी चिंता उनके माता-पिता को थी उससे ज्यादा चिंतित वह स्वयं थे. जनसंख्या नियंत्रण के बारे में ठोस काम शुरू जो होने लगा था.

रिकॉर्ड तोड़ गर्मी से परेशान लोग एसी में राहत ढूंढते हैं. लेकिन पिछले दिनों एसी फटने की कई घटनाएं सामने आई हैं. यह स्थिति जानलेवा है. सवाल यह है कि आखिर गर्मी में एसी फट क्यों फट रहे हैं? गर्मी से राहत पाने के लिए बनाए गए एसी के इस्तेमाल के दौरान ऐसी क्या लापरवाही हो रही है, जिससे एसी फटने के इतने मामले सामने आ रहे हैं. आइए जानते हैं, एसी फटने के कारणों को और ब्लास्ट के खतरे को कैसे कम किया जा सकता है, इस पर भी चर्चा करते हैं.

मायने रखता है एसी का गैस

विशेषज्ञों की मानें तो इन दिनों से एसी बन रहे हैं, उनमें पहले के मुकाबले कम ज़हरीली गैस इस्तेमाल की जाती है. ये आर-290 गैस होती हैं, इसके अलावा भी कई और गैस हैं. पहले क्लोरो फ्लोरोकार्बन का इस्तेमाल किया जाता था. ये वही गैस है जिसे ओज़ोन लेयर में सुराख़ के लिए ज़िम्मेदार माना जाता रहा है. बीते क़रीब 15 सालों से इस गैस के इस्तेमाल को ख़त्म करने की बात की जा रही है. फिर हाइड्रो क्लोरो फ्लोरो कार्बन का इस्तेमाल हुआ. अब इसे भी हटाया जा रहा है.

अभी अपने देश में एसी में जिस गैस का ज़्यादातर इस्तेमाल हो रहा है, वो हाइड्रो फ्लोरो कार्बन है. कुछ कंपनियों ने प्योर हाइड्रो कार्बन के साथ एसी बनानी शुरू की है. पूरी दुनिया में इसी गैस के इस्तेमाल पर ज़ोर दिया जा रहा है. ये गैस बाकियों से बेहतर होती हैं. इसके अलावा कोशिश ये भी की जा रही है कि नैचुरल गैसों का इस्तेमाल किया जा सके.

विशेषज्ञों के मुताबिक 'क्लोरो फ्लोरो से सीधे हमारे शरीर पर कोई असर नहीं होता है. लेकिन अगर ये गैस लीक होकर वातावरण में मिल जाए तो नुकसानदायक हो सकती है. एसी से निकली गैस से सिर दर्द की शिकायतें तो होती हैं, लेकिन मौत कम ही मामलों में होती है.

एसी का तापमान कितना रखें?

अक्सर गर्मी का हवाला देकर हम एसी का रिमोट उठाकर तापमान 16 या 18 तक ले आते हैं.

- विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा करना हमारी सेहत के लिए अच्छा नहीं है. घरों या दफ़्तरों में एसी का तापमान 25-26 डिग्री सेल्सियस ही रखना चाहिए. दिन के मुकाबले रात में तापमान कम रखा जा सकता है. ऐसा करने से सेहत भी ठीक रहेगी और बिजली का बिल भी कम आएगा.
- इससे कम एसी का तापमान रखने पर एलर्जी या सिरदर्द शुरू हो सकता है. बुजुर्गों और बच्चों की इम्युनिटी सिस्टम कमज़ोर होता है, ऐसे में एसी का तापमान सेट करते वक़्त इसका ख़याल रखना होगा.

बढ़ रही हैं एसी फटने की घटनाएं

जानलेवा क्यों बन रहा सहूलियत का यह साधन

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एसी फटने से आग लगने की घटना सामने आई है. यहां इंदिरापुरम इलाके में एक सोसाइटी में एसी फटने के बाद आग लग गई. बिल्डिंग से निकलती आग की लपटों को देख आसपास अफरा-तफरी का महौल हो गया. सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियां ने बड़ी मशक्कत से आग बुझाई. नोएडा में भी एसी फटने की कुछ घटना हाल में सामने आई. भीषण गर्मी से राहत पाने की कोशिश में एसी वे भी लगवा रहे जिनके यहां अभी तक केवल पंखे-कूलर से गर्मी का मौसम गुजरता था. ऐसे में सवाल है कि सहुलियत का यह साधन जानलेवा कैसे बन जाता है. आइए इसके कारण और बचाव की करें चर्चा.

विस्फोट के लिए ये कारण हो सकते जिम्मेदार

- एसी के कंडेसर पर दबाव और हवा निकलने वाली जगह में अवरोध पैदा होने के कारण, एसी की गर्मी बाहर नहीं निकल पाती है और एसी के ब्लास्ट होने का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है.
- वोल्टेज का अप-डाउन होना भी एसी फटने का प्रमुख कारण है. वोल्टेज कम होने या फिर बिजली में फ्लेक्चूएशन की वजह से भी एसी के ब्लास्ट होने की आशंका रहती है.
- लंबे समय से एसी की सफाई या सर्विसिंग न होने के कारण भी एसी ब्लास्ट हो सकता है. हर साल एसी की सर्विसिंग कराएं. सर्विसिंग किसी भरोसेमंद, सर्टिफ़ाइड मैकेनिक से करवाएं.
- दिन में एक बार कमरे की खिड़कियां-दरवाज़े खोल दें. इससे प्रदूषित हवा बाहर निकल पाती है.
- स्प्लिट एसी विंडो एसी के मुक़ाबले ज़्यादा बेहतर हैं
- गैस की क्वालिटी का ध्यान रखें. ग़लत गैस डालने से भी दिक़्क़त होती है
- सेकंड हैंड एसी न खरीदें. इससे पहले उसकी स्थिति के बारे में हमें जानकारी नहीं होती है.
- एसी लगवाते समय अच्छी क्वॉलिटी के वायर का ही चयन करें, जिससे एसी के ब्लास्ट होने का खतरा कम हो जाता है.
- बिना किसी स्टेबलाइजर के एसी का उपयोग बिल्कुल भी न करें. स्टेबलाइजर वोल्टेज नियंत्रित करता है.
- एसी को कभी पांच घंटे से अधिक लगातार नहीं चलाएं. बीच-बीच में इसे बंद कर विश्राम दें.
- अपनी एसी का कंप्रेशर किसी छांव वाली और खुली जगह पर ही लगाएं, ताकि वह ज्यादा गर्म न हो.
- अगर आपका एसी किसी तरह की आवाज कर रहा है, तो उसे तुरंत बंद कर दें और जांच करवाएं .
- एसी का तापमान 24 पर ही रखें. ये एसी का आइडियल टेम्प्रेचर माना जाता है.
- विंडो एसी को धूप से बचाने के लिए ऊपर से फाइबर शेड जरूर लगवाएं.
- अपने एसी के लिए मिनी सर्किट ब्रेकर (एमसीबी) का प्रयोग करें.

ऐसे जानें, एसी से गैस लीक हो रहा है या नहीं

घर में एसी से गैस लीक होता भी है तो हमें आमतौर पर पता नहीं चल पाता क्योंकि एसी की गैस गंधहीन होती है. लेकिन अगर एसी बेहतर तरीके से ठंडा नहीं कर रहा हो, उसके पाइप सही काम नहीं कर रहे हों, सही तरीके से एसी फिट नहीं हो या पुराने एसी के ट्यूब में जंग लगी हो तो संभव है कि एसी से गैस लीक हो रहा है.

यहां सरकारों ने सेट किया एसी का तापमान

समय-समय पर ऊर्जा मंत्रालय की ओर से अपने देश में भी सलाह मिलती है कि एसी की डिफ़ॉल्ट सेटिंग 24 डिग्री सेल्सियस रखी जाए ताकि बिजली बचाई जा सके. ऊर्जा मंत्रालय का कहना था कि इसके लिए जागरुकता अभियान चलाया जाएगा और प्रतिक्रियाएं ली जाएंगी. मंत्रालय ने दावा किया था- इससे एक साल में 20 अरब यूनिट बिजली बचेगी. इसी क्रम में कहा गया कि दुनिया के कुछ देशों में एसी का तापमान तय करने की कोशिशें हुई हैं. चीन में यह तापमान 26 डिग्री सेल्सियस, जापान में 28 डिग्री सेल्सियस, हांगकांग में 25.5 डिग्री सेल्सियस और ब्रिटेन में 24 डिग्री सेल्सियस तापमान तय किया गया है. पर्यावरण विशेषज्ञ इस बात पर ज़ोर देते हैं कि भारत जैसी जलवायु वाले देश में में एसी का तापमान 26 डिग्री सेल्सियल रखा जाना चाहिए.

हाल ही लेनोवो का आठ जीबीएल स्पीकर, 11.5 इंच 2के एलसीडी स्क्रीन और मीडियाटेक हीलियो जी 99 चिपसेट के साथ एक नया टैबलेट लॉन्च हुआ है. टैबलेट के फीचर्स जैसे डॉल्बी एटमॉस सपोर्ट, ब्लूटूथ स्पीकर फंक्शनलिटी और फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 8,600 मेगाहट्र्ज की बैटरी आकर्षित कर रही है. आइए, विस्तार से इसके बारे में जानकारी हासिल करें.

लेनोवो टैब प्लस

जबर्दस्त स्पीकर और फीचर वाला टैब

लेनोवो ने पिछले दिनों जबर्दस्त फीचर्स वाला नया टैबलेट लॉन्च किया है. इसमें डॉल्बी एटमॉस सपोर्ट वाले जबीएल के आठ स्पीकर्स दिए गए हैं. 11.5 इंच 2के एलसीडी स्क्रीन दी गई है. सबसे खास बात यह है कि इसे हम ब्लूटूथ स्पीकर की तरह भी इस्तेमाल कर सकते हैं. जाहिर है, यह टैब गर पास हो तो पॉडकास्ट और म्यूजिक का आनंद ही कुछ और होगा. हालांकि इसकी लॉन्चिंग अब तक भारत में नहीं हुई है, न ही यहां इसकी लॉन्चिंग की कोई डेट जारी की गई है, लेकिन फील्ड के दिग्गजों की मानें तो साल के अंत तक यहां भी यह टैब उपलब्ध हो जाएगा.

- **ये हैं फीचर्स**

लेनोवो टैब प्लस की बैटरी दमदार है. यह 8600 मेगाहट्र्ज की हैं. इसके साथ 45 वाट वायर फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट है. टैबलेट में मीडिया टेक हेलियो जी 99 चिपसेट दिया गया है. जो 8 जीबी रैम और 256 जीबी स्टोरेज सपोर्ट करती है. 2 रैम और स्टोरेज ऑप्शन के कारण भी इसकी लोकप्रियता देखी जा रही है. टैब में 11.5 इंच 2के एलसीडी स्क्रीन दी जाती है जो 90 हट्र्ज रिफ्रेश रेट के साथ आती है. इसमें एलसीडी स्क्रीन मिलने वाली है. कैमरे की बात करें तो इसमें 8 मेगापिक्सल का सेंसर दिया जाता है जो ऑटोफोकस के साथ आता है. स्पीकर्स इस टैब की खासियत है. यूजर्स किसी अन्य फोन का ब्लूटूथ भी इसके साथ इस्तेमाल कर सकते हैं. ऐसे में संगीत सुनना हो या पॉडकॉस्ट, यह अलग ही अनुभव दिलाता है.

- **जानिए कीमत**

लेनोवो टैब प्लस अभी ग्लोबल मार्केट में उपलब्ध है और इसे खरीदने के लिए ईयूआर 279 यानी करीब 25 हजार रुपए खर्च करने होंगे. कलर ऑप्शन की बात करें तो ये टैबलेट सिंगल लूना ग्रे शेड में ही अभी उपलब्ध है.

---

9 जुलाई को लॉन्च होगा शाओमी का रेडमी 13 फाइव जी

किफायती कीमत में बड़े डिस्प्ले और तगड़े फीचर्स वाला स्मार्ट फोन

शाओमी अपना रेडमी 13 फाइव जी फोन अगले महीने के पहले सप्ताह में लॉन्च करेगा. इसकी लॉन्चिंग डेट नौ जुलाई बताई गई है. कम कीमत में शानदार कैमरा और दमदार बैटरी वाले इस फोन की अन्य भी कई खासियत हैं. आइए, फोन के खास फीचर्स और कीमत के बारे में जानकारी हासिल करें.

- **डिजाइन**

शाओमी रेडमी 13 फाइव जी स्मार्टफोन ग्लास रियर पैनल के साथ आएगा. जाहिर है इसमें क्रिस्टल ग्लास डिजाइन होगा. हैंडसेट सेंटर पंच होल नॉच के साथ आएगा और इसमें गोरिल्ला ग्लास प्रोटेक्शन मिलेगा. इस्तेमाल किया जाएगा. डिस्प्ले को लेकर पूरा खुलासा नहीं हुआ है कि कितना होगा, लेकिन कंपनी का दावा है कि इस फोन में सेगमेंट का सबसे बड़ा डिस्प्ले मिलेगा.

- **अन्य फीचर्स**

ये डिवाइस क्वॉलकॉम स्नैपड्रैगन 4 जेन 2 प्रोसेसर के साथ आएगा. इसमें डुअल रियर कैमरा सेटअप दिया जा सकता है, जिसका मेन लेंस 108 मेगापिक्सल का होगा. इसकी बैटरी 5030 मेगाहट्र्ज की हो सकती है, जो 33 वाट की चार्जिंग सपोर्ट के साथ आएगी. रेडम 13 फाइव जी में हाइपरओएस मिलेगा, जो एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड होगा. ये कंपनी का लेटेस्ट ऑपरेटिंग सिस्टम है, जिसने एमआईयूआई को रिप्लेस किया है.

- **ये होगी कीमत?**

इसकी कीमत को लेकर अभी खुलासा नहीं हुआ है. लेकिन स्मार्टफोन मार्केट के दिग्गजों का मानना है कि रेडमी 13 फाइव जी दरअसल फीचर्स के मामले में हाल ही चीन में लॉन्च हुए रेडमी 13 आर फाइव जी का रिब्रांडेड वर्जन ही मालूम हो रहा है. ऐसे में उम्मीद जाहिर की जा रही है कि कंपनी इस हैंडसेट को 15 हजार रुपये के बजट में लॉन्च कर सकती है. स्मार्टफोन दो कलर में लॉन्च हो सकता है, जो माइक्रोसाइट पर नजर आ रहे हैं. इसके रैम और स्टोरेज के बारे में फिलहाल कंपनी ने कोई जानकारी नहीं दी है.

ओबेन ई बाइक

धांसू लुक की ई-बाइक जो देगी सिंगल चार्ज में 200 किमी रेंज

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक ने नार्थ इंडिया में अपनी नई इलेक्ट्रॉनिक बाइक ओबेन रॉर को पिछले दिनों बिक्री के लिए लॉन्च कर दिया है. 1.49 लाख रुपए (एक्स शोरूम कीमत) की इस बाइक को विशेष ऑफर के तहत 39,000 रुपये कम कीमत में खरीदा जा सकता है. यानी अगर आपको योजना का लाभ मिलता है तो यह ई बाइक आपको महज 1.10 लाख रुपये की कीमत में मिल सकती है.

लुक, डिजाइन व अन्य फीचर्स

युवाओं को ध्यान में रखकर इसका डिजाइन बनाया गया है. ओबेन रॉर को कंपनी ने स्पोर्टी लुक और डिज़ाइन दिया है. सर्कूलर एलईडी हेडलैंप, सिंगल पीस सीट और एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम से लैस इस इलेक्ट्रिक बाइक की वॉटर वेडिंग कैपेसिटी तकरीबन 230 मिमी है. यानी कि ये पानी भरे रास्तों में भी आसानी से ड्राइव की जा सकती है. बैटरी की बात करें तो इस बाइक में कंपनी ने 4.4 किलोवाट की क्षमता का लिथियम-ऑयन बैटरी पैक दिया है, जिसे 10 किलो वाट के इलेक्ट्रिक मोटर से जोड़ा गया है. ये मोटर 62 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है. कंपनी का दावा है कि ये बाइक महज 3 सेकंड में ही 0 से 40 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है और इसकी टॉप स्पीड 100 किमी/घंटा है. इस बाइक में 3 राइडिंग मोड्स दिए गए हैं, जिसमें इको, सिटी और हावोक शामिल है. कंपनी का दावा है कि एक बार फुल चार्ज करने पर इसे ड्राइव करके 200 किमी तक की दूरी नापी जा सकती है. इसे सामान्य घरेलू सॉकेट से कनेक्ट कर चार्ज किया जा सकता है. इस बाइक की बैटरी को चार्ज करने में तकरीबन 2 घंटे का समय लगता है. ई बाइक फील्ड के दिग्गजों की मानें तो बाजार में इसका मुकाबला सीधे तौर पर रिवॉल्ट आर वी 400 से है.

रेनो क्विड का स्पोर्टियर वेरिएंट क्लाइंबर

अग्रेसिव डिजाइन, शानदार इंटीरियर और जानदार इंजन- परफॉर्मेंस

अपने देश में कार खरीदने वाली बड़ी आबादी सस्ती कारों को ही अपनाती हैं. ब्रांड की बात करें तो इनमें ज्यादातर की पसंद मारुति सुजुकी, हुंडई मोटर और टाटा मोटर्स की कारें ही होती हैं. मार्केट के रुझान पर गौर कीजिएगा तो जाहिर होगा कि अब जो कुछ लोग इन तीनों कंपनी से अलग कोई कार खरीदते हैं, उनमें रेनो कंपनी की क्विड मॉडल सबसे ऊपर है. किफायती दाम में अच्छे लुक और फीचर्स वाली रेनो क्विड का स्पोर्टियर वेरिएंट क्लाइंबर है, जिसकी एक्स शोरूम प्राइस 5.88 लाख रुपए से शुरू होती है. प्राइस रेंज के मामले में रेनो क्विड का सीधा टक्कर मारुति सुजुकी इग्निस, सिलेरियो और हुंडई ग्रैंड आई10 नियॉस जैसी गाड़ियों से है. आइए, इसके लुक, फीचर्स आदि की करें बात..

1. अग्रेसिव लुक और डिजाइन

रेनो क्विड क्लाइंबर हैचबैक का फ्रंट लुक बेहद डिफरेंट और अग्रेसिव लगता है. इसके टर्न इंडिकेटर्स, एसयूवी जैसा हेडलाइट सेटअप, नई स्टाइलिश फ्रंट ग्रिल्स के बीच में रेनो का बड़ा लोगो, पिछले हिस्से में एलईडी लाइट गाइड्स के साथ टेललैंप सब आपको आकर्षित करेगा. साइड प्रोफाइल में बॉडी पर ब्लैक क्लैडिंग और क्लाइंबर के डिटेल्स भी बेहतर लुक अच्छे लगते हैं. रेनो ने क्विड क्लाइंबर 2024 मॉडल के साथ डुअल टोन मल्टी स्पोक अलॉ व्हील और 14 इंच के रेडियल ट्यूबलेस टायर दिया गया है.

2. इंटीरियर और फीचर्स भी ठीक

2024 रेनो क्विड क्लाइंबर के सीट पर ब्लैक और ऑरेंज का मिश्रण है. बड़ा स्टीयरिंग इंटीरियर को आकर्षक बनाता है. 8-इंच का टचस्क्रीन मीडिया एनएवी सिस्टम, एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कार प्ले सपोर्ट, एसी कंट्रोल के लिए 3 डायल, पावर विंडो, मोबाइल स्टोरेज और फास्ट यूएसबी चार्जर, डुअल एयरबैग्स, सीट बेल्ट रिमाइंडर, इलेक्ट्रोनिक स्टैबिलिटी कंट्रोल, हिल होल्ड असिस्ट, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, सेमी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, गाइडलाइंस के साथ रिवर्स पार्किंग कैमरा, सीट बेल्ट प्रीटेंशनर, स्पीड अलर्ट वॉर्निंग, ब्रेक असिस्ट के साथ ईबीडी और एबीएस और ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम आदि कई फीचर्स कार में दिए गए हैं.

3. इंजन-पावर और ट्रांसमिशन

रेनो क्विड क्लाइंबर में 999 सीसी का पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो कि 67.06 बीएचपी की पावर और 91 न्यूटन मीटर का पिक टॉर्क जेनरेट करता है. इस हैचबैक में 5 स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन दिया गया है. फ्रंट में डिस्क और रियर में ड्रम ब्रेक्स दिए गए हैं.

4. किफायदी दाम

रेनो क्विड क्लाइंबर की खासियत इसकी किफायती कीमत है. यह हैचबैक 5.88 लाख रुपये, (एक्स शोरूम) से मिलनी शुरू हो जाती है.

5. ओवरऑल परफॉर्मेंस

शहर के भीड़-भाड़ वाले इलाके में चलाएं या हाइवे पर या ग्रामीण इलाके के उबड़-खाबड़ रास्तों पर, ड्राइविंग का अनुभव शानदार रहेगा. स्टीयरिंग हल्का है और गियरबॉक्स का रिस्पॉन्स भी ठीक है. कमियों की बात करें तो इसका इन्फोटेनमेंट सिस्टम बेहद साधारण हैं. आप अपने स्मार्टफोन को कनेक्ट कर लेते हैं और बाकी सुविधाओं का भी लाभ उठा सकते हैं, लेकिन स्क्रीन रिजॉल्यूशन से लेकर परफॉर्मेंस और रिस्पॉन्स टाइम आपको निराश कर सकता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

स्पोर्ट्स+

आज का मैच : अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को बरकरार रखा

बांग्लादेश के खिलाफ आत्ममुग्धता से बचना होगा अफगानिस्तान की जुझारू टीम को

भाषा। किंग्सटाउन

पिछले मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराकर उत्साह से ओतप्रोत अफगानिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ यहां होने वाले टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में आत्ममुग्धता से बचना होगा. अफगानिस्तान ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया की टीम को हराकर पहली बार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा. बांग्लादेश के खिलाफ मैदान पर उतरने से पहले उसकी टीम हालांकि भारत की ऑस्ट्रेलिया पर जीत के लिए दुआ करेगी. भारत की टीम इस ग्रुप से सेमीफाइनल में जगह बनाने की दौड़ में सबसे आगे है क्योंकि उसका नेट रन रेट अन्य टीमों से बेहतर है. भारत अभी ग्रुप में शीर्ष पर काबिज है. उसके बाद ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और बांग्लादेश का नंबर आता है. ऑस्ट्रेलिया का नेट रन रेट अफगानिस्तान से बेहतर है और अगर वह भारत को हरा देता है तो फिर उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना बढ़ जाएगी. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच का परिणाम कुछ भी हो, अफगानिस्तान की टीम बांग्लादेश के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी. बांग्लादेश की टीम अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है. अफगानिस्तान ने दिखा दिया है कि उसकी टीम के पास बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलने की मानसिकता और कौशल दोनों हैं व अब वह जीत के लिए केवल अपने गेंदबाजों पर ही निर्भर नहीं है. टूर्नामेंट में अभी तक सर्वाधिक रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित किया है और अफगानिस्तान इन दोनों से बांग्लादेश के खिलाफ भी इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद करेगी.

अफगानिस्तान की टीम में कई ऑलराउंडर है जिसका उन्हें यहां की परिस्थितियों में फायदा मिल रहा है. बांग्लादेश से उसका सामना उसी मैदान पर होगा जिसमें उसने आस्ट्रेलिया को हराया था. जहां तक बांग्लादेश का सवाल है जो ऑस्ट्रेलिया और भारत से हार के

कारण उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना लगभग समाप्त हो गई है. बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने इस पूरे टूर्नामेंट में लचर प्रदर्शन किया है और वह रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं. उसकी टीम को अच्छे पावर हिटर की भी कमी खल रही है. सलामी बल्लेबाज लिटन दास और तंजीद खान के खराब प्रदर्शन से भी टीम को नुकसान हुआ है. बल्लेबाज तोहीद हृदय और लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने हालांकि अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है और टीम के अन्य खिलाड़ी उनसे प्रेरणा देने की कोशिश करेंगे.

टीमें इस प्रकार हैं

अफगानिस्तान : राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज़, इब्राहिम ज़द्रन, अज़मतुल्लाह उमरज़ई, नजीबुल्लाह ज़दरान, मोहम्मद इशाक, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नैब, करीम जनत, नांग्याल खारोटी, हज़रतुल्लाह ज़ज़ई, नूर अहमद, नवीन-उल-हक, फ़ज़लहक फ़ारूकी, फ़रीद अहमद मलिक.

बांग्लादेश : तनजीद हसन, लिटन दास, नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), शाकिब अल हसन, तौहीद हृदॉय, महमूदुल्लाह, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, तनजीम हसन साकिब, मुस्तफिजुर रहमान, जैकर अली, तनवीर इस्लाम, शोरफुल इस्लाम, सौम्या सरकार.

मैच का समय : सुबह 6:00 बजे से.

ब्रीफ खबरें

पीसीबी में आमूलचूल बदलाव की तैयारी

कराची। अमेरिका में टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के लचर प्रदर्शन के बाद देश के क्रिकेट बोर्ड में बदलाव की तैयारी है और खिलाड़ियों के लिए आचार संहिता बनाने की तैयारी भी की जा रही है, जो टूर्नामेंट के दौरान अपने परिवारों को साथ ले जाने और पैसे लेकर प्रचार कार्यक्रमों में जाने के लिए आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं. अध्यक्ष मोहसिन नकवी कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के प्रदर्शन से नाराज हैं.

क्रोएशिया में भारतीय तिकड़ी का अहम रही

नयी दिल्ली। ज्योति चौहान, एमके काशमीना और किरण पिस्दा की भारतीय तिकड़ी ने जेडएनके डिनामो जगरेब को क्रोएशियाई महिला फुटबॉल कप दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई. मणिपुर की 25 साल की कशमीना ने 19 बार की चैंपियन टीम ओसिजेक के खिलाफ फाइनल मुकाबला 1-1 की बराबरी पर छूटने के बाद पेनल्टी शूट ऑफ के आखिरी मौके को गोल में बदल कर टीम को 5-4 से जीत दिलायी.

पेगुला ने मैच प्वाइंट बचाकर खिताब जीता

बर्लिन। जेसिका पेगुला ने आखिर तक हार न मानने के अपने जज्बे का शानदार नमूना पेश करते हुए पांच मैच प्वाइंट बचाकर बर्लिन लेडीज ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता. अमेरिका की इस खिलाड़ी ने फाइनल में अन्ना कलिन्स्काया को 6-7 (0), 6-4, 7-6 (3) से हराया. पेगुला का इस वर्ष का यह पहला और करियर का पांचवा डब्ल्यूटीए खिताब है. पेगुला ने कहा, मैंने इस सप्ताह वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया.

शुभमन गिल को बनाया गया कप्तान

नयी दिल्ली। जिम्बाब्वे दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है. छह जुलाई से शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया गया है. बड़ी खबर ये है कि शुभमन गिल को इस सीरीज के लिए कप्तान चुना गया है. पांच ऐसे खिलाड़ी भी स्क्वाड में आए हैं जो पहली बार टी20 टीम में शामिल हुए हैं. चयनकर्ताओं ने अभिषेक शर्मा, रियान पराग, नीतीश रेड्डी, तुषार देशपांडे और ध्रुव जुरेल को भी मौका दिया है. ऋतुराज गायकवाड़, रवि बिश्नोई, खलील अहमद और आवेश खान दोबारा टीम में आए.

डकवर्थ लुईस प्रणाली से मेजबान **टीम को तीन विकेट से हराया**

वेस्टइंडीज को बाहर करके दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में

भाषा। नॉर्थ साउंड (एंटीगा)

स्पिनर तबरेज शम्सी की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने बारिश से प्रभावित रोमांचक मैच में वेस्टइंडीज को डकवर्थ लुईस प्रणाली से तीन विकेट से हराकर टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. इस मैच में हार से सह मेजबान वेस्टइंडीज टूर्नामेंट से बाहर हो गया. शम्सी ने 27 रन देकर तीन विकेट लिए. उन्हें दो अन्य स्पिनरों केशव महाराज (24 रन देकर एक विकेट) और कप्तान एडन मार्कराम (28 रन देकर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला जिससे दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट पर 135 रन ही बनाने दिए. वेस्टइंडीज की तरफ से रोस्टन चेज ने सर्वाधिक 52 रन बनाए. इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने जब दो विकेट पर 15 रन बनाए थे तब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा था. खेल दोबारा शुरू होने पर दक्षिण अफ्रीका के सामने डकवर्थ लुईस प्रणाली से 17 ओवर में 123 रन बनाने का नया लक्ष्य रखा गया. दक्षिण अफ्रीका ने 16.1 ओवर में सात विकेट पर 124 रन बनाकर जीत दर्ज की. उसने सुपर 8 में अपने तीनों मैच जीते और इस तरह से ग्रुप 2 में शीर्ष पर रहकर सेमीफाइनल में जगह बनाई. इस ग्रुप से इंग्लैंड चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहा. वह अन्य मेजबान अमेरिका को 10 विकेट से हराकर पहले ही अंतिम चार में अपनी जगह सुरक्षित कर

17 ओवर में 123 रन बनाने का नया लक्ष्य रखा गया

चुका था. दक्षिण अफ्रीका ने बारिश के कारण खेल रुकने से पहले अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों रीजा हेंडरिक्स (00) और क्विंटन डिकॉक (12) के विकेट गंवा दिए थे. बारिश थमने के बाद जब खेल शुरू हुआ तो मार्कराम (18), ट्रिस्टन स्टब्स (27 गेंदों में 29 रन) और हेनरिक क्लासेन (10 गेंदों में 22 रन) ने जिम्मेदारी संभाली.

लेकिन वह मार्को यानसन (14 गेंदों में नाबाद 21 रन) थे जिन्होंने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओबेद मैकॉय द्वारा फेंके गए 17वें ओवर की पहली गेंद पर खूबसूरत छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई. चेज ने बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए तीन ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट लिए लेकिन उनका यह ऑलराउंड प्रदर्शन भी वेस्टइंडीज को जीत नहीं दिला पाया.

बारिश के बाद पिच बल्लेबाजी के लिए थोड़ा आसान हो गई थी जिसका दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को फायदा मिला. वेस्टइंडीज को बाएं हाथ के स्पिनर गुडाकेश मोती ने निराश किया जिन्होंने अपने एक ओवर में 20 रन देकर एक विकेट लिया. इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के कप्तान मार्कराम ने गेंदबाजी की शुरुआत की और वेस्टइंडीज के सबसे विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन को केवल एक रन पर आउट कर दिया. काइल मेयर्स (34 गेंदों पर 35 रन) और वेस्टइंडीज की तरफ से सभी प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन करने वाले चेज ने तीसरे विकेट के लिए 81 रन जोड़कर आंद्रे रसेल और रोवमैन पॉवेल जैसे हिटर के लिए अच्छा मंच तैयार किया लेकिन शम्सी और महाराज ने शानदार गेंदबाजी करके एकदम से पासा पलट दिया. रसेल ने अपनी 15 रन की पारी के दौरान एनरिक नोर्किया पर दो छक्के भी लगाए लेकिन वह टीम को 150 रन तक नहीं पहुंचा पाए. उनके रन आउट होने से वेस्टइंडीज की चुनौती पूर्ण स्कोर तक पहुंचने की उम्मीद समाप्त हो गई. चेज ने अपनी 42 गेंद की पारी ने तीन चौके और दो छक्के लगाए.

टी20 वर्ल्ड कप : सुपर-8 अंक तालिका

ग्रुप 1

टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
भारत	2	2	0	0	4	+2.425
ऑस्ट्रेलिया	2	1	1	0	2	+0.223
अफगानिस्तान	2	1	1	0	2	-0.650
बांग्लादेश	2	0	2	0	0	-2.489

ग्रुप 2

टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
द.अफ्रीका	3	3	0	0	6	+0.599
इंग्लैंड	3	2	1	0	4	+1.992
वेस्टइंडीज	3	1	2	0	2	+0.963
अमेरिका	3	0	3	0	0	-3.906

हम और दमदार तरीके से जीत दर्ज करना चाहेंगे: मार्कराम

भाषा। नॉर्थ साउंड (एंटीगा)

टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने से राहत महसूस कर रहे दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्कराम ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ लक्ष्य को जल्दी हासिल करने की हड़बड़ी दिखायी, जिससे यह मुकाबला काफी करीबी हो गया. दक्षिण अफ्रीका ने दो बार की चैंपियन टीम को आठ विकेट पर 135 रन रोक दिया. लक्ष्य का पीछा करते समय जब टीम ने 15 रन पर दो विकेट गंवा दिये थे तब बारिश के कारण एक घंटे तक खेल रुका रहा. दक्षिण अफ्रीका को इसके बाद डकवर्थ लुईस प्रणाली से जीत के लिए 17 ओवर में 123 रन का लक्ष्य मिला. टीम ने सात विकेट गंवाकर आखिरी ओवर में लक्ष्य हासिल किया. मार्कराम ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, सेमीफाइनल में पहुंचने से काफी राहत मिली. हम हालांकि इस जीत के बाद भावनाओं पर काबू रखना चाहते है। हम बल्लेबाजी करते समय और अधिक सतर्कता बरतना पसंद करेंगे. उन्होंने कहा, बारिश के ब्रेक के बाद पिच बल्लेबाजी के लिए आसान हो गयी थी. हम मैच को जल्दी खत्म करना चाहते थे लेकिन साझेदारियां नहीं बना पाये. जल्दबाजी दिखाने से टीम मुश्किल में पड़ गयी थी। हमारे लिए यह (सेमीफाइनल में पहुंचना) बड़ी सफलता है और टीम ड्रेसिंग रूम में माहौल शानदार है. मार्कराम ने जीत का श्रेय गेंदबाजों को देते हुए बल्लेबाजों से अधिक जिम्मेदारी लेने की सलाह दी. हमने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की, परिस्थितियों का आकलन किया और उन्हें सामान्य से कम स्कोर पर रखा. हम बारिश के बाद साझेदारी बना सकते थे और फिर उसे आगे बढ़ा सकते थे, हम उससे सीख लेंगे और उम्मीद है कि दोबारा यह गलती नहीं करेंगे.

जमशेदपुर एफसी ने मुख्य कोच का करार दो साल बढ़ाया

संवाददाता। जमशेदपुर

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम जमशेदपुर एफसी (जेएफसी) ने मुख्य कोच खालिद जमील की सेवाओं को अगले दो वर्षों के लिए बरकरार रखने की सोमवार को घोषणा की. एएफसी प्रो लाइसेंस धारी कोच खालिद 2017 में सुर्खियों में आये थे जब उनकी देखरेख में आइजोल एफसी ने आई-लीग का खिताब जीता था. उन्होंने पिछले सत्र के मध्य में जमशेदपुर के मुख्य कोच का पदभार संभाला था. जब वह टीम से जुड़े थे उस समय जमशेदपुर एफसी अपने 11 में से केवल दो मैच जीत सका था. उनकी नियुक्ति के बाद टीम के प्रदर्शन में सुधार आया और इस क्लब ने वापसी करते हुए 2024 कलिंगा सुपर कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. उन्होंने जमशेदपुर एफसी के कोच के तौर पर आईएसएल के अपने शुरुआती पांच मैचों में से तीन जीत और दो ड्रॉ का स्वाद चखा. इससे यह टीम लीग चरण के अंतिम मैच तक प्लेऑफ की दौड़ में बनी रही थी.

काफी कुछ सीखकर जा रहे : कोरी

भाषा। ब्रिजटाउन (बारबाडोस)

अमेरिका का टी20 विश्व कप में स्वर्णिम अभियान भले ही सुपर 8 में थम गया, लेकिन उसके बल्लेबाज कोरी एंडरसन ने कहा कि उनकी टीम को इस टूर्नामेंट से काफी कुछ सीखने को मिला. अमेरिका ने टूर्नामेंट के पहले दौर में पाकिस्तान को हराया था तथा भारत के सामने भी कड़ी चुनौती पेश की थी लेकिन सुपर 8 चरण में उसे दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा. एंडरसन ने रविवार को इंग्लैंड के हाथों मिली 10 विकेट से हार के बाद संवाददाताओं से कहा, आसमान की

भी एक सीमा होती है. पिछले कुछ वर्षों से अमेरिकी क्रिकेट को लेकर चर्चा चल रही थी. उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में हम प्रगति करते रहेंगे. एंडरसन मूल रूप से न्यूजीलैंड के रहने वाले हैं जिसके लिए उन्होंने 93 मैच भी खेले. बाद में अमेरिका में बसने वाले इस बल्लेबाज ने कहा कि टीम में अभी काफी सुधार की जरूरत है. कई ऐसे क्षेत्र हो सकते हैं जिनमें सुधार करने की जरूरत है. हम अभी आईसीसी के एसोसिएट देशों में शामिल है और बड़ी टीमों में शामिल होने के लिए प्रयास कर रहे हैं. सुपर 8 में जगह बनाना निश्चित तौर पर अमेरिका के लिए ऐतिहासिक है. एंडरसन ने कहा,हमें इन बड़ी टीमों के खिलाफ अक्सर खेलने का मौका नहीं मिलता. इसलिए इन टीमों के खिलाफ हमें जितना भी खेलने को मिला वह हमारे लिए काफी मायने रखता है. हमारी टीम अभी शुरुआत कर रही है लेकिन हमें इस टूर्नामेंट से काफी कुछ सीखने को मिला.

यानिक सिनर ने ग्रास कोर्ट पर पहला खिताब जीता

एजेंसी। हाले (जर्मनी)

शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनर ने हाले ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में ह्यूबर्ट हुरकाज को सीधे सेटों में हराकर ग्रास कोर्ट पर अपना पहला खिताब जीता. इटली के 22 वर्षीय खिलाड़ी सिनर ने टाइब्रेकर तक खिंचे दोनों सेट में पोलैंड के अपने प्रतिद्वंद्वी को 7-6 (8), 7-6 (2) से हराकर विंबलडन की अपनी तैयारी को पुख्ता अंजाम दिया. ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सिनर ने कहा, मैं जानता था कि मैं अच्छी सर्विस कर रहा हूं. मैं यह टूर्नामेंट जीत कर बहुत खुश हूं क्योंकि मैंने पहली बार ग्रास कोर्ट पर खिताब जीता है. सिनर पिछले साल विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे, जहां उन्हें नोवाक जोकोविच से सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा था.

रोमांचक फुटबॉल जर्मनी के फुलक्रग ने इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में खूबसूरत गोल किया

यूरो 2024 : जर्मनी ने स्विट्जरलैंड को ड्रॉ पर रोका

एजेंसी। फ्रैंकफर्ट (जर्मनी)

निकोलस फुलक्रग के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में किए गए गोल की मदद से जर्मनी ने यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के मैच में स्विट्जरलैंड को 1-1 से बराबरी पर रोक कर अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया. जर्मनी यूरोपीय चैंपियनशिप में स्विट्जरलैंड के खिलाफ पहली हार के करीब था लेकिन स्थानापन्न खिलाड़ी फुलक्रग ने इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में खूबसूरत गोल किया, जिससे जर्मन टीम के खिलाड़ियों ने ही नहीं दर्शकों ने भी राहत की सांस ली. फुलक्रग ने

एक रक्षक और स्विट्जरलैंड के गोलकीपर यान सोमर को छकाकर गोल किया. इससे पहले स्विट्जरलैंड ने 28वें मिनट में डैन एनडोये के गोल की मदद से बढ़त हासिल की थी. जर्मनी इससे पहले स्कॉटलैंड और हंगरी को हराकर अगले दौर में अपनी जगह सुनिश्चित कर चुका था. वह तीन मैच में 7 अंक लेकर ग्रुप में शीर्ष पर रहा. स्विट्जरलैंड ने 5 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया. हंगरी ने स्टुटगार्ट में खेले गए ग्रुप ए के एक अन्य मैच में स्कॉटलैंड को 1-0 से पराजित किया.

उरुग्वे ने पनामा पर जीत से शुरू किया अपना अभियान

मियामी गार्डन्स। उरुग्वे ने कोपा अमेरिका कप फुटबॉल का खिताब रिकॉर्ड 16वीं बार जीतने के लक्ष्य के साथ अपने अभियान की शुरुआत ग्रुप सी में पनामा पर 3-1 की जीत के साथ की. उरुग्वे की टीम इस मैच में देश के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले दिग्गज लुइस सुआरेज के बिना मैदान में उतरी थी. मैक्सिमिलियानो अराउजो ने 16वें मिनट में उरुग्वे का खाता खोला जबकि डार्विन नुनेज (85वें मिनट) और मैटियास विना (90 1 मिनट) ने आखिरी पलों में छह मिनट के अंदर दो गोल टीम की

जीत को पक्का कर दिया. इस पूरे मैच में उरुग्वे का दबदबा रहा. इसमें से उसके सात प्रयास निशाने पर रहे और तीन गोल में बदले. पनामा के लिए अमीर मुरिलो ने स्टॉपेज समय (90 4 मिनट) ने गोल कर हार के अंतर को कम किया.

भारत की पुरुष और महिला तीरंदाजी टीमों ने ओलंपिक कोटा हासिल किये

भाषा। नयी दिल्ली

भारत ने सोमवार को विश्व तीरंदाजी की नवीनतम रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के लिए तीरंदाजी में पुरुष और महिला टीम कोटा हासिल कर लिया. भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में क्वालिफिकेशन हासिल करने में नाकाम रहे देशों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर टीम कोटा पक्का किया. भारत इस तरह से पेरिस में सभी पांच पदक स्पर्धाओं (पुरुष और महिला टीम, व्यक्तिगत और मिश्रित श्रेणियों) में प्रतिस्पर्धा करने का पात्र होगा. पुरुष वर्ग में रैंकिंग के आधार पर भारत और चीन ने कोटा हासिल किया, जबकि महिला वर्ग में

भारत के अलावा इंडोनेशिया कोटा हासिल करने वाला दूसरा देश रहा. ओलंपिक में 12 देश टीम स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगे जबकि मिश्रित प्रतियोगिताओं में पांच टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी. यह पहली बार है जब तीन चरण के ओलंपिक क्वालीफायर के बाहर रहने वाले शीर्ष दो देशों को टीम कोटा प्रदान किया गया है. अनुभवी तीरंदाज तरूणदीप रॉय और दीपिका कुमारी रिकॉर्ड चौथी बार ओलंपिक में चुनौती पेश करेंगे. सेना के 40 साल के दिग्गज तरूणदीप ने 2004 में एथेंस ओलंपिक में पहली बार देश का प्रतिनिधित्व किया था, जबकि दीपिका का यह लगातार चौथा ओलंपिक होगा. उन्होंने 2012 में लंदन में पहली बार ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया था. धीरज बोम्मदेवरा, अंकिता भकत और भजन कौर ओलंपिक में पदार्पण करेंगे, जबकि प्रवीण जाधव का तोक्यो के बाद यह लगातार दूसरा ओलंपिक खेल होगा. भारतीय टीमः पुरुषः तरुणदीप राय, धीरज बोम्मदेवरा और प्रवीण जाधव. महिलाः दीपिका कुमारी, भजन कौर और अंकिता भकत.

ब्रीफ खबरें

पंचायत में लाठी से पीट कर बुजुर्ग की हत्या

जहानाबाद । जहानाबाद में पंचायती के दौरान लाठी से पीट-पीट कर एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई. घटना शकूराबाद थाना क्षेत्र के चिकसौरा गांव की है. पंचायत जमीन बंटवारे को लेकर बुलाई गई थी जहां दो पक्षों के बीच अचानक विवाद हो गया और लाठी डंडे चलने लगे. इसी में एक की मौत हो गई. मारपीट के दौरान दूसरे पक्ष से साधु शरण सिंह, 60 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए. अधेड़ की हालात गंभीर देखते हुए सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान सिंह की मौत हो गई.

कारोबारी के घर मिला सेना का 250 कारतूस

सहरसा । सहरसा पुलिस ने एक कारोबारी के घर से भारतीय सेना का जिंदा कारतूस बरामद किया है. करीब 250 जिंदा कारतूस की बरामदगी के बाद पुलिस अब इसकी जांच में जुट गयी है. इन पकड़े गए कारतूसों के आधार पर पुलिस ने कैलाश को गिरफ्तार कर लिया है. उससे पूछताछ चल रही है. पूछताछ में कारोबारी ने बताया है कि उसका भाई सेना में है. वही कारतूस लाकर बिक्री करने के लिए अपने भाई को देता है. कासनगर थाने के अधिकारी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि कैलाश मेहता के घर अवैध हथियार मौजूद हैं. रेड के दौरान घर के दीवान पलंग के अंदर से जिंदा कारतूस बरामद हुआ है.

चैनवा स्टेशन मैनेजर की सड़क हादसे में मौत

छपरा । पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के चैनवा रेलवे स्टेशन के मैनेजर संजय कुमार की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है. संजय कुमार छपरा स्टेशन से अपने ड्यूटी स्थल छपरा सीवान रूट के चैनवा स्टेशन ड्यूटी के लिए जा रहे थे. उनकी ड्यूटी रात्रि 12 बजे से सुबह आठ बजे तक चैनवा स्टेशन पर थी, इसलिए वे छपरा से रात्रि 11 बजे ड्यूटी के लिए छपरा से बाइक से निकले. इसी बीच दाउदपुर और एकमा के बीच विपरीत दिशा से आ रही बाइक से उनकी बाइक की टक्कर हो गई. बाइक की टक्कर के बाद स्थानीय लोगों के द्वारा पुलिस को इसकी सूचना दी गई.

सांसद मनोज झा ने प्रेस कांफ्रेंस में किया बड़ा खुलासा, बोले-

किंगपिन संजीव को बचाने की कोशिश क्यों कर रहा है जदयू

संवाददाता । पटना

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. इस मामले में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की टीम ने जांच करते हुए अब तक बिहार में 18 लोगों को गिरफ्तारी कर जेल भेज चुकी है. इस मामले में सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरजेडी सांसद मनोज झा ने बड़ा बयान दिया है. झा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए एक अखबार को दिखाया और पेपर लीक मामले पर कहा कि रद्दी से 68 सवाल वही मिले हैं जो परीक्षा में पूछे गए थे. बाकी जला दिए गए होंगे. 200 सवाल होते हैं. उन्होंने कहा, इस परीक्षा को क्लीन चिट देने वाले धर्मेंद्र प्रधान से पूछना चाहूंगा कि कहां हो भाई? बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि एक संजीव मुखिया है. बीपीएससी परीक्षा की हेराफेरी में भी सूत्रधार थे. उनके बेटे शिव का नाम आया. बाहर से ही जमानत ले ली. कौन जमानत दिलाता है? बिहार से जमानत नहीं

संवाददाता सम्मेलन में जानकारी देते सांसद मनोज झा.

मिली तो बाहर से ले ली. कहा कि संजीव मुखिया कौन है उसको जानने के लिए रॉकेट साइंस की जरूरत नहीं है. संजीव मुखिया की पत्नी जदयू की बड़ी नेता हैं. चुनाव लड़ चुकी हैं. इस दौरान उन्होंने नीतीश कुमार के साथ तस्वीर भी दिखाई. सवाल उठाया कि जो किंगपिन है उसको बचाने की कोशिश क्यों हो रही है? मनोज झा ने कहा कि इनका कनेक्शन मुख्यमंत्री के खास जिले से है. एक अणे मार्ग में ये बे-रोकटोक जा सकते हैं. नीट पेपर लीक में अमित आनंद का नाम आया उसकी तस्वीर को डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के साथ दिखाया.

राजद सांसद ने कहा कि तेजस्वी के 17 महीने के कार्यकाल को छोड़ दें, जिसमें कोई परीक्षा लीक नहीं हुई. पांच लाख लोगों को नौकरी मिली. 3.5 लाख नौकरी प्रक्रियाधीन है. बिहार में परीक्षाएं लीक क्यों होती हैं? देश भर में लीकेज का बिहार-गुजरात कनेक्शन क्या है? अमित, नीतीश और संजीव मुखिया, इनको ढाल कहां से मिली.

मामले की जांच करने सीबीआई की स्पेशल टीम पटना पहुंची

पटना । नीट-यूजी परीक्षा -2024 में पेपर लीक समेत दूसरी गड़बड़ियों की जांच के लिए सीबीआई ने तत्काल एक्शन शुरू कर दिया है. शनिवार की रात केंद्र सरकार ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी थी. सीबीआई ने केस दर्ज किया और जांच के लिए दो खास टीमों का गठन किया. इनमें से एक टीम रविवार शाम पटना पहुंच गयी है. सीबीआई ने बिहार के ईओयू से संपर्क साधा है. ईओयू से नीट पेपर लीक से संबंधित कागजातों और अब तक हुई जांच रिपोर्ट मांगी गयी है. टीम सारे कागजातों की तहकीकात के बाद अपनी कार्रवाई शुरू करेगी. इससे पहले सीबीआई की ओर से बताया गया है कि सीबीआई ने केंद्र सरकार के उच्च शिक्षा निदेशक की लिखित शिकायत के आधार पर नीट परीक्षा में गडबड़ी से संबंधित एक आपराधिक मामला दर्ज किया है.

उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने मोकामा में किया आरोग्य भारत हॉस्पिटल का शुभारंभ

संवाददाता । मोकामा

उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सोमवार को मोकामा में आरोग्य भारत हॉस्पिटल का अधिकारिक शुभारंभ किया. उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बिहार में यह अपनी किस्म का पहला अस्पताल है जो सार्वजनिक- निजी भागीदारी (पीपीपी) पर शुरू किया गया है. राज्य में बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए इसे समय की मांग बताते हुए कहा कि यह पूरे प्रांत में एक मिसाल बनेगा. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आयुष्मान भारत की सुविधाओं का यह एक सार्थक उदाहरण है.

नगर परिषद के सभापति निलेश कुमार ने कहा कि मोकामा नगर परिषद के पार्टनरशिप में शुरू आरोग्य भारत हॉस्पिटल में लाभार्थियों को सालाना 130 रुपये का कार्ड बनवाकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले सकते हैं. इससे जरुरतमंदों को ओपीडी, डायटीशियन, फिजियोथेरेपी, हेल्थ काउंसलर, जांच और दवाइयों में छूट, डे केयर की सुविधा मिलेगी. उन्होंने आरोग्य भारत हॉस्पिटल की सराहना करते हुए कहा कि यहां एम्स के अनुभवी डॉक्टरों की टीम मरीजों को उत्कृष्ट सेवाएं देंगी. आरोग्य भारत हॉस्पिटल में हरित ऊर्जा की पहल के तहत सौर ऊर्जा से सभी विद्युत आपूर्ति की जा रही है.

इस दौरान नगर परिषद की ओर से उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को मोकामा में विकास कार्यों से जुड़े ज्ञापन सौंपे गए. इसमें बिजली ऑफिस वाया बाबा बहलदेव पथ होते हुए सिखारीचक से मुख्य सड़क को जोड़ने वाले रोड को आरसीडी को एवं एनआईआई-31 से लेकर भाया नाजस्थ हॉस्पिटल शहीद गेट (प्रफुल चंद वाकी गेट), रामरतन सिंह कॉलेज के पीछे दक्षिण दिशा, चंद्रिका कटरा से होते हुए शवदाह गृह तक पथ निर्माण विभाग को निर्माण हेतु हस्तांतरित करने का अनुरोध किया गया.

सीतामढ़ी में दो लोगों को मारी गोली, दोनों की हालत गंभीर

सीतामढ़ी । सीतामढ़ी में अपराधियों ने दो लोगों को गोली मार दी. दोनों की हालत गंभीर है. अस्पताल में इनका इलाज चल रहा है. घटना जिले के सुरसंड थाना क्षेत्र की है. रविवार देर रात जमीनी विवाद को लेकर रविवार की रात्रि बेखौफ अपराधियों ने ताबड़तोड़ फयरिंग की. बताया जा रहा है कि अपराधियों के द्वारा करीब नौ से दस राउंड फायर किया गया है. इस घटना में दो लोगों को गोली लगी है. पूरे इलाके में दहशत का माहौल कायम है. बताया कि सुरसंड थाना क्षेत्र के वीरपुर मलाही पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास उक्त घटना को अंजाम दिया गया है. घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल कायम है. दोनों जख्मियों को इलाज के लिए आनन-फानन में सीतामढ़ी के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है.

समस्तीपुर में जदयू नेता के यहां छापेमारी

गाड़ी से शराब और हथियार के साथ लाखों रुपये बरामद

संवाददाता । समस्तीपुर

समस्तीपुर के दलसिंहसराय अनुमंडल क्षेत्र के विद्यापतिनगर थाना क्षेत्र के हरपुर बोचहा गांव में शराब की सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की. शनिवार की रात हुई छापेमारी में दो गाड़ी में रखी शराब के साथ दो हथियार के अलावा 99 हजार 500 रुपये नकद बरामद किए गए हैं. शराब रखी एक स्कॉर्पियो के आगे बोर्ड लगा हुआ था जिस पर जदयू प्रधान सचिव किसान प्रकोष्ठ लिखा हुआ था. वहीं एक ऑल्टो कार से भी शराब मिली है. उस कार पर पुलिस का लोगो लगा हुआ पाया गया है. स्कॉर्पियो जदयू नेता संजीव कुमार सिंह उपयोग करते थे जो उगन त्रिवेणी कॉलेज चमथा में पढ़ाते हैं. जदयू किसान प्रकोष्ठ के प्रधान सचिव हैं. बताया जाता है कि पुलिस को टोल फ्री नंबर पर सूचना मिली थी कि हरपुर बोचहा गांव के वार्ड सात निवासी संजीव सिंह और अमित सिंह के घर शराब है. इस सूचना पर दारोगा रंजीत कुमार छापेमारी करने पहुंचे तो दोनों भाइयों ने विरोध किया.

इस सूचना पर विद्यापति नगर थाना के अपर थानाध्यक्ष अन्य पुलिस बल के साथ पहुंचे और जांच की तो स्कॉर्पियो से आठ लीटर शराब और ऑल्टो से भी आठ लीटर शराब मिली. घर में घुसकर जांच की गई तो संजीव कुमार सिंह के यहां से एक मास्केट हथियार, एक राइफल और तलवार बरामद हुआ.

ट्रक ने टाटा मैजिक में मारी टक्कर, एक की मौत, चार घायल

पूर्वी चंपारण । जिले के मेहसी थाना क्षेत्र में ओवर ब्रिज के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने टेंट का सामान लाद कर ले जा रहे टाटा मैजिक को टक्कर मार कर मौके से फरार हो गया. टक्कर लगने के बाद मैजिक बेकाबू होकर बीच सड़क पर पलट गयी. इस दौरान मैजिक के नीचे दबने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. वहीं दुर्घटना के बाद एनएच 27 पर वाहनों की लंबी कतार लग गई. जिससे घंटों यातायात बाधित रहा. सूचना पर मौके पर पहुंची मेहसी थाना पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा. साथ ही मैजिक को वहां से हटाकर यातायात को सुचारू कराया. घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि मैजिक वाहन हरपुर नाग से टेंट का सामान लेकर मोतीपुर जा रहा था.

प्रेमिका से छिपकर मिलना प्रेमी को पड़ा महंगा

ग्रामीणों ने प्रेमी युगल की पकड़कर करा दी शादी

- बैरिया तिवारी टोला निवासी नीरज कुमार का एक लड़की के साथ पिछले दो साल से चल रहा थाप्रेम-प्रसंग

संवाददाता । बेतिया

बेतिया में एक प्रेमी को इश्क लड़ाना महंगा पड़ गया. इसकी कीमत उसे शादी करके चुकानी पड़ी. मामला बैरिया थाना क्षेत्र के चुड़िहरवा टोला का है. जहां प्रेमी अपनी प्रेमिका से चोरी छिपे मिलने पहुंचा था. लेकिन ग्रामीणों ने दोनों को एक साथ देख लिया. इसके बाद पूछताछ करने के बाद दोनों की शादी करा दी. बताया जाता है कि बैरिया तिवारी टोला निवासी नीरज कुमार का एक लड़की के साथ पिछले दो साल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था. वह अक्सर मौका देखकर अपनी प्रेमिका से मिलने उसके गांव चला जाता था. लेकिन इस बार जब वो अपनी प्रेमिका से मिलने पहुंचा तो ग्रामीणों ने दोनों को एक साथ देख लिया. ग्रामीणों को छिपकर अपने गांव की लड़की से मिलना नागवार गुजरा. इसके बाद ग्रामीणों ने तुरंत पंचायत बुलायी और शादी का फरमान जारी कर दिया. ग्रामीणों की मौजूदगी में दोनों की जबरन शादी करवा दी गयी.

गया में अग्निवीर सेना भर्ती रैली प्रारंभ होगी

गया । अग्निवीर सेना भर्ती के लिए गया में रैली होने वाली है. बिहार राज्य के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए पुरुष उम्मीदवारों के लिए गया के बीएमपी 3 कैंप परिसर में अग्निवीर सेना भर्ती रैली का आयोजन होगा. अग्निवीर सेना भर्ती के निदेशक कर्नल राहुल द्विवेदी ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसके बारे में पूरी जानकारी दी. कर्नल राहुल द्विवेदी ने बताया कि 25 से 29 जून तक बीएमपी 3 कैंप परिसर में सेना भर्ती रैली का आयोजन किया जाएगा. इसमें अरवल, औरंगाबाद, गया, जमुई, रोहतास, जहानाबाद, कैमूर, लखीसराय, नालंदा, नवादा और शेखपुरा के पुरुष उम्मीदवार हिस्सा लेंगे. सैनिक तकनीकी नर्सिंग सहायक और सिपाही फार्मा के लिए 29 जून को बिहार व झारखंड के शॉर्टलिस्ट किए गए केवल पुरुष उम्मीदवारों के लिए भर्ती का आयोजन किया जाएगा.

पटना समेत कई जिलों में भीषण गर्मी के आसार

संवाददाता । पटना

बिहार के कुछ जिला में बारिश के बाद तापमान में कमी आई तो लोगों ने राहत की सांस ली थी. लेकिन, फिर गर्मी बढ़ने लगी. इसी बीच सोमवार से पटना समेत कई जिलों में स्कूल भी खोल दिए गए. बच्चे स्कूल तो पहुंच गए लेकिन झुलसाने वाली गर्मी से काफी परेशान दिखे. मौसम विभाग ने रोहतास, भोजपुर, भोजपुर और अरवल में भीषण गर्मी का अलर्ट जारी किया है. पटना में भी तापमान 42 डिग्री तक जाने के आसार हैं. गर्मी को देखते हुए लोगों ने शिक्षा विभाग से स्कूल टाइमिंग पर विचार करने की अपील की है. पटना के कई प्राइवेट स्कूल में दोपहर एक बजे छुट्टी होगी. उस समय धूप में नहीं निकलने की चेतावनी रहती है. ऐसे में बच्चे अगर तेज धूप में स्कूल से घर आएं तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है. लू का खतरा भी बना रहेगा. पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा गर्मी पटना से सटे वैशाली में पड़ी.

कारोबार

सेवानिवृत्ति योजना को कर्मचारियों ने स्वीकारा

कोलकाता । रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कोलकाता के तारातला कारखाने के सभी स्थायी कर्मचारियों ने वीआरएस स्वीकार कर ली है. कंपनी के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि संयंत्र के सभी स्थायी कर्मियों द्वारा वीआरएस स्वीकार किये जाने से कंपनी के कारोबारी परिचालन पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा. कंपनी ने हाल ही में तारातला संयंत्र के सभी स्थायी कर्मचारियों के वीआरएस स्वीकार करने की जानकारी शेयर बाजार को दी थी.

सोनी पिक्चर्स ने नया सीईओ नियुक्त किया

नयी दिल्ली । सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) ने डिज्नी के पूर्व कार्यकारी गौरव बनर्जी को अपना प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की है. उनकी नियुक्ति 26 अगस्त या उससे पहले प्रभावी होगी. यह नियामकीय मंजूरियों पर निर्भर करेगा. सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) ने सोमवार को बयान में कहा कि बनर्जी, एन पी सिंह की जगह लेंगे, जो 25 साल के कार्यकाल के बाद गैर-कार्यकारी चेयरमैन की भूमिका में आ जाएंगे.

कैग मुर्मू ने संग्रहालय का उद्घाटन किया

शिमला । भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) गिरीश चंद्र मुर्मू ने सोमवार को यहां चैडविक हाउस नेविगेटिंग ऑडिट हेरिटेज संग्रहालय का उद्घाटन किया. यह संग्रहालय कैग के विकास और उपलब्धियों को दर्शाता है. चैडविक हाउस शिमला की एक महत्वपूर्ण पहचान है और यह एक समृद्ध और व्यापक इतिहास समेटे है. इसका ऐतिहासिक महत्व है. 1946 में कैबिनेट मिशन के लिए शिमला की यात्रा के दौरान महात्मा गांधी यहीं ठहरे थे. आजादी के बाद 1950 में, भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा के लिए यहां एक प्रशिक्षण स्कूल शुरू किया गया था. हालांकि, चैडविक हाउस धीरे-धीरे जर्जर हो गया.

अडाणी ग्रुप की 32वीं एनुअल जनरल मीटिंग : चेयरमैन बोले

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट बदनाम करने के लिए थी

- समूह के नेट डेट टू एबिटा का अनुपात पिछले साल 3 .3 गुने से कम होकर 2 .2 गुने पर आ गया है .
- पिछले वित्त वर्ष में अडानी समूह का टैक्स के बाद मुनाफा 71 फीसदी बढ़कर 40,129 करोड़ रुपये पर पहुंच गया

संवाददाता । नयी दिल्ली

अडानी बोले- अडानी ग्रुप के पास अभी 59,799 1 करोड़ रुपये कैश है

देश के सबसे प्रमुख कारोबारी समूहों में एक अडानी समूह का मुनाफा और लिक्विडिटी अभी अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर है. समूह के चेयरमैन गौतम अडानी ने फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज की सालाना आम बैठक में सोमवार को इसकी जानकारी दी.

उन्होंने कहा कि अभी न सिर्फ समूह का मुनाफा रिकॉर्ड उच्च स्तर पर है, बल्कि समूह के पास सबसे ज्यादा कैश पड़ा हुआ है. भारत के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी गौतम अडानी ने अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरधारकों की सालाना आम बैठक को संबोधित करते हुए बताया- अडानी ग्रुप के पास अभी 59,7991 करोड़ रुपये कैश पड़ा है, जो इतिहास में सबसे ज्यादा है. वित्त वर्ष 2023-24 में समूह की टैक्स से पहले की कमाई (एबिटा) 82,917 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर रही है.

अडानी ने कहा, अडानी समूह का मुनाफा भी अभी इतिहास के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच चुका है. पिछले वित्त वर्ष में अडानी समूह का टैक्स के बाद मुनाफा 71 फीसदी बढ़कर 40,129 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो रिकॉर्ड हाई लेवल है. समूह के कर्ज के अनुपात में भी कमी आई है. समूह के नेट डेट टू एबिटा का अनुपात पिछले साल 3.3 गुने से कम होकर 2.2 गुने पर आ गया है.

हमें विस्तार करने की संभावनाएं मिलीं : एजीएम में गौतम अडानी ने अपने समूह और कंपनियों के खिलाफ लगे आरोपों पर भी बात की. उन्होंने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट का नाम लिए बिना कहा- हमारे ऊपर आधारहीन आरोप लगाए गए, जिससे हमारे फॉलो ऑन पब्लिक ऑफर (एफपीओ) पर असर हुआ. हमारे ऊपर हुए हमले ने हमारी स्थिति को न सिर्फ मजबूत किया, बल्कि उससे हमें विस्तार करने की संभावनाएं मिलीं. हमने अपने निवेशकों जीक्यूजी, क्यूआईए, यूएस डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्प आदि का भरोसा जीता. मुश्किल समय ने हमारी परीक्षा ली और हम पहले से ज्यादा मजबूत बन गए.

कंपनियां तेजी से कर्ज चुका रही हैं

समूह के बिजनेस के बारे में गौतम अडानी ने आगे कहा कि उनकी कंपनियों का सालाना खर्च पिछले 5 सालों में तीन गुना हो गया है . समूह की कंपनियां तेजी से कर्ज चुका रही हैं . कर्ज के पुनर्भुगतान के लिए बीते 2 साल में 40 हजार करोड़ रुपये जुटाए गए हैं . फंड जुटाने से हम बाजार का भरोसा पुनः स्थापित कर पाए और उथल-पुथल के मुकाबले अपने पोर्टफोलियो को सुरक्षित बनाया . फ्लैगशिप कंपनी यानी अडानी एंटरप्राइजेज के बारे में उन्होंने कहा कि वह उनके समूह के लिए इनक्यूबेशन का इंजन है और उसके लिए साल बेहतरीन रहा है . उन्होंने कहा कि अडानी एंटरप्राइजेज के पोर्टफोलियो में मुंद्रा में कच्छ कॉपर लिमिटेड ने अपनी ग्रीनफील्ड कॉपर रिफाइनरी का परिचालन शुरू किया है . समूह के एयरपोर्ट बिजनेस में दहाई अंकों में ग्रोथ आई है और सभी हवाईअड्डों का पैसेंजर ट्रैफिक 88 .6 मिलियन पर पहुंच गया है .

मेटा एआई अब भारत में व्हाट्सएप, फेसबुक, मैसेंजर पर भी उपलब्ध

एजेंसी । नयी दिल्ली

मेटा ने भारत में अपने एआई असिस्टेंट मेटा एआई को व्हाट्सएप, फेसबुक, मैसेंजर, इंस्टाग्राम और मेटा.एआई पोर्टल पर उपलब्ध कराने की घोषणा की है. सोशल मीडिया क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि इसके साथ लोग अब मेटा एआई का इस्तेमाल उसके विभिन्न ऐप पर फीड्स और चैट में कर अपना काम पूरा कर सकेंगे, सामग्री बना सकेंगे और किसी विषय में गहराई तक जा सकेंगे और इसके लिए उन्हें उस ऐप से हटना नहीं होगा, जिसका वे इस्तेमाल कर रहे हैं. मेटा एआई दुनिया के अग्रणी एआई असिस्टेंट में से है. अब व्हाट्सएप, फेसबुक, मैसेंजर, इंस्टाग्राम और मेटा.एआई पर यह उपलब्ध है. कंपनी ने कहा कि इसे मेटा लियामा 3 के साथ बनाया गया है, जो हमारा अब तक का सबसे उन्नत एलएलएम है. मेटा ने इसे भारत में अंग्रेजी और हिंदी में पेश करने की घोषणा की है. मेटा ने पिछले साल पहली बार कनेक्ट में मेटा एआई की घोषणा की थी, और अप्रैल से यह दुनियाभर के उपयोगकर्ताओं के लिए लियामा 3 के साथ निर्मित मेटा एआई का नवीनतम संस्करण पेश कर रही है.

पेटीएम ने हवाई यात्रा के लिए बुकिंग में 19% की वृद्धि दर्ज की

एजेंसी । नयी दिल्ली

वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में हवाई यात्रा के लिए बुकिंग में सालाना आधार पर 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है. कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजारों को भेजी सूचना में यह जानकारी दी. पेटीएम का यात्रा के लिए टिकट बुकिंग कारोबार इसके विपणन सेवा खंड के तहत आता है. कंपनी के टिकट बुकिंग कारोबार का राजस्व मार्च, 2024 की तिमाही में सालाना आधार पर एक प्रतिशत बढ़कर 395 करोड़ रुपये हो गया है.

कंपनी ने कहा, वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में पेटीएम ने ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर (ओटीए) के बीच अपनी बाजार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी को कायम रखा है. सालाना आधार पर कंपनी ने उड़ान बुकिंग में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है जो उद्योग की तीन प्रतिशत की वृद्धि से कहीं अधिक है. पेटीएम के विपणन सेवा कारोबार में मुख्य रूप से टिकट बुकिंग, विज्ञापन, क्रेडिट कार्ड मार्केटिंग और गिफ्ट वाउचर आते हैं.

क्वॉन्ट एमएफ सेबी की जांच के घेरे में, बोले-

सहयोग का भरोसा दिलाया

एजेंसी । नयी दिल्ली

क्वॉन्ट म्यूचुअल फंड ने कहा है कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) उसकी जांच कर रहा है और वह नियामक के पूरा सहयोग करने को प्रतिबद्ध है. कंपनी का यह बयान मीडिया में आई उस खबर के बाद आया है कि सेबी कथित फ्रंट-रनिंग गतिविधियों को लेकर क्वॉन्ट म्यूचुअल फंड की जांच कर रहा है.

खबरों के अनुसार, नियामक ने मुंबई और हैदराबाद में क्वॉन्ट म्यूचुअल फंड के कार्यालय में तलाशी और जब्ती अभियान चलाया है. फ्रंट-रनिंग से तात्पर्य शेयर बाजार में गलत व्यवहार से है, जहां एक इकाई अपने ग्राहकों को जानकारी उपलब्ध कराने से पहले ब्रोकर या विश्लेषक से मिली जानकारी के आधार पर कारोबार करती है.

रविवार देर रात निवेशकों को लिखे एक नोट में कंपनी ने कहा, हाल ही में क्वॉन्ट म्यूचुअल फंड को सेबी से पूछताछ मिली है और हम इस मामले के संबंध में आपकी किसी भी चिंता का समाधान करना चाहते हैं.

शेयर मार्केट

एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स और व्रज आयरन एंड स्टील में निवेश का मौका

इस हफ्ते दो आईपीओ आएंगे, मिनिमम इंवेस्टमेंट 14,893 रुपये

- रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 25 जून से 27 जून तक बोली लगा सकेंगे .

एजेंसी । नयी दिल्ली

शेयर मार्केट में लिस्टिंग के लिए इस हफ्ते 2 इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ ओपन होंगे. इसमें एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड और व्रज आयरन एंड स्टील लिमिटेड शामिल हैं. आइए इन दोनों कंपनियों आईपीओ के बारे में एक-एक करके जानते हैं. एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए 1,500 करोड़ जुटाना चाहती है. इसके लिए कंपनी 1,000 करोड़ के 35,587,189 नए शेयर इश्यू करेगी. जबकि, कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए 500 करोड़ के 17,793,594 शेयर बेचेंगे. रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 25 जून से 27 जून तक बोली लगा सकेंगे. 2 जुलाई को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर लिस्ट होंगे. एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 267-281 तय किया है. रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 53 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं. यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 281 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,893 इन्वेस्ट करने होंगे.

वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 689 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं. इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 193,609 खर्च करने होंगे. आईपीओ ओपन होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 26.33% यानी 74 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है. ऐसे में अपर प्राइस बैंड 281 के हिसाब से इसकी लिस्टिंग 355 पर हो सकती है. व्रज आयरन एंड स्टील लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए 171 करोड़ जुटाना चाहती है. इसके लिए कंपनी पूरे 171 करोड़ के 8,260,870 शेयर इश्यू करेगी. यह पूरी तरह से फ्रेश आईपीओ है, जिसमें कंपनी के मौजूदा निवेशक और प्रमोटर ऑफर फॉर सेल के जरिए एक भी शेयर नहीं बेच रहे हैं. व्रज आयरन एंड स्टील लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 195-207 तय किया है. रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 72 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं.

ग्रे मार्केट में व्रज आयरन एंड स्टील का प्रीमियम 19.32% : आईपीओ ओपन होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 19.32% यानी 40 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है. ऐसे में अपर प्राइस बैंड 207 के हिसाब से इसकी लिस्टिंग 247 पर हो सकती है. हालांकि इससे केवल अनुमान लगाया जा सकता है, शेयर की लिस्टिंग की प्राइस ग्रे मार्केट की प्राइस से अलग होती है.

भारत की वृद्धि दर के अनुमान को 6.8 प्रतिशत पर कायम रखा

एजेंसी । नयी दिल्ली

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.8 प्रतिशत पर कायम रखते हुए कहा है कि ऊंची ब्याज दरों और कम राजकोषीय प्रोत्साहन से मांग में कमी आएगी. एशिया प्रशांत के लिए सोमवार को जारी अपने आर्थिक परिदृश्य में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी आर्थिक वृद्धि के साथ हैरान कर रही है और बीते वित्त वर्ष (2023-24) में यह 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है. एसएंडपी ने कहा, हमारा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर घटकर 6.8 प्रतिशत पर आ जाएगी. एसएंडपी का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था क्रमशः 6.9 प्रतिशत और सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी.

अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा सांसद संविधान की प्रति हाथ में लिए हुए.

कीर्ति झा आजाद

महुआ मोइत्रा

संविधान की प्रति लेकर संसद पहुंचे विपक्षी सांसद

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के कई घटक दलों के नेता 18वीं लोकसभा की बैठक के पहले दिन सोमवार को संविधान की प्रति लेकर संसद पहुंचे और कहा कि वे संविधान की रक्षा करेंगे. कांग्रेस के अलावा द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद परिसर में सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की. उन्होंने 'संविधान की रक्षा हम करेंगे' और 'तानाशाही नहीं चलेगी' के नारे लगाए. कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने विपक्षी सांसदों की नारेबाजी का वीडियो साझा करते हुए 'एक्स' पर

चंद्रशेखर रावण

पोस्ट किया, "हम लोकतंत्र के प्रहरी हैं. हम संविधान की रक्षा करने और उसे कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं. हम अन्याय के खिलाफ लड़ने के अपने संकल्प में एकजुट हैं. 'इंडिया' गठबंधन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का आशीर्वाद लेकर और संसद में लोगों के मुद्दों, चुनौतियों, आशाओं और आकांक्षाओं को आवाज देने और सरकार को हर मिनट नियंत्रण में रखने के नए संकल्प के साथ 18वीं लोकसभा में प्रवेश करता है.'

ब्रीफ खबरें

लिट्टे को प्रतिबंधित सूची में बनाए रखने की सराहना

कोलंबो। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) को प्रतिबंधित सूची में बनाए रखने के ब्रिटेन सरकार के फैसले की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम इस द्वीपीय देश में पूर्व सशस्त्र समूह की खुद को फिर से खड़ा करने की हर साजिश को विफल कर देगा. सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में साबरी ने कहा कि लिट्टे के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का दृष्टिकोण और रणनीति विदेशी सरकारों से इस प्रतिबंध को रद्द करवाना है ताकि वे समूह को एक बार फिर से खड़ा कर सकें. साबरी ने अपने पोस्ट में कहा कि श्रीलंका के लिट्टे को प्रतिबंधित सूची में बनाए रखने के ब्रिटिश अधिकारियों के फैसले ने इस समूह की श्रीलंका में खुद को फिर से खड़ा करने की योजना विफल कर दी है.

केरल में वित्तीय संकट की वजह केंद्र सरकार

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने सोमवार को केंद्र पर देश के संघीय ढांचे के खिलाफ रुख अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि इसी वजह से राज्य कुछ वक्त से गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहा है. राज्य सरकार में वित्त मंत्री केएन बालगोपाल ने आरोप लगाया कि इस खराब वित्तीय हालात के पीछे केंद्र सरकार ही असली वजह है. उन्होंने विधानसभा में एक सवाल के जवाब में कहा कि राज्य सरकार की संसाधन जुटाने की पहल बुरी तरह प्रभावित हुई है क्योंकि केंद्र सरकार 'केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड' (केआईआईएफबी) द्वारा जुटाई गई व खर्च की गई धनराशि को केरल की समग्र उधारी का हिस्सा मान रही है. लेकिन राज्य सरकार ने केआईआईएफबी द्वारा मंजूर परियोजनाओं को निधि जारी करने पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है.'

डंपर की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत

प्रयागराज (उप्र)। प्रयागराज जिले में गंगानगर के सराय ममरेज थानाक्षेत्र में सोमवार को सोरू पेट्रोल पंप के पास सोमवार को डंपर (एक प्रकार का वाहन) की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार पांच लोगों की मौत हो गई. थाने के उपनिरीक्षक सौमित्र ने बताया कि सोमवार पूर्वाह्न करीब साढ़े दस बजे सोरू पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल पर सवार दो महिलाओं और दो बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई. उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान विकास (25), सुम्मारी (60), जनता (34), दिवाना (सात) और लक्ष्मी (आठ माह) के रूप में की गई है जो जौनपुर के मीरगंज थानाक्षेत्र के चौबी खुर्द के रहने वाले थे.

शार्क के हमले में एक जीवनरक्षक की मौत

हवाई। हवाई के ओहू द्वीप के पास रविवार को दोपहर में सर्फिंग कर रहे एक पेशेवर जीवनरक्षक की शार्क के हमले में मौत हो गई. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. होनोलुलु आपातकालीन सेवा विभाग के शाइनी एनराइट ने एक बयान में कहा कि होनोलुलु शहर और काउंटी के महासागर सुरक्षा जीवनरक्षक (लाइफगार्ड) तामायो पेरी (49) की गोट द्वीप के पास शार्क के हमले में मौत हो गई. एनराइट ने बताया कि होनोलुलु महासागर सुरक्षा विभाग और शहर के अग्निशमन, पुलिस और आपातकालीन चिकित्सा सेवा विभागों ने दोपहर एक बजे से ठीक पहले ओहू के उत्तरी तट पर मलाकाहाना में एक व्यक्ति के बारे में सूचना मिलने पर कार्रवाई की. कहा गया था कि संभवतः उस व्यक्ति पर शार्क ने हमला किया है.

प्रधानमंत्री ने संसदीय चुनावों में राजग की जीत को 'महान और भव्य' बताया

देश जिम्मेदार विपक्ष चाहता है, हमारी सरकार सहमति से चलेगी : नरेंद्र मोदी

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि देश की जनता विपक्ष से 'नखरे, ड्रामा, नारेबाजी और व्यवधान' की जगह 'ठोस काम' और संसद की गरिमा बनाए रखने की उम्मीद करती है. एक अच्छे और जिम्मेदार विपक्ष की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि 140 करोड़ देशवासियों की आशाओं व आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए उनकी सरकार हर किसी की सहमति के साथ और हर किसी को साथ लेकर चलने का निरंतर प्रयास करेगी. 18वीं लोकसभा की शुरुआत के अवसर पर संसद भवन परिसर में मीडिया को संबोधित करते हुए मोदी ने संसदीय चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत को 'महान और भव्य' बताया तथा कहा कि अपने तीसरे कार्यकाल में उनकी सरकार पहले से तीन गुना ज्यादा मेहनत करेगी और परिणाम भी तीन गुना लाकर रहेगी. इस अवसर पर उन्होंने साल 2047 तक 'श्रेष्ठ और विकसित' भारत के लक्ष्य को हासिल करने के संकल्प को दोहराया और साथ ही आपातकाल को याद करते हुए देशवासियों को इसकी 50वीं वर्षगांठ पर यह संकल्प लेने का आग्रह किया कि भारत में फिर कभी कोई यह हिम्मत नहीं कर सके. मोदी ने कहा, 'इस 18वीं लोकसभा में देश उनसे विपक्ष के नाते उनकी भूमिका की अपेक्षा करता है, लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखने की अपेक्षा करता है. मैं आशा करता हूं कि विपक्ष उसमें खरा उतरेगा.'

आपातकाल लोकतंत्र पर काला धब्बा था

आपातकाल को याद करते हुए मोदी ने कहा कि जो लोग संविधान की गरिमा के प्रति समर्पित हैं और जो लोग भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं पर निष्ठा रखते हैं, उनके लिए 25 जून न भूलने वाला दिवस है. उन्होंने कहा, 'कल 25 जून को भारत के लोकतंत्र पर जो काला धब्बा लगा था, उसके 50 वर्ष हो रहे हैं. भारत की नई पीढ़ी इस बात को कभी नहीं भूलेगी कि भारत के संविधान को पूरी तरह नकार दिया गया था. संविधान को समाप्त कर दिया गया था. देश को जेलखाना बना दिया गया था, लोकतंत्र को पूरी तरह दबोच दिया गया था.' आपातकाल के बीते 50 सालों का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि इसकी 50वीं वर्षगांठ के मौके पर गौरव के साथ संविधान की रक्षा करते हुए, भारत के लोकतंत्र व लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा करते हुए देशवासी संकल्प लेंगे कि भारत में फिर कभी कोई ऐसी हिम्मत नहीं करेगा, जो 50 साल पहले की गई थी और लोकतंत्र पर काला धब्बा लगा दिया गया था.

'रस्सी जल गई, बल नहीं गया, अपना 'अघोषित आपातकाल' भूल गए मोदी'

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने 50 साल पहले के आपातकाल का जिक्र किया, लेकिन पिछले 10 वर्षों के उस 'अघोषित आपातकाल' को भूल गए जिसका जनता ने इस लोकसभा चुनाव में अंत कर दिया है. उन्होंने यह भी कहा कि देश को उम्मीद थी कि संसद सत्र के पहले दिन प्रधानमंत्री नीट एवं अन्य परीक्षाओं में 'पेपर लीक' जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बोलेंगे, लेकिन उन्होंने मौन साध लिया. प्रधानमंत्री मोदी ने आपातकाल को लोकतंत्र पर लगा 'काला धब्बा' करार देते हुए सोमवार को कहा कि इसकी 50वीं बरसी के मौके पर देशवासी यह संकल्प लें कि भारत में फिर कभी कोई ऐसा कदम उठाने की हिम्मत नहीं करे. 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत के अवसर पर संसद परिसर में मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह बात कही. खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'प्रधानमंत्री

मोदी जी अपने रस्मी संबोधन में आज ज़रूरत से ज़्यादा बोले. इसे कहते हैं, रस्सी जल गई, बल नहीं गया.' उन्होंने कहा, 'देश को आशा थी कि मोदी जी महत्वपूर्ण मुद्दों पर कुछ बोलेंगे. नीट व अन्य भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक के बारे में युवाओं के प्रति कुछ सहानुभूति दिखाएंगे, पर उन्होंने अपनी सरकार की धांधली व भ्रष्टाचार के बारे में कोई ज़िम्मेदारी नहीं ली. हाल ही में हुई पश्चिम बंगाल की रेल दुर्घटना के बारे में भी मोदी जी मौन साधे रहे.' खरगे ने दावा किया, 'मणिपुर पिछले 13 महीनों से हिंसा की चपेट में है, पर मोदी जी न वहां गए और ना ही उन्होंने आज के अपने भाषण में ताज़ा हिंसा के बारे में कोई चिंता व्यक्त की है.

प्रधानमंत्री के 'देश के नाम संदेश' में कुछ नया नहीं था, भटकाने वाली बातें थीं : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद से बाहर "देश के नाम संदेश' दिया और उन्होंने सिर्फ विषय से ध्यान भटकाने वाली बातें कीं. पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, "18वीं लोकसभा का कार्यकाल शुरू हो रहा है. इस अवसर पर जैसा कि सामान्य रूप से होता है, लोकसभा चुनाव में ज़बरदस्त व्यक्तिगत, राजनीतिक और नैतिक हार का सामना करने वाले नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री ने संसद के बाहर ''देश के नाम संदेश'' दिया." उन्होंने आरोप लगाया, "अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कुछ भी नया नहीं कहा. हमेशा की तरह उन्होंने विषय से ध्यान भटकाने वाली बातें कहीं. उनकी बातों से ऐसा लगा ही नहीं कि वह सही मायने में जनादेश का अर्थ समझ रहे हैं - वह वाराणसी में भी संदिग्ध एवं संकीर्ण अंतर से जीते हैं." रमेश ने कहा कि वह किसी भी तरह के भ्रम में न रहें क्योंकि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') उनसे पूरे कार्यकाल का हिसाब लेगा.

दोनों देशों का व्यापक रणनीतिक संबंधों पर जोर

एस जयशंकर ने यूएई के अपने समकक्ष के साथ की बातचीत

एजेंसी। दुबई

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात के अपने समकक्ष अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ दोनों देशों के 'निरंतर बढ़ते' व्यापक रणनीतिक संबंधों पर 'सकारात्मक तथा गहन' बातचीत की और क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की. रविवार को संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा पर आए जयशंकर ने अबू धाबी में प्रतिष्ठित बीएपीएस हिंदू मंदिर के दर्शन किए और अल नाहयान से मुलाकात से पहले 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लिया. उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात के अपने समकक्ष से मुलाकात करने के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री अब्दुल बिन जायद से मुलाकात करके बहुत खुशी हुई.' जयशंकर ने

कहा, 'हमारी निरंतर बढ़ती व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर सकारात्मक और गहन बातचीत हुई. क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर उनके साथ (अल नाहयान के साथ) हुई चर्चा और उनके विचारों की सराहना करता हूं.' जयशंकर ने अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर के दर्शन किए जिसका उद्घाटन इस साल 14 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था. उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में इस मंदिर को 'भारत-संयुक्त अरब अमीरात की मित्रता का प्रत्यक्ष प्रतीक' बताया.

द.कोरिया में बैटरी बनाने वाली फैक्टरी में आग से नौ की मौत

एजेंसी। सियोल

दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल के समीप लिथियम बैटरी बनाने वाली फैक्टरी में सोमवार को आग लगने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गयी, चार घायल हो गए तथा 15 अन्य लापता हैं. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. सियोल के दक्षिणी क्षेत्र ह्वासियोंग शहर में स्थित फैक्टरी में आग लगने से पहले एक व्यक्ति की मौत होने तथा चार अन्य के घायल होने की सूचना मिली थी. स्थानीय दमकल अधिकारी किम जिन-यंग ने बताया कि बचाव कर्मियों ने बाद में फैक्टरी से आठ और शव बरामद किए जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हो गयी है. किम ने पहले बताया था कि ज्यादातर लापता लोग विदेशी नागरिक हैं जिनमें चीनी नागरिक भी शामिल हैं. उन्होंने बताया कि लापता लोगों के मोबाइल फोन के सिग्नल फैक्टरी की दूसरी मंजिल से आने का पता चला है. दक्षिण कोरियाई मीडिया ने बताया कि आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है. आग लगने की वजह का अभी पता नहीं चला है. किम ने बताया कि आग लगने के समय फैक्टरी में कुल 102 लोग काम कर रहे थे.

साफ फुटपाथ और चलने के लिए सुरक्षित स्थान प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक अधिकार

- प्रधानमंत्री और वीवीआईपी के लिए सड़कें, फुटपाथ खाली कराए जाते हैं तो फिर सबके लिए क्यों नहीं : अदालत

एजेंसी। मुंबई

बम्बई उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि जब प्रधानमंत्री और अन्य अति विशिष्ट व्यक्तियों (वीवीआईपी) के लिए सड़कों और फुटपाथ को एक दिन के लिए खाली कराया जा सकता है तो सभी लोगों के लिए क्यों रोज ऐसा नहीं किया जा सकता. न्यायमूर्ति एम.एस. सोनक और न्यायमूर्ति कमल खता की खंडपीठ ने कहा कि साफ फुटपाथ और चलने के लिए सुरक्षित

स्थान हर एक व्यक्ति का मौलिक अधिकार है और इसे मुहैया कराना राज्य प्राधिकरण का दायित्व है. पीठ ने कहा कि राज्य सरकार के केवल यह सोचने भर से नहीं चलेगा कि शहर में फुटपाथों पर अतिक्रमण करने वाले अनधिकृत फेरीवालों की समस्या के समाधान के लिए क्या किया जाए. उन्हें (राज्य सरकार) अब इस दिशा में कुछ कठोर कदम उठाने होंगे. उच्च न्यायालय ने पिछले वर्ष शहर में अनाधिकृत रेहड़ी और फेरीवालों के मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लिया था. पीठ ने सोमवार को कहा कि उसे पता है कि समस्या बड़ी है लेकिन राज्य और नगर निकाय सहित अन्य अधिकारी इसे ऐसे ही नहीं छोड़ सकते. पीठ ने इस मुद्दे पर सख्त कार्रवाई का आह्वान किया. अदालत ने कहा, 'जब प्रधानमंत्री या कोई वीवीआईपी आते हैं तो सड़कें और फुटपाथ तुरंत साफ कर दिए जाते हैं और जब तक वे यहां रहते हैं, तब तक ऐसा ही रहता है. तब यह कैसे हो जाता है? यह बाकी सभी लोगों के लिए क्यों नहीं किया जा सकता?

केजरीवाल की जमानत याचिका पर कल सुनवाई करेगी शीर्ष अदालत

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने धन शोधन मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत पर अंतरिम रोक लगाने के उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए 26 जून की तारीख तय की है. न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की अवकाशकालीन पीठ ने सोमवार को कहा कि वह इस मुद्दे पर उच्च न्यायालय के आदेश का इंतजार करना चाहेगी. वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने जमानत आदेश पर अंतरिम रोक हटाने का अनुरोध किया. ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने केजरीवाल की याचिका का विरोध किया.

दक्षिणी दागिस्तान क्षेत्र में सशस्त्र आतंकवादियों ने किया हमला

रूस में आंतकवादी हमलों में 15 पुलिस अधिकारियों और कई नागरिकों की मौत

- डर्बेंट में एक यहूदी उपासनागृह व एक गिरजाघर बने निशाना

एजेंसी। मॉस्को

रूस के दक्षिणी दागिस्तान क्षेत्र में सशस्त्र आतंकवादियों ने रविवार को 15 से अधिक पुलिस अधिकारियों और एक पादरी समेत कई नागरिकों की हत्या कर दी. दागिस्तान के गवर्नर सर्गेई मेलीकोव ने सोमवार तड़के एक वीडियो बयान में बताया कि बंदूकधारियों ने दो शहरों में दो ऑर्थोडॉक्स गिरजाघरों, एक यहूदी उपासनागृह और एक पुलिस चौकी

पर गोलीबारी की. रूस की राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी समिति ने बताया कि ये हमले मुख्य रूप से मुस्लिम क्षेत्र में हुए जहां सशस्त्र चरमपंथ का इतिहास रहा है. उसने इन हमलों को आतंकवादी कृत्य बताया. इस क्षेत्र में सोमवार, मंगलवार और बुधवार को शोक दिवस घोषित किया गया है. दागिस्तान के अंदरुनी मामलों के मंत्री ने बताया कि सशस्त्र लोगों के एक समूह ने कैस्पियन सागर के समीप स्थित डर्बेंट शहर में एक यहूदी उपासनागृह और एक गिरजाघर पर हमला किया. सरकारी मीडिया के अनुसार, गिरजाघर और यहूदी उपासनागृह दोनों में आग लग गयी. इसी तरह दागिस्तान की राजधानी मखचकला में एक गिरजाघर और एक यातायात पुलिस चौकी पर भी हमले की ऐसी ही खबरें मिली हैं.

रिपोर्ट जी-20 के वित्त मंत्री अगले महीने अमीरों पर संपदा कर लगाने को लेकर विचार-विमर्श करेंगे

भारत में 74 प्रतिशत लोग 'अमीरों' पर कर के पक्ष में : सर्वे

एजेंसी। नयी दिल्ली

जी-20 के वित्त मंत्री अगले महीने दुनिया के बेहद अमीर (सुपर-रिच) लोगों पर संपदा कर (वेल्थ टैक्स) लगाने को लेकर विचार-विमर्श करेंगे. वहीं एक सर्वे में यह तथ्य सामने आया है कि इन देशों के 68 प्रतिशत लोग अमीरों पर इस तरह का कर लगाने के पक्ष में हैं. भारत में तो यह आंकड़ा और अधिक यानी 74 प्रतिशत है. इन लोगों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर भुखमरी, असमानता और जलवायु संकट से निपटने के लिए इस तरह का कर लगाया जाना चाहिए. 'अर्थ4ऑल इनिशिएटिव एंड ग्लोबल कॉमन्स अलायंस' के इस सर्वेक्षण में दुनिया की सबसे

बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के 22,000 लोगों की राय ली गई. 'सुपर-रिच' पर कर लगाने का प्रस्ताव 2013 से लगातार चर्चा में है और पिछले कुछ वर्षों में इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समर्थन बढ़ रहा है.

जी-20 के मौजूदा अध्यक्ष ब्राज़ील का लक्ष्य अमीरों पर कराधान को लेकर आम सहमति बनाना है. जुलाई में जी-20 के वित्त मंत्रियों की बैठक में इस बारे में एक संयुक्त घोषणा पर जोर दिए जाने की संभावना

खास बाते

- भुखमरी और असमानता से निपटने के लिए यह जरूरी
- जी-20 अध्यक्ष ब्राज़ील का आम सहमति बनाना लक्ष्य

है. फ्रांसीसी अर्थशास्त्री गैब्रियल जुकमैन मंगलवार को इस बारे में एक रिपोर्ट पेश करेंगे कि कैसे बेहद अमीर लोगों पर वैश्विक स्तर पर न्यूनतम कर काम करेगा और इसे कितना बढ़ाया जा सकता है. ब्राजील के जी-20 में इस कर के प्रस्ताव के पीछे जुकमैन का ही दिमाग है. जुकमैन का कहना है कि आम लोगों की तुलना में बेहद अमीर लोग काफी कम कर देते हैं. प्रस्ताव का उद्देश्य एक नया अंतरराष्ट्रीय मानदंड स्थापित करना है. प्रत्येक देश के अरबपति व्यक्ति को इस प्रस्ताव के तहत अपनी संपदा का दो प्रतिशत सालाना कर के रूप में देना होगा. सर्वे के अनुसार, 74 प्रतिशत भारतीय इस कर के पक्ष में हैं. 68 प्रतिशत भारतीयों का मानना है कि दुनिया को अगले दशक में अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों-बिजली उत्पादन, परिवहन, भवन, उद्योग और भोजन - में नाटकीय कार्रवाई करने की जरूरत है. सर्वेक्षण में शामिल 81 प्रतिशत भारतीयों ने 'कल्याणकारी अर्थव्यवस्थाओं' में बदलाव का समर्थन किया है. ऐसी अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक वृद्धि के बजाय स्वास्थ्य और पर्यावरण पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाता है.

अमेरिका में लूटपाट के दौरान भारतीय नागरिक को मारी गोली

- मृतक की पहचान आंध्रप्रदेश निवासी दासारी गोपीकृष्ण के रूप में की गयी

एजेंसी। ह्यूस्टन

अमेरिका के टेक्सास राज्य में एक दुकान में लूटपाट के दौरान 32 वर्षीय एक भारतीय नागरिक को गोली मार

दी गई. उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. डलास के प्लीजेंट ग्रोव में 21 जून को एक गैस स्टेशन सुविधा स्टोर में लूटपाट की घटना के दौरान दासारी गोपीकृष्ण गंभीर रूप से घायल हो गया. उसे पास के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां शनिवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. मृतक की पहचान दासारी गोपीकृष्ण के रूप में की गयी है और वह आंध्र प्रदेश के बापटला जिले का रहने वाला था. वह आठ महीने पहले ही अमेरिका आया था. रविवार को योग दिवस कार्यक्रम के लिए डलास में मौजूद भारत के महावाणिज्य दूत डी. सी. मंजूनाथ ने 'पीटीआई भाषा' को बताया कि यह घटना अरकांसस में हुई गोलीबारी से संबंधित नहीं है, जैसा कि विभिन्न स्रोतों द्वारा पहले बताया गया था. गोपीकृष्ण के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मंजूनाथ ने कहा, "हम टेक्सास स्थित डलास के प्लीजेंट ग्रोव में लूटपाट के दौरान गोलीबारी की घटना में भारतीय नागरिक दासारी गोपीकृष्ण की मौत के बारे में जानकर बहुत दुखी हैं और उनके परिवार के सदस्यों के संपर्क में हैं."

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)